27 मार्च 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

वक्फ संशोधन बिल पर बिहार विधानमंडल में जमकर हंगामा

2

रांची में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या

अपराधियों ने दी खुली चुनौती

एजेंसी/रांची

रांची के कांके थाना क्षेत्र में बीजेपी नेता सह पूर्व जिला परिषद सदस्य अनिल टाइगर की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। गोली उनकी कनपटी में लगी थी। गंभीर हालत में उन्हें रिम्स में भर्ती कराया गया था। रिम्स के डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। ये घटना कांके थाना क्षेत्र के कांके चौक की है। वारदात से आक्रोशित लोगों ने कांके चौक जाम कर दिया. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मनातू रिंग रोड से शूटर को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के विरोध में बीजेपी ने गुरुवार को रांची बंद का ऐलान किया है। रांची के कांके चौक पर दिनदहाड़े अपराधियों ने अनिल टाइगर को गोली मार दी और चलते बने। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अनिल टाइगर को इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद इलाके में दहशत है। लोगों में आक्रोश है।

हत्या की घटना से आक्रोशित लोगों ने कांके चौक को किया जाम

हत्या से आक्रोशित लोग सड़क पर उतर गए और सड़क जाम कर दी। कांके चौक पर हमेशा भीड़ रहती है। इसके बावजूद अपराधी वारदात को अंजाम दिया और आराम से निकल गए। स्थानीय लोगों की मानें तो बुधवार की दोपहर 3:50 बजे अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया। झारखंड विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। इसी दौरान बेलगाम अपराधियों ने दुस्साहस का परिचय देकर रांची पुलिस को फिर चुनौती दे दी। पिछले दिनों रांची से बीजेपी विधायक सीपी सिंह ने सदन में लॉ एंड ऑर्डर का मामला उठाया था। उन्होंने लचर कानून व्यवस्था को लेकर राज्य की हेमंत सोरेन सरकार को घेरा था। उन्होंने कहा था कि अपराधी बेलगाम हो गए हैं। दिनदहाड़े लूट, छिनतई और हत्याएं हो रही है, लेकिन पुलिस कंट्रोल नहीं कर पा रही है। इधर, घटना के बाद भाग रहे एक अपराधी को लोगों ने पकड़ लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

सपा सांसद के घर पर करणी सेना का हमला

रामजी लाल का फूंका पुतला

एजेंसी/आगरा

राणा सांगा को गद्दार कहने वाला सपा सांसद रामजी लाल सुमन के आगरा स्थित घर पर करणी सेना के कार्यकताओं ने हमला कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने उनके घर में घुसने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस और करणी सेना के बीच जमकर मारपीट हुई। इस झड़प में कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। करणी सेना के कार्यकर्ता सुमन के आवास पर बुलडोजर लेकर पहुंचे। उन्होंने गाड़ियों में तोड़फोड़ की। रामजी लाल सुमन ने 21 मार्च को राज्यसभा में राणा सांगा को गद्दार बताया था और कहा था कि हिंदू उनके वंशज हैं। मंगलवार को राजपूत संगठन ने भोपाल में सपा के ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रामजी लाल सुमन का पुतला फूंका। राणा सांगा के बारे में पोस्टर लगाने को लेकर महापंचायत और सपा कार्यकताओं में तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें अलग किया।

राज्यसभा में राणा सांगा को गद्दार कहने पर भड़का आक्रोश

रामजीलाल ने राज्यसभा में कहा था कि भारतीय मुसलमान बाबर को अपना आदर्श नहीं मानते। वे पैगंबर मुहम्मद और सूफी परंपरा का पालन करते हैं। लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि बाबर को यहां कौन लाया? राणा सांगा ने ही बाबर को इब्राहिम लोदी को हराने के लिए आमंत्रित किया था इसलिए, अगर मुसलमानों को बाबर का वंशज कहा जाता है, तो हिंदू गद्दार राणा सांगा के वंशज होने चाहिए। हम बाबर की आलोचना करते हैं, लेकिन हम राणा सांगा की आलोचना क्यों नहीं करते?

सीएम योगी ने क्या प्रतिक्रिया दी: सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, क्या इतिहास सिर्फ यही लोग जानते हैं जो जिन्ना का महिमामंडन करते हैं? ये वही लोग हैं जो बाबर, औरंगजेब और जिन्ना का महिमामंडन करते हैं। देश, भारत की विरासत और महापुरुषों के प्रति इनके भाव क्या होंगे, इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है।

खबरें फटाफट

5 वन-वे अनारक्षित स्पेशल ट्रेनों का परिचालन आज से

पटना। यात्रियों की अत्यधिक भीड़ को देखते हुए रेलवे द्वारा 27 मार्च से पांच वन-वे अनारक्षित स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा।

1. गाड़ी सं. 03391 राजगीर-आनंद विहार वन-वे स्पेशल-28.03.2025 को राजगीर से 10 बजे खुलकर बख्तियारपुर, पटना, आरा, बक्सर, डीडीयू, प्रयागराज के रास्ते आनंद विहार पहुंचेगी।
2. गाड़ी सं. 03299 दानापुर-आनंद विहार वन-वे स्पेशल-27.03.2025 को यह दानापुर से 14.30 बजे खुलकर आरा, बक्सर, डीडीयू, प्रयागराज के रास्ते आनंद विहार पहुंचेगी।
3. गाड़ी सं. 03399 गया-आनंद विहार वन-वे स्पेशल 27.03.2025 को गया से 18.50 बजे खुलकर सासाराम, डीडीयू, प्रयागराज के रास्ते आनंद विहार पहुंचेगी।
4. गाड़ी सं. 03395 गया-आनंद विहार वन-वे स्पेशल 28.03.2025 को गया से 18.50 बजे खुलकर सासाराम, डीडीयू, प्रयागराज के रास्ते आनंद विहार पहुंचेगी।
5. गाड़ी सं. 05581 दरभंगा-आनंद विहार 02.04.2025 को दरभंगा से 18.30 बजे खुलकर सीतामढ़ी, गोरखपुर के रास्ते आनंद विहार पहुंचेगी।

भ्रामक विज्ञापनों पर रोक का रास्ता साफ, राज्यों को दो माह का मिला समय

भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ शिकायत निवारण तंत्र बनाएं राज्य: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ शिकायत निवारण तंत्र बनाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे विज्ञापन समाज को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं, उन पर कड़ी निगरानी आवश्यक है। सरकार ने तंत्र स्थापित करने के लिए राज्यों को दो महीने का वक्त दिया है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने राज्यों को निर्देश दिया कि वे 1954 के ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट के तहत निषिद्ध आपत्तिजनक विज्ञापनों के खिलाफ आम जनता की शिकायतों के लिए एक उपयुक्त तंत्र तैयार करें। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से भ्रामक विज्ञापनों पर सख्ती से रोक लगाने का रास्ता साफ हुआ है।

पीठ ने आदेश में कहा, हम राज्यों को निर्देश देते हैं कि वे दो महीने के भीतर उचित शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करें और इसकी उपलब्धता के बारे में नियमित रूप से प्रचार करें। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को पुलिस तंत्र को इस अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने के लिए संवेदनशील बनाने का भी निर्देश दिया। भ्रामक विज्ञापनों का मुद्दा उस समय उठा जब सुप्रीम कोर्ट 2022 में दायर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि पतंजलि और योगगुरु रामदेव ने कोविड वैक्सीनेशन अभियान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के खिलाफ गलत प्रचार किया था।

रेप के संबंध में दिए गए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक विवादित फैसले पर रोक लगा दी है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि नाबालिग के स्तनों को पकड़ना रेप का प्रयास नहीं है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट के जज की संवेदनशीलता की कमी को देखकर दुख हुआ, जिन्होंने यह आदेश दिया था।

फैसला सुनाने वाले जज ने दिखाई असंवेदनशीलता: सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है और फैसला सुनाने वाले जज की ओर से पूरी तरह असंवेदनशीलता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमें यह कहते हुए दुख हो रहा है कि यह फैसला सुनाने वाले जज की ओर से पूरी तरह असंवेदनशीलता को दर्शाता है। बता दें कि मामले का सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया। हालांकि हैरानी वाली बात यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने 24 मार्च को इलाहाबाद हाईकोर्ट के खिलाफ ढक्छ पर विचार करने से इनकार कर दिया था।सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि हमें यह कहते हुए दुख हो रहा है कि निर्णय जज की ओर से संवेदनशीलता की कमी को दशार्ता है। सुप्रीम कोर्ट के जज ने कहा, ह्लनिर्णय तत्काल नहीं लिया गया था बल्कि इसे सुरक्षित रखने के चार महीने बाद फैसला सुनाया गया। इसलिए इसमें विवेक का प्रयोग नहीं किया गया। हम आमतौर पर इसे इस चरण में स्टे देने में हिचकिचाते हैं लेकिन पैरा 21, 24 और 26 में की गई टिप्पणियां कानून के सिद्धांतों से अनभिज्ञ है और अमानवीय दृष्टिकोण को दशार्ती हैं। इसलिए हम इस पर स्टे देते हैं।

पेड़ों को काटना मनुष्य की हत्या से भी बड़ा अपराध

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बड़ी संख्या में पेड़ों को काटना मनुष्य की हत्या से भी बड़ा अपराध है। न्यायालय ने अवैध रूप से काटे गए प्रत्येक पेड़ के लिए एक व्यक्ति पर एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने यह टिप्पणी उस व्यक्ति की याचिका को खारिज करते हुए की, जिसने संरक्षित ताज ट्रेपेज़ियम जोन में 454 पेड़ काट डाले थे। इस पर पीठ ने कहा, ह्यह्य पर्यावरण के मामले में कोई दया नहीं होनी चाहिए। बड़ी संख्या में पेड़ों को काटना किसी इंसान की हत्या से भी जघन्य है। शीर्ष अदालत ने कहा कि बिना अनुमति के काटे गए 454 पेड़ों से जो हरित क्षेत्र था उसी तरह का हरित क्षेत्र फिर से उत्पन्न करने में कम से कम 100 साल लगेंगे। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, जिसमें शिवशंकर अग्रवाल नामक व्यक्ति द्वारा मथुरा-वृंदावन में डालमिया फार्म में 454 पेड़ काटने के लिए प्रति पेड़ एक लाख रुपये का जुर्माना लगाने की सिफारिश की गई थी।

जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़

हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद

एजेंसी/श्रीनगर

सुरक्षा बलों ने बुधवार को जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले के वन क्षेत्र में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया। अधिकारियों ने बताया, सुरक्षा बलों ने बारामूला के नंबलान वन क्षेत्र में एक आतंकवादी ठिकाने का पता लगाया। उन्होंने वहां से हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। अधिकारियों के अनुसार, तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों ने हथियारों और विस्फोटकों का एक जखीरा बरामद किया, जिसमें एक फ्यूज के साथ एक ह्यइम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), प्लास्टिक विस्फोटक, एके-47 की 104 गोलियां, एके-47 की दो मैग्जीन, दो हथगोले और अन्य सामान बरामद किए गए।

संदिग्ध पदार्थ मिलने के बाद तीन पुलिसकर्मी गिरफ्तार: जम्मू के उधमपुर जिले में चेनानी-नाशरी सुरंग के पास एक यातायात चौकी से संदिग्ध पदार्थ बरामद होने के बाद तीन पुलिसकर्मियों को हिरासत में लिया गया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने हालांकि यह नहीं बताया कि संदिग्ध पदार्थ क्या था लेकिन मंगलवार देर रात यातायात चौकी के बाहर विरोध प्रदर्शन करने वाले स्थानीय लोगों ने दावा किया कि पुलिसकर्मी मांस पका रहे थे। उधमपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नागपुरे आमोद अशोक ने बताया, चेनानी थाना पुलिस को शिकायत मिली थी कि कुछ लोगों ने चेनानी-नाशरी सुरंग के पास एक यातायात चौकी पर कुछ संदिग्ध पदार्थ देखा है।

लालू यादव के लिए भारत रत्न की मांग से जुड़ा बिल पेश होते ही सदन में मचा हंगामा, खारिज

केटी न्यूज/पटना

वैशाली जिले के महुआ से विधायक मुकेश कुमार रौशन ने बुधवार को बिहार विधानसभा में एक प्राइवेट बिल पेश किया। इस बिल के जरिए उन्होंने आरजेडी सुप्रीमो एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के लिए भारत रत्न की मांग कर दी। सदन में बिहार सरकार से इस संबंध में केंद्र सरकार को सिफारिश करने का आग्रह किया। उनके इस बिल के पेश करते ही सदन में हंगामा मच गया और सत्ता पक्ष के विधायक इसका विरोध करने लगे। हालांकि सदन ने ध्वनि मत से इस बिल को खारिज कर दिया। बताया जा रहा है कि मुकेश कुमार रौशन सदन यह बिल अपनी कुर्सी बचाने के लिए लेकर आए हैं, क्योंकि पिछले दिनों लालू यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेजप्रताप ने इस बात का ऐलान किया था कि 2025 के चुनाव में वह महुआ से चुनाव लड़ेंगे। तेजप्रताप 2015 से 2020 तक इस सीट से विधायक रह चुके हैं, लेकिन 2020 के चुनाव में लालू ने उन्हें हसनपुर से चुनाव लड़ाया और इस सीट से राजद की टिकट पर मुकेश रौशन विधायक चुने गये। यह बिल लाकर मुकेश मीडिया और लालू परिवार का अटेंशन चाहते हैं ताकी उनकी विधायकी बची रहे। राजद विधायक के इस प्रस्ताव पर सदन में कुछ देर के लिए हो-हल्ला होने लगा। जिस पर स्पीकर नंद किशोर यादव ने कहा कि सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। वहीं, मुकेश रौशन के प्रस्ताव पर मंत्री विजय चौधरी ने मुकेश रौशन से यह प्रस्ताव वापस लेने का आग्रह किया, लेकिन जब विधायक ने यह प्रस्ताव वापस नहीं लिया, तो सदन ने ध्वनिमत से उसे अस्वीकार कर दिया।

राहुल गांधी का आरोप... सदन में मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा है। दरअसल, बुधवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा,'सदन में बोलते समय मयार्दा का ध्यान रखा जाना चाहिए। मेरी जानकारी में ऐसी कई घटनाएं आई हैं, जिसमें सदन के आचरण का उल्लंघन किया गया है। स्पीकर ने आगे कहा,'मेरा नेता प्रतिपक्ष से निवेदन है कि लोकसभा प्रक्रिया के नियम 349 के तहत सदन में नियमों के मुताबिक आचरण-व्यवहार करें, जो सदन की मर्यादा और आचरण के अनुसार हो। इतना बोलने के बाद स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही को स्थगित कर दिया। संसद की कार्यवाही स्थगित होने के बाद राहुल गांधी ने स्पीकर पर निशाना साधा। विपक्ष के नेता ने कहा कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है। राहुल ने आगे कहा,'स्पीकर ने पहले मेरे बारे में कुछ कहा। इसके बाद मैं उन्हें जवाब देने के लिए खड़ा हुआ। लेकिन जैसे ही मैंने कहा कि मुझे बोलने दीजिए। वो घूमकर चले गए और कार्यवाही स्थगित कर दी।

बिहार के चार प्रमुख शहर पटना, बिहारशरीफ, भागलपुर और मुजफ्फरपुर में सीसीटीवी से कट रहा चालान

सीसीटीवी के जरिए 141.85 करोड़ रुपये की चालान की वसूली

केटी न्यूज/पटना

बिहार के चार प्रमुख शहरों पटना, बिहारशरीफ, भागलपुर और मुजफ्फरपुर में स्मार्ट सिटी योजना के तहत अत्याधुनिक सीसीटीवी निगरानी तंत्र स्थापित किया गया है। इन शहरों में कुल 6,138 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे अपराध नियंत्रण और ट्रैफिक प्रबंधन में बड़े पैमाने पर सुधार देखा जा रहा है। इस निगरानी प्रणाली की मॉनिटरिंग इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) से की जा रही है, जिससे न केवल अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी में मदद मिल रही है

बल्कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी कार्रवाई की जा रही है। तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों की सहायता से अबतक कुल 141.85 करोड़ रुपये की चालान वसूली की गई है। राजधानी पटना की बात करें तो अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 के बीच 97.45 करोड़ रुपये का चालान वसूला गया है जबकि बिहारशरीफ में इसी अवधि में 0.48 करोड़ रुपये की वसूली हुई है। वहीं, सिल्क सिटी भागलपुर में नवंबर 2023 से फरवरी 2025 तक 22.68 करोड़ रुपये का चालान काटा गया। मुजफ्फरपुर में मई 2023 से 11 मार्च 2025 तक कुल 21.24 करोड़ रुपये की वसूली की गई है।

राजधानी पटना में 3300 सीसीटीवी कैमरे लगाए गये हैं, जिससे शहर की पल-पल की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। 30 जगहों पर अनुकूली यातायात नियंत्रण (एटीसीएस), 30 स्थानों पर रेडलाइट जंप, 28 जगहों पर नंबर प्लेट पहचान सिस्टम, 12 स्पीड वॉयलेशन डिटेक्शन (एसवीडी) कैमरे लगाए गये हैं। शहर में 16 वेरिएबल मैसेज डिस्प्ले (वीएमडी) और 69 पब्लिक अनाउंसमेंट (पीए) भी लगाए गये हैं। वहीं, अप्रैल 2023 से दिसंबर 2024 के बीच 85 करोड़ रुपये की चालान वसूली हुई है, जो इस प्रोजेक्ट की लागत से तीन गुना अधिक है।

वहीं, भागलपुर में 250 स्थानों पर 1500 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे चोरी, हत्या और अन्य आपराधिक मामलों की जांच में मदद मिली है।

समाज को अच्छा बनाने का लक्ष्य है सर्वोपरि: प्रो. अशोक कुमार

- प्रो. अशोक बने वीकेएसयू में प्राचार्य, जल्द आवंटित होगा महाविद्यालय
- भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड अंतर्गत फरहदा के निवासी है प्रोफेसर

केटी न्यूज/आरा

राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग द्वारा चयनित स्थाई प्राचार्यों को विश्वविद्यालय आवंटित किया गया। इसके तहत वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय को कुल आठ स्थाई प्राचार्य आवंटित किये गए हैं। इनमें से एक हैं प्रो. अशोक कुमार, जिनका चयन पिछड़ा वर्ग कोटी के तहत किया गया है। हालांकि, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति ने उन्हें अपने स्तर से महाविद्यालय का आवंटन नहीं किया है। लेकिन, आशा जताई जा रही है कि जल्द ही उन्हें कॉलेज आवंटित कर प्रशासनिक दायित्व का प्रभार सौंपा जाएगा।

वहीं, इस उपलब्धि को प्राप्त करने के बाद प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि प्राचार्य से पहले मैं एक शिक्षक हूं। इसलिए एक शिक्षक का मूल कर्तव्य मेरे लिए सर्वोपरि रहेगा। एक अच्छे समाज के निर्माण के लिए पहले विद्यार्थियों को अच्छे संस्कार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा। ताकि, आज के युवा कल एक बेहतर समाज का निर्माण किया जाएगा। साथ ही, नियमित कक्षाओं के संचालन पर भी फोकस किया जाएगा। जिससे सत्रों का ससमय संचालन करने में सुविधा मिल सके। दूसरी ओर उनकी उपलब्धि से बड़हरा प्रखंड समेत पूरे जिले के छात्र-छात्राओं के खुशी व्याप्त है। बताया जाता है कि पूर्व में रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय पलामू में सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के संकाय अध्यक्ष (डीन) के साथ साथ परीक्षा नियंत्रक भी रह चुके हैं। पिछड़ा वर्ग एवं साधारण परिवार से आने के बावजूद अपनी मेधा के आधार पर ये लम्बा सफर तय किया है। साथ ही, उन्हें 25 वर्षों का शैक्षणिक एवं प्रशासनिक अनुभव है। इस बात की उम्मीद जतायी जा रही है कि अपने अनुभव के आधार पर जो भी कॉलेज आवंटित होंगे। उसे देश स्तर पर ले जाने का प्रयास करेंगे। ताकि उसमें नामांकन के लिए छात्र-छात्राएं लालायित हो। किसी भी कॉलेज को आगे ले जाने में उसके प्राचार्य की अहम भूमिका होती है। उसकी देखरेख में कॉलेज अपनी चरम ऊंचाईयों तक पहुंच सकता है।

पटना में जेबकतरे की जेब से निकली सोने की 51 ज्वेलरी, खरीदने वाला सोनार भी गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में चेन स्नैचिंग और मोबाइल लूट की बढ़ती घटनाओं के पीछे सक्रिय एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने इस मामले में सात अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 51 पीस सोने के आभूषण, एक देसी कट्टा और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। यह मामला दानापुर थाना क्षेत्र का है, जहां दो मार्च को एक महिला के साथ चेन स्नैचिंग की घटना हुई थी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की और एक आरोपी अमन कुमार को गिरफ्तार किया। पूछताछ में अमन ने कई बड़े राज खोले, जिसके बाद पुलिस ने एक सुनार सहित गिरोह के अन्य सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में यह सामने आया कि गिरोह के सदस्य चोरी की गई चेन और अन्य गहनों को सुनार गोपाल कुमार को कम दामों में बेचते थे। इसके बाद गोपाल कुमार चोरी का सोना गला कर नए जेवरात बना देता था, जिससे चोरी का सामान पहचानना मुश्किल हो जाता था। दानापुर डीएसपी भानु प्रताप के अनुसार, गिरोह ने अब तक पटना में 60 से 70 स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम दिया है। अपराधियों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। राहुल कुमार उर्फ कृष्णा, मनीष कुमार उर्फ सोनू और दीपक कुमार पहले भी कई संगीन अपराधों में शामिल रहे हैं। गिरोह का मुख्य सरगना राहुल कुमार उर्फ कृष्णा बेहद खतरनाक अपराधी निकला। उसने बिहटा में एक सुनार की गोली मारकर हत्या कर दी थी और उसकी ज्वेलरी लूटकर फरार हो गया था।

विधानमंडल में विपक्ष के विधायकों ने किया प्रदर्शन

वक्फ संशोधन बिल पर सदन में जमकर हंगामा

- राजद और भाकपा माले के विधायक ने वेल में आकर किया हंगामा, कुछ विधायकों ने कुर्सियां उठाईं

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानमंडल में बजट सत्र के 17वें दिन महागठबंधन के विधायकों ने जमकर हंगामा किया। विधानसभा अध्यक्ष के आते ही महागठबंधन के विधायक प्रदर्शन करने लगे। सभी विधायक वक्फ संशोधन बिल को लेकर प्रदर्शन करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने प्रदर्शन कर रहे विधायकों को शून्य काल में अपनी बात रखने की बात भी कहीं लेकिन किसी ने एक नहीं सुनी। विधानसभा अध्यक्ष ने यहां तक कहा कि सदन का प्रसारण लाइव हो रहा है। इसे सभी लोग देख रहे हैं। आपलोग कृपया बैठ जाएं। लेकिन, राजद और भाकपा माले के विधायक नहीं माने और वेल में आकर हंगामा करने लगे। इस कुछ विधायकों ने कुर्सियां उठा लीं। विधानसभा अध्यक्ष ने विधायकों को ऐसा करने से मना किया। लेकिन, विधायक वक्फ बिल को लेकर हंगामा करने लगे। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने कहा कि18 दिन आप के सहयोग से सदन अच्छे से चला है। अब बस दो दिन बचे हैं। क्यों हंगामा कर रहे हैं। सदन को चलने दें। आपलोग सदन को क्यों चलने नहीं दे रहे हैं। शून्य काल में अपनी बात रखें। लेकिन, विधायक नहीं मानें। विपक्ष के हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही महज 12 मिनट ही चल पाई इसके बाद सभी विधायकों को परिसर में जाने को कहा।

वक्फ संशोधन बिल के विरोध में धरने पर बैठे लालू-तेजस्वी

पटना। पटना में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों का प्रदर्शन जारी है। मुस्लिम संगठनों के लोग गर्दनीबाग धरनास्थल पर प्रदर्शन कर रहे। इससे राष्ट्रीय जनता दल ने अपना समर्थन दिया। इस प्रदर्शन में राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी पहुंचे और मुस्लिम संगठन के नेताओं के धरने पर बैठ गए। इधर, तेजस्वी यादव ने मुस्लिम संगठनों के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे नेता लालू प्रसाद यादव आपके साथ खड़े होने के लिए धरनास्थल पर आए हैं। चाहे हमारी पार्टी सत्ता में हो या नहीं। हमलोग इस बिल के विरोध में रहेंगे। विपक्ष ने विधानसभा और विधान परिषद में वक्फ संशोधन बिल का विरोध किया है। हमलोग इस बिल को गैर संवैधानिक और अलोकतांत्रिक मानते हैं। कुछ लोग देश को तोड़ने की साजिश कर रहे हैं, और उनकी पार्टी इस कानून को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। मुझे खुशी है कि लालू जी का खून मेरे अंदर हैनेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह भी बताया कि उन्होंने आज सदन में कार्य स्थगन प्रस्ताव लाकर इस बिल पर चर्चा की मांग की थी, लेकिन सदन को स्थगित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हमलोगों किसी भी हाल में नागपुरिया कानून को लागू नहीं होने देंगे। इस देश के संविधान, लोकतंत्र और भाईचारा को बचाने का काम करेंगे। किसी भी हाल में गैरसंवैधानिक बिल को हमलोग बर्दाश्त नहीं करेंगे।

बिहार में निकली होमगार्ड के 15 हजार पदों पर भर्ती, बिना परीक्षा होगा चयन

केटी न्यूज/पटना

बिहार में होमगार्ड के 15,000 से अधिक पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस भर्ती के लिए आवेदन 27 मार्च 2025 से शुरू होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी 16 अप्रैल 2025 तक अपने आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। महानिदेशक सह महासमादेष्टा कार्यालय, गृह रक्षा वाहिनी, बिहार ने 37 जिलों (अरवल जिला एवं पुलिस जिला नवगछिया तथा बगहा को छोड़कर) के लिए होमगार्ड भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है।

कुल 15,000 पदों में महिलाओं के लिए 5094 पद आरक्षित हैं। इस भर्ती में किसी भी प्रकार की लिखित परीक्षा नहीं होगी। चयन शारीरिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा और मेरिट लिस्ट शारीरिक परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी। होम गार्ड के इन पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास न्यूनतम 12वीं कक्षा पास की शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए। साथ ही आवेदनकर्ता बिहार होना चाहिए। इसके अलावा यह आवेदन जिला स्तर पर होंगे। आप जिस जिले के निवासी हैं, उसी जिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। साथ ही उम्मीदवार की न्यूनतम उम्र 19 वर्ष और 40 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आयु की गणना 1 जनवरी 2025 से होगी। चयन शारीरिक दक्षता के आधार पर होगा और मेरिट लिस्ट फिजिकल टेस्ट के अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी। अगर अंक समान होते हैं, तो चयन प्रक्रिया में आयु, शैक्षणिक योग्यता और 12वीं के अंक देखे जाएंगे।

फर्जी प्रमाण पत्र पर बहाल तीन शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज

मधुबनी। जिले के पंडौल प्रखंड के बथने पंचायत में फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर बहाल तीन शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना के आदेश पर पंडौल थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई। जांच में खुलासा हुआ कि तीनों शिक्षक 2007 से फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर नियोजित थे। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है। तीनों शिक्षक बथने पंचायत के ही स्कूलों में कार्यरत थे।

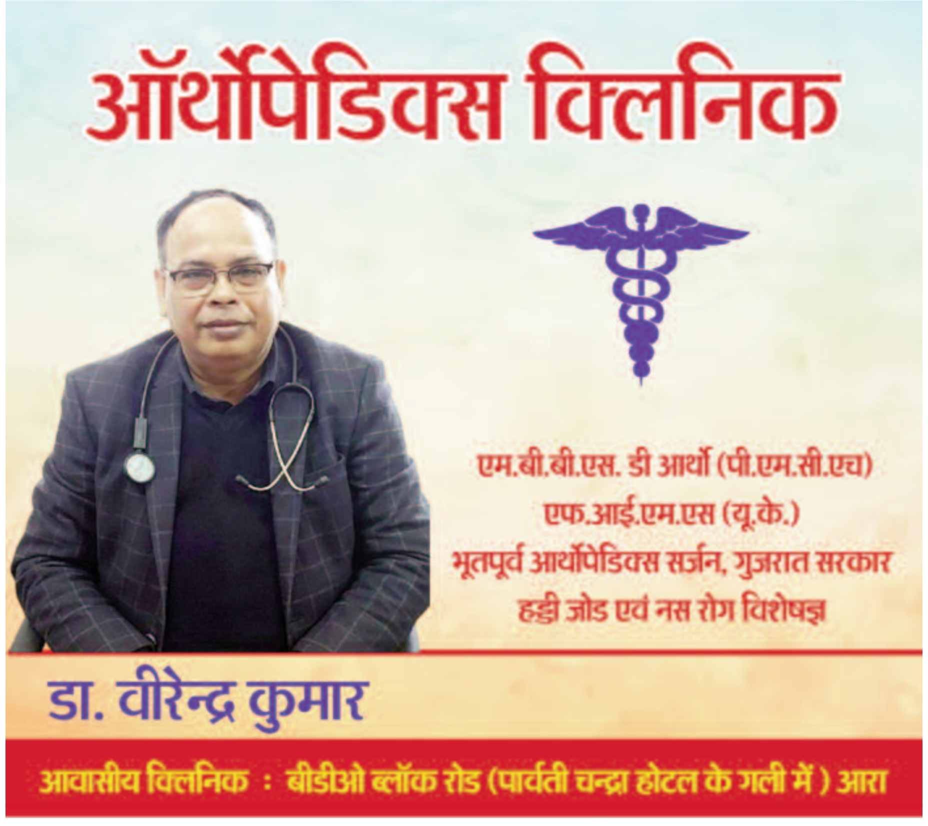

चौसा-पवनी पैक्स चुनाव: अध्यक्ष पद पर छह व सदस्य के लिए 10 ने किया नामांकन

♦ गेट के बाहर ही रहे प्रत्याशियों के साथ आए समर्थक, सुरक्षा के थे पुख्ता इंतजाम

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा नगर पंचायत पैक्स व पवनी पैक्स के चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई है। पहले दिन अध्यक्ष पद के लिए छह और सदस्य पद के लिए दस अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन केंद्र पर दिनभर गहमा-गहमी का माहौल रहा। प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि चौसा नगर पंचायत पैक्स चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए निवर्तमान पैक्स अध्यक्ष समेत दो उम्मीदवार सुनील कुमार सिंह और मनोज कुमार ने नामांकन किया। वहीं, पवनी पैक्स से अमल कुमार दुबे, गर्जन सिंह, पूर्व पैक्स अध्यक्ष दुमरती देवी और लालजी सिंह ने पर्चा भरा।

जबकि, सदस्य पद के लिए चौसा नगर पंचायत से चार और पवनी पैक्स से छह उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन केंद्र पर समर्थकों की भीड़ उमड़ी रही, जिससे माहौल चुनावी रंग में रंगा नजर आया। इस दौरान प्रखंड कार्यालय पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे तथा नामांकन फार्म भरने आए प्रत्याशियों के समर्थकों को सुरक्षाकर्मी मुख्य गेट के अंदर प्रवेश नहीं दिए। उन्हें गेट के बाहर ही खड़े हो इंतजार करना पड़ा। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत गुरुवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन है। इसके बाद पर्चों की जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। 9 अप्रैल को मतदान होगा तथा मतदान के तुरंत बाद मतगणना कराई जाएगी।

जिसके लिए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। वहीं, नामांकन प्रक्रिया शुरू होते ही दोनों जगहों पर शियासत तेज हो गई है। प्रत्याशी मतदाताओं को अपने पक्ष में गोलबंद करने के लिए कोई कोरस कसर नहीं छोड़ रहे है। नामांकन फार्म भरने के दौरान भी प्रत्याशी अधिक से अधिक समर्थकों को ले जाने का प्रयास किये। नामांकन के बहाने प्रत्याशी यह दिखाने का प्रयास कर रहे थे कि उनके पक्ष में अधिक से अधिक किसान है। हालांकि, नामांकन फार्म भरने के दौरान सिर्फ निर्धारित संख्या में प्रस्तावक व समर्थक ही अंदर जा सकें।

एक नजर

विज्ञान में प्रखंड में अव्वल आकर जलीलपुर के छात्र अंकित ने बढ़ाया विद्यालय का मान

चौसा। इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के घोषित परिणाम में उच्च विद्यालय सिकरौल जलीलपुर के मेधावी छात्र अंकित कुमार ने प्रखंड टॉप कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने विज्ञान संकाय में कुल 455 अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की। उनकी इस सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों ने अंकित की इस सफलता का जश्न मनाते हुए उन्हें मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक कमल कुमार सिंह ने कहा कि अंकित की सफलता पूरे विद्यालय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने यह साबित किया कि मेहनत और लगन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षकों ने भी अंकित की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ निश्चय ने उन्हें यह सफलता दिलाई है। इस सफलता से विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों में भी नया जोश और प्रेरणा का संचार हुआ है। इस मौके पर इस मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक कमल कुमार सिंह, शिक्षक परवेज आलम, चंदन राय, विपिन कुमार सिंह, गीता कुमारी, इंद्रजीत कुमार, राहुल कुमार, अमित कुमार, प्रवीण कुमार, मो. इरफान, मनीष कुमार, विभा कुमारी आदि शिक्षकों ने अंकित को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मेथोडिस्ट अस्पताल ने दिये रोड 16 बैरियर

डुमरांव। सड़क सुरक्षा के उद्देश्य से मेथोडिस्ट अस्पताल प्रतापसागर ने नया भोजपुर थाने को 16 लोहे के बैरियर डोनेट किए हैं। अस्पताल के डायरेक्टर आरके सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा आज के समय की एक प्रमुख आवश्यकता है, क्योंकि सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ती संख्या चिंता का विषय है। बैरियर न केवल सड़क दुर्घटनाओं को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि पुलिस प्रशासन के प्रयासों को भी मजबूती प्रदान करेगी। बता दें कि एनएच 922 पर स्थित प्रतापसागर में कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसे में लोहे के बैरियर न केवल ट्रैफिक नियंत्रण में सहायक होंगे, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने में भी कारगर साबित होते हैं। इन बैरियरों का उपयोग मुख्यतः प्रतापसागर, नावाडेरा गेट और गोपालडेरा गेट के समीप किया जाएगा। नया भोजपुर थाने के अपर थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने अस्पताल प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की सहायता से पुलिस प्रशासन को अपनी ड्यूटी निभाने में आसानी होती है। बैरियरों की मदद से दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा। अपर थानाध्यक्ष ने कहा कि इस पहल से स्पष्ट है कि निजी संस्थान भी यदि सामाजिक दायित्व को समझते हुए सहयोग करें, तो सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाया जा सकता है। मैथोडिस्ट अस्पताल द्वारा किया गया यह प्रयास निस्संदेह एक प्रेरणादायक कदम है, जो अन्य संस्थानों को भी प्रेरित करेगा। अस्पताल के निदेशक ने कहा कि मैथोडिस्ट अस्पताल समाज सेवा में विश्वास रखता है और आगे भी इस तरह की पहल करता रहेगा। उन्होंने यह भी अपील की कि अन्य संस्थान और संगठन भी आगे आकर इस प्रकार की जनहितकारी योजनाओं में भाग लें।

खबरें फटाफट

जिले के प्रथम तीन में शामिल छात्राओं को किया गया सम्मानित

बक्सर। बिहार इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम घोषित होने के साथ ही जिले में बेहतर करने वाले छात्र-छात्राओं के विद्यालयों में भी खुशी का माहौल कायम हो गया है। जिला के एमपी उच्च विद्यालय की छात्र-छात्राएं बेहतर प्रदर्शन पिछले दो सालों से किया है। इस साल भी जिले के वाणिज्य एवं कला संकाय में जिले के प्रथम तीन की सूचि में तीन छात्राओं ने जगह बनाया है। इससे उत्साहित विद्यालय प्रबंधन ने तीनों छात्राओं को प्रार्थना सत्र में फूलमाला, मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान बेहतर करने वाले छात्राओं ने अपने जुनियर छात्र-छात्राओं को शिक्षा के प्रति उत्साहित किया। छात्राओं ने अपने जुनियर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोटिवेशन हो सकता है भूल जायें। इससे अधिक अपने शिक्षा ग्रहण पर ध्यान देना होगा। यह गुरूजनों के द्वारा दी गई शिक्षा तथा उसको अपने अंदर अनुशासन में रहते हुए ग्रहण करना होगा। नियमित कक्षाओं में शामिल होना होगा। जिससे उन्हें क्रमवार विषय वस्तु की जानकारी मिलती रहे। इसके साथ ही पढ़ाये गये पाठों को अपने अंदर अनुशासन में आत्मसात करना होगा।

बवाल: नवाडेरा में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में तनाव

घेराबंदी के मामले में दो पक्षों में मारपीट, पत्थरबाजी में एक जखमी

♦ डीसीएलआर ने डुमरांव सीओ को उक्त जमीन पर भू-स्वामी को कब्जा दिलाने का निर्देश दिया था

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर थाना के पुराना भोजपुर व नवाडेरा गांव के सीमा पर स्थित पोखरा की जमीन को लेकर उपजा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को एक बार फिर से इस मुद्दे पर नावाडेरा के ग्रामीण उग्र हो गए तथा जबरन निर्माण कार्य बंद कराने के साथ ही निर्माण कराने वालों के साथ भिंड़ गए। इस दौरान पत्थरबाजी की सूचना भी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। मारपीट की इस घटना में एक व्यक्ति जख्मी हुआ है। हालांकि, मौके पर पहुंचे डीएसपी व नया भोजपुर थानाध्यक्ष ने तत्काल स्थिति को नियंत्रित कर विवाद को बड़ा होने से बचा लिया।

बता दें कि एक तरफ इस भू-खंड को रैयती जमीन करार दे डीसीएलआर ने 25 जनवरी को डुमरांव सीओ को उक्त जमीन पर भू-स्वामी को कब्जा दिलाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद सीओ पूरे लाव लश्कर के साथ पहुंच उस जमीन पर रैयतदार को कब्जा दिलवाए थे।

इसके बाद रैयतदार द्वारा इस पर निर्माण कार्य शुरू कराया गया, जिसका विरोध नवाडेरा के ग्रामीण करने लगे। बुधवार को रैयतदार उक्त जमीन पर निर्माण कार्य कराने पहुंचे थे, इस दौरान ग्रामीण उग्र हो गए तथा पथराव शुरू कर दिए। जानकारों का कहना है कि पुलिस के सामने भी पथराव हुआ है। इस दौरान सिमरी थाना क्षेत्र के मानिकपुर गांव निवासी विष्णुशंकर राय जख्मी हो गए। उन्होंने नया भोजपुर थाने में इसकी जानकारी दी है। वहीं, नवाडेरा के ग्रामीणों का कहना है कि पोखरे की यह जमीन सार्वजनिक इस्तेमाल की जमीन है। वहीं, पथराव की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत कराया। डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने ग्रामीणों को मूल दस्तावेज के साथ आकर अपना पक्ष रखने को कहा है। इस दौरान डीएसपी ने तत्काल निर्माण कार्य को रूकवा दिया है।

नहीं थम रहे हैं जमीन विवाद के मामले : डुमरांव अनुमंडल इलाके में जमीन विवाद के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है। बुधवार को नवाडेरा गांव के पास हुए विवाद की घटना कोई नई नहीं है। इसके पूर्व भी कई बार जमीन विवाद से जुड़े मामले सामने आ चुके है। हलांकि, जमीन विवाद को सुलझाने के लिए ही प्रत्येक शनिवार को थानों में जनता दरबार को आयोजन किया जाता है। बावजूद जमीन विवाद के मामलों का कम नहीं होना कई सवाल खड़े कर रहा है। गौरतलब हो कि नवाडेरा गांव में जिस भूखंड के लिए बुधवार को ग्रामीण उग्र हो गए थे, पूर्व में उस भूखंड पर डीसीएलआर के आदेश पर पुलिस ने ही कब्जा दिलाया था। बावजूद, ग्रामीण शांत नहीं हुए तथा इसे सार्वजनिक मशरफ की जमीन का हवाला दे एक बार फिर से हिंसक रूख अख्तियार कर लिए।

" विवाद की सूचना मिली थी, मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। जिस निर्माण कार्य के कारण विरोध हो रहा था फिलहाल उसे बंद करा दिया गया है। विरोधी पक्ष को मूल दस्तावेज उपलब्ध कराने को लेकर 15 दिन का समय दिया गया है। अगर पुन: कोई विवाद कर विधि व्यवस्था खराब करता है तो कारवाई करेंगे।

– अफाक अख्तर अंसारी, एसडीपीओ, डुमरांव

शादी की नीयत से किशोरी का अपहरण एक पर केस दर्ज

नावानगर। जिले के स्थानीय प्रखंड स्थित सोनवर्षा थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी का अपहरण शादी की नियत से करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में किशोरी के पिता ने भोजपुर जिला अंतर्गत अगियांव बाजार थाना के पंचफेरवा गांव के एक युवक पर अपहरण करने का आरोप लगाते हुए सोनवर्षा थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया है।

दर्ज एफआईआर में किशोरी के पिता ने बताया है कि बीती शाम उनकी बेटी शौच के लिए घर से निकली थी। पर देर रात तक वापस घर नहीं लौटी। किशोरी के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने खोजबीन करने लगे। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद वो हताश होकर पूरी रात उसका इंतजार करने लगे। पूछताछ के क्रम में उनके करीबियों के माध्यम से उनको मालूम हुआ कि भोजपुर जिला अंतर्गत अगिआंव बाजार थाना के पंचफेरवा गांव निवासी प्रदीप चौधरी ने शादी की नियत से उनकी पुत्री का अपहरण कर लिया है। बताया कि उनकी बेटी के अपहरण करने में अन्य लोग की भी सहयोग हो सकती है। इस संबंध में सोनवर्षा थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि किशोरी के पिता द्वारा दी गई आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है। किशोरी की तलाश की जा रही है।

हादसा: मंगराव पुल पर दो बाइक की सीधी टक्कर में एक युवक गंभीर रूप से जख्मी

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर थाना क्षेत्र के ईसापुर-खीरी मार्ग पर बुधवार की शाम करीब मंगराव पुल के समीप दो बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। जिसमें एक बाइक पर सवार दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। वही, टक्कर मारने वाला बाइक सवार युवक घटना के बाद फरार हो गया। वही, घटना के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। लेकिन घायलों के घर वाले पहुंच दोनो युवकों को इलाज के लिए वाराणसी लेकर चले गए।

घायल युवकों की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के हरपुर गांव निवासी बलि सिंह का बेटा मुकेश सिंह व उपेंद्र सिंह का बेटा अक्षय कुमार के रूप में हुई है। जिसमें अक्षय कुमार हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार बाइक नागपुर-मंगराव पथ आ रही थी, वही, दूसरी बाइक ईसापुर से खीरी की तरफ जा रही थी। मंगराव पुल पर बने चौराहे के कारण दोनों चालकों को एक-दूसरे का अंदाजा नहीं हो सका। जैसे ही बाइक चालक ने रास्ता मोड़ने की कोशिश की, विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों युवक उछलकर सड़क किनारे गिर पड़े, जबकि एक बाइक खंभे से टकराकर नहर के किनारे जा गिरी। इसी दौरान क्षेत्र का दौरा कर लौट रहे बसपा नेता लालजी राम और बंशनारायण राम ने घायलों को देखकर तुरंत राजपुर सीएचसी को सूचना दी।

दुर्घटना के बाद भागा आरोपी चालक : हादसे में टक्कर मारने वाला बाइक चालक पूरी तरह सुरक्षित रहा और भीड़ का फायदा उठाकर अपनी बाइक छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस की डायल 112 टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त बाइकों को जब्त कर लिया।

किसी भी टास्क को पूरा करने में सक्षम है बक्सर के कांग्रेस कार्यकर्ता: डॉ. मनोज

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय पर बीएलए-2 सदस्य बनाने की तैयारी की अंतिम बैठक प्रखंड प्रभारी के साथ किया गया। बैठक में बताया गया कि बीएलए सूची अंतिम रूप से तैयार हो चुकी है एवं इस सप्ताह में सूची जमा कर दी जाएगी।

जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अंतिम डेड लाइन 30 मार्च है। बीलए की सूची लगभग तैयार है अंतिम रूप देकर जिला कांग्रेस कमेटी प्रदेश कांग्रेस कार्यालय एवं जिला मुख्यालय में जमा कर देगी। उन्होंने सभी बीएलए प्रभारी व प्रखंड अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने कम समय में जो यह काम किया है, जो सराहनीय है। आगे भी हम कांग्रेस कार्यकर्ता किसी भी टास्क को समय से पहले करने के लिए तैयार है। बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य डॉ. प्रमोद कुमार ओझा, त्रिलोकी मिश्रा, कांग्रेस नेता डॉ. सत्येंद्र ओझा, संजय कुमार पांडेय, युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय ओझा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम राम, महिमा शंकर उपाध्याय, वीरेंद्र राम, राजा रमन पांडेय, कमल पाठक, राजू वर्मा, दयाशंकर सिंह, युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण उपाध्याय, युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव पंकज उपाध्याय, अजय यादव, त्रिजोगी नारायण मिश्रा व अन्य उपस्थित थे।

महिला कारा में डीएम-एसपी ने लगाया बंदी दरबार, सुनी कैदियों की समस्याएं; बोले डीएम...

कारा में जांच के लिए लगेगा स्वास्थ्य शिविर

केटी न्यूज/बक्सर

महानिरीक्षक, कारा एवं सुधार सेवाएं, बिहार, पटना के निर्देश एवं बिहार कारा हस्तक 2012 के अधिनियम 262 के आलोक में महिला मंडल कारा, बक्सर में बुधवार को बंदियों के शिकायत निवारण के लिए जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य की उपस्थिति में बंदी दरबार का आयोजन किया गया।

कैदियों ने डीएम से लगाई गुहार: महिला मंडल कारा बक्सर के कुछ बंदियों के द्वारा अपने एवं अपने बच्चों के ईलाज के लिए जेल में चिकित्सा शिविर आयोजित करने तथा इस चिकित्सा शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ चिकित्सक, दंत चिकित्सक एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ चिकित्सक की उपस्थिति के लिए जिलाधिकारी से अनुरोध किया। कैदियों के गुहार के बाद जिलाधिकारी ने तत्काल सीएस को महिला मंडल कारा में विशेष कैम्प लगवाकर बंदियों तथा उनके बच्चों का स्वास्थ्य जांच करने का निर्देश दिया। डीएम के इस पहल के बाद महिला कैदियों में खुशी देखी गई। कैदियों ने बताया कि स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित होने से कैदियों तथा उनके बच्चों को उचित इलाज मिल जाएगा।

कैदियों ने डीएम ने अपने जिला में स्थानांतरित करने की लगाई गुहार : बंदी दरबार के दौरान कई सजावार महिला बंदियों ने जिलाधिकारी से अपने जिला के जेल में स्थानान्तरित करने की गुहार लगाई। जिसके आलोक में जिलाधिकारी ने कारा अधीक्षक को बिहार कारा हस्तक नियमावली 2012 के तहत नियमानुसार कार्रवाई करने को निदेशित किया। वहीं, रोहतास की 90 वर्षीय एक दिव्यांग सजावार महिला बंदी के कहने पर डीएम ने महिला मंडल कारा प्रशासन को उक्त कैदी की स्थिति को देखते हुए उसे उसके गृह जिला में स्थानांतरित करने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया। महिला मंडल कारा की बंदी दरबार के आयोजन से खुश नजर आ रही थी। महिला बंदियों ने जिलाधिकारी को आभार प्रकट किया।

इस दौरान सीएस, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल बक्सर, कार्यपालक अभियंता विद्युत विभाग बक्सर, कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण बक्सर, प्रधान प्रोबेशन पदाधिकारी बक्सर एवं वृत्ताधीक्षक केन्द्रीय कारा बक्सर के अधीक्षक उपस्थित थे।

स्व. लालमुनी के पदचिन्हों पर चलना ही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी: ओमप्रकाश

♦ चलालमुनि चौबे स्मृति न्यास द्वारा ब्रह्मपुर में कार्यक्रम आयोजित

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

प्रखंड के कुरूथिया गांव में बुधवार को पूर्व सांसद स्व. लालमुनी चौबे की पुण्यतिथि मनाई गयी। पूण्यतिथि समारोह का आयोजन लालमुनि चौबे स्मृति न्यास कुरूथिया द्वारा किया गया था।

कार्यक्रम उनके नाम पर ही बने सामुदायिक भवन में संपन्न हुआ। 9वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष रामकुमार सिंह व संचालन भाजपा के वरीय नेता सतेंद्र मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत स्व. चौबे के तैल्य चित्र पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष भोला सिंह ने कहा कि लालमुनी चौबे बाबा बनाना आज के समय में बहुत ही कठिन काम है। वे हमेशा सत्य बोलते थे और झूठ का विरोध करते थे। बाबा को चाहने वाले बाहरी दलों में भी बहुत नेता थे। भाजपा के जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन ने कहा कि हमलोग का सौभाग्य था कि उनके मार्गदर्शन में काम करने को मिला और बहुत कुछ सीखने को भी। उनके बताए रास्ते पर अगर हमलोग 10 फीसदी भी खरा उतरे तो जीवन धन्य हो जाएगा। यह उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। लालमुनी चौबे के पुत्र हेमंत चौबे ने कहा मैं उन्हें पिता के रूप में कम गुरु के रूप में ज्यादा जाना और आज भी उनके बताए रास्ते पर चलता हूं। जीवन भर उनके बताए हुए रास्ते पर चलूंगा भी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व जिलाध्यक्ष ने कहा की हम जैसे लोग को उनका स्नेह बहुत मिला है और उनके ही नेतृत्व में राजनीति करने की शुरूआती किया वे आज के तरह श्रेय पर जोर नहीं देते थे श्रम पर जोर दिया करते थे। आज के दौर के राजनीतिज्ञ को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। श्रद्धांजलि सभा में कैथी पैक्स अध्यक्ष सतेंद्र पाठक, व्यापार मंडल रघुनाथपुर के अध्यक्ष भरत भूषण सिंह, चक्की पूर्व प्रमुख डॉ धर्मराज पांडेय, बबलू ओझा ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष इंद्रजीत बहादुर सिंह, भाजपा जिला महामंत्री बिनोद राय, भाजपा जिला प्रवक्ता श्रीकांत तिवारी, जिला प्रवक्ता विमलेश सिंह, भाजपा जिला मंत्री धनजी पांडेय, भाजपा नेता मिठाई सिंह, डुमरी मंडल अध्यक्ष बंशी धर पांडेय, चक्की मंडल अध्यक्ष विनोद उपाध्याय, सोनवर्षा मंडल अध्यक्ष पिंकू चौबे, शैलेश कुमार ओझा, शंभू चंद्रवंशी, सहित सैकड़ों लोगों शामिल रहे।

धन्यवाद ज्ञापन न्यास के अध्यक्ष उदय उज्जैन ने किया। कार्यक्रम के बाद लालमुनि चौबे स्मृति न्यास परिसर में आम का पौध लगाया गया।

एक नजर

मां बसवनी व शायर माता मंदिर जाने वाले राह पर कूड़ा डंप किए जाने पर जताई नाराजगी

डुमरांव। धार्मिक स्थलों पर जाने वाले रास्ते में कूड़े को डंप किये जाने पर लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसे रोकने के लिये नगर के लोगों ने नप ईओ मनीष कुमार से लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत करने वाले लोगों का कहना है कि टुड़ीगंज के पास कूड़ा डंप करने के लिये जमीन नप ने लिया है, फिर शहर में सार्वजनिक स्थलों, कांव नदी के किनारे, नहर रोड के किनारे फिर क्यों कूड़ा गिराया जाता है, इस पर रोक लगनी चाहिए। रोक नहीं लगती है तो फिर नप के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। मालूम हो कि नगर परिषद द्वारा बहाल एनजीओ द्वारा इसके पहले भी धार्मिक स्थान जाने वाले राह के किनारे, नदी के किनारे, नहर के रोड के किनारे काफी मात्रा में कूड़े को डम्फ किया गया है। इस डम्फ किड़े के सड़ांध से निकल रही दुर्गंध से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। लिहाजा इस पर रोक लगाने को लेकर कईबार धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम चलाया गया तब उसे बंद किया गया। फिर टुड़ीगंज के पास डंपिंग जोन के लिये जगह लिया गया, जहां पर कूड़ा को फेंका जाता है। फिर इधर मां बसवनी और शायर माता के मंदिर जाने वाले रोड में कूड़ा डंप किये जाने का जमकर विरोध किया गया, फिर लिखित शिकायत दर्ज करायी गई। नप ईओ ने आश्वासन दिया की कूड़ा नहीं फेंका।

बरतें सावधानी: आपदा प्रबंधन विभाग ने आगजनी से बचाव के लिए जारी की एडवाइजरी

बक्सर। गर्मी शुरू होते ही अगलगी की घटनाओं को रोकने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग तत्पर हो गया है। इस कड़ी में विभाग ने अगलगी से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में स्टोव या लकड़ी, गोइठा आदि के जलावन वाले चूल्हे पर खाना बनाते वक्त सावधानी बरतने तथ हमेशा सूती वस्त्र पहनकर ही खाना बनाने के निर्देश दिए गए है। इसके अलावे गेहूं के थ्रेसिंग व ओसावन का काम हमेशा रात में तथा गांव के बाहर खलिहान में करने, घर व खलिहान पर समुचित पानी व बालू की व्यवस्था रखने। खाना पकाते समय रसोईघर में वयस्क मौजूद रहे, बच्चों को अकेला न छोड़ने। खिड़की से स्टोव के बर्नर तक हवा न पहुंच पाए, इस बात की पूरी तसल्ली करने, आदि निर्देश दिए गए है। वहीं, सरकारी सहायता पाने के उद्देश्य से जानबूझकर अपनी सम्पत्ति में आग लगाने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने की बात कही गई है तथा ऐसा करने वालों पर कार्रवाई के लिए चिन्हित करने में प्रशासन की मदद कर जागरूक नागरिक बनने की अपील की गई है। वहीं, तौलिये या कपड़े का इस्तेमाल सावधानी से गर्म बर्तन उतारने के लिए करने। तैलीय पदार्थ से लगी आग पर पानी के बदले सिर्फ बेकिंग सोडा, नमक डालने या उसे ढंक देने। खिड़की के बाहर कोई चादर या तौलिया लटकाने, ताकि बाहर लोगों को पता चल सके कि आप कहां है और आपको मदद चाहिए। गैस चूल्हे का इस्तेमाल करने के तुरंत बाद सिलिंडर का नॉब तुरंत बंद करने। बिजली तारों एवं उपकरणों की नियमित जांच करने। घर में अग्निशमन कार्यालय तथा अन्य आपातकालीन नंबर लिखा हुआ हो और घर के सभी सदस्यों को इन नंबरों के बारे में पता हों। आग लगने पर दमकल विभाग को फोन करने और उन्हें अपना पूरा पता बताने जैसी सावधानियां बरतने की अपील इस एडवाइजरी में की गई है।

खबरें फटाफट

न्यायाधीश राकेश कुमार का हुआ स्थानांतरण

बक्सर। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश 10 राकेश कुमार राकेश का स्थानांतरण बक्सर न्यायालय से सहरसा व्यवहार न्यायालय के लिए किया गया है, स्थानांतरण को लेकर विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष बबन ओझा, महासचिव बिंदेश्वरी प्रसाद पांडेय, लोक अभियोजक नंद गोपाल प्रसाद के अलावे अन्य कई अधिवक्ता उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री राकेश ने कहा कि बक्सर का बार विद्वान अधिवक्ताओं से भरा हुआ है तथा वे अत्यंत व्यवहार कुशल है। वे बक्सर की यादों को अपने सीने में समेट जा रहे हैं, उन्होंने यहां के अधिवक्ताओं को शुभकामनाएं दिया। बताते चले कि कुछ माह पूर्व श्री राकेश के न्यायालय में बहस के दौरान अधिवक्ता सुरेंद्र तिवारी बेहोश होकर गिर गए थे जहां न्यायाधीश ने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए उन्हें उठाकर अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया था, हालांकि हृदय गति रुक जाने के कारण इलाज के क्रम में उनका निधन हो गया था। उनके उक्त कार्य को प्रोटोकॉल पर मानवता भारी

ठगी की शिकार महिलाओं ने आरोपित दंपति के घर पर जमकर किया हंगामा

महरौरा में महिलाओं को झांसा में ले लाखों रुपये वसूली कर दंपति फरार

♦ सामूहिक व्यवसाय शुरू करने का झांसा दे महिलाओं से जमा कराया था पैसा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव से सटे महरौरा गांव में एक ठग दंपति ने गांव की दर्जनों महिलाओं को झांसे में ले उनसे लाखों रूपए ठग कर फरार हो गये है। पिछले कुछ दिनों से उनके घर में ताला लटका है तथा उनका मोबाईल नंबर भी स्वीच ऑफ आ रहा था, इसके बाद महिलाओं को ठगी का एहसास हुआ। जिसके बाद बुधवार को ठगी की शिकार महिलाएं एकजुट हो उक्त दंपति के दरवाजे पर पहुंच जमकर हंगामा की।

पीड़िता महिलाओं ने बताया कि इसकी लिखित शिकायत महिलाओं डुमरांव थाना में भी की गई है। हंगामा कर रहे महिला-पुरूषों को माले नेता संजय शर्मा ने समझा-बुझाकर शांत कराया। फिर उन्होंने तत्काल थानाध्यक्ष से बात कर उनसे महिलाओं के द्वारा की गई शिकायत के संबंध में जानकारी हासिल किया। इस संबंध में केशव टाइम्स के द्वारा पीड़ित महिलाओं से बात की गई तो उन्होंने खुलकर अपनी बात रखी।

किसी ने बेचे गहने तो किसी ने परिवार से छुपाकर दिए थे रुपये

पीड़ित महिलाओं ने बताया कि महरौराडेरा निवासी पिंकी देवी और उनके पति कमलेश राय के द्वारा एक महिलाओं का ग्रुप बनाया गया था। इस ग्रुप में दर्जनों महिलाएं जुड़ी हुई थी। इन महिलाओं को झांसा में लेकर उनसे पैसे की वसूली की गई। उन्हें बताया गया की जो पैसा आएगा, उससे व्यवसाय शुरू किया जाएगा, जिससे हमालोगों को लाखों की आमदनी होगी। पीड़ित महिलाओं ने अपना गहना बेचकर, सूद पर पैसा लेकर और परिवार से झूठ बोलकर पैसा लेकर उक्त महिला को दिया था। पीड़ित महिलाओं में धर्मशीला देवी ने बताया मेरा 95 हजार, आशा देवी का 1 लाख 40 हजार, रूबी देवी का 1 लाख 20 हजार, गीता देवी का 1 लाख 50 हजार, पंजनी पायल का 15 हजार, रवि शंकर का 50 हजार, विजय बहादुर राय का 25 हजार इसी तरह अन्य से पैसा की उगाही की गई थी। हमलोगों द्वारा लिखित शिकायत थाना से भी की गई है, लेकिन आजतक कुछ नहीं हो सका है। हमलोगों को केवल आश्वासन मिल रहा है। इनका यह भी कहना है कि पति-पत्नी घर बेचने के फिराक में भी लगे हुए हैं। जो भी घर लेगा उसको हमलोग कब्जा नहीं होने देंगे। महिलाओं के दरवाजे पर जिससे कर्ज लेकर पैसा दी हैं पहुंच रहे हैं। इतना ही नहीं परिवार के द्वारा भी प्रताड़ित की जा रही हैं।

भोली भाली महिलाओं को आसानी से झांसा मे ले लेते ठग :

बता दें कि इस तरह की घटनाएं कोई नई नहीं है। बल्कि भोली भाली महिलाओं को कई बार ठग अलग-अलग तरीके से झांसा में ले लेते है। ग्रामीण क्षेत्रों में कभी झांड़ फूंक के नाम पर तो कभी रूपया या आभूषण दुगना करने के नाम पर महिलाओं से ठगी की घटनाएं सामने आ चुकी है। लेकिन, ताज्जूब की अधिकांश घटनाएं या तो पुलिस के सामने ही नहीं आती है या फिर पुलिस ऐसे मामलों का उद्भेदन नहीं कर पाती है। अब देखना है कि इस मामले में पुलिस क्या कार्रवाई कर रही है।

आवेदन मिलने पर की जाएगी उचित कार्रवाई

इस संबंध में डुमरांव थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत से संपर्क स्थापित किया गया तो उन्होंने कहा कि महिलाओं ने फोन पर शिकायत की थी, लेकिन अभी तक वे लोग आवेदन लेकर नहीं आई है। आवेदन मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस तरह से झांसा देने वालों से लोगों को सावधान रहने की अपील की है।

पेयजल संकट: बिजली बिल बकाया रहने पर काट दी हेनवा पानी टंकी की आपूर्ति

केटी न्यूज/चक्की

बिजली विपत्र बकाया रखने वालों पर अब कंपनी सख्त हो गया है। बुधवार को बिजली कंपनी ने विपत्र बकाया रखने के कारण हेनवा गांव स्थित पानी टंकी की विद्युत आपूर्ति काट दी है। जिससे इस पानी टंकी से जुड़े लोगों में पेयजल संकट गहरा गया है। चक्की जेई ने बताया कि बिल जमा न होने के कारण विभाग को मजबूरन बिजली कनेक्शन काटना पड़ा। दूसरी ओर, लोक निर्माण विभाग के जेईई ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही बकाया राशि जमा कर समस्या का समाधान कर लिया जाएगा।

पीडब्ल्यूडी की उदासीनता और लापरवाही के कारण पानी टंकी बंद होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ रहा है। ग्रामीण मनीष कुमार, मनोज कुमार, अजय कुमार आदि ने बताया कि उनका गांव पूरी तरह से नल जल योजना के पानी पर निर्भर हैं। बिजली कटने से टंकी का संचालन रुक गया, जिसके चलते पानी की भारी किल्लत हो रही है। प्यास बुझाने से लेकर रोजमर्रा के कामों तक के लिए ग्रामीण परेशान हैं।

ग्रामीणों ने इस मुद्दे को लेकर पटना नल जल योजना के अधिकारियों से संपर्क किया। चौंकाने वाली बात यह रही कि अधिकारियों ने दावा किया कि उनके रिकॉर्ड में कोई बकाया राशि दर्ज नहीं है। उधर, बिजली विभाग के जेईई ने पीडब्ल्यूडी के जेईई से बातचीत में खुलासा किया कि बकाया राशि करीब 10 लाख रुपये है। बकाये को लेकर दोनों विभागों के बीच चल रही खींचतान और सूचनाओं के इस विरोधाभास ने ग्रामीणों को असमंजस में डाल दिया है। पानी जैसी बुनियादी जरूरत के लिए तरस रहे हेनवा के लोग अब जिम्मेदार अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई और स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

जिले के सभी बैंक वार्षिक ऋण लक्ष्यों को शीघ्र प्राप्त करें: डीएम

केटी नयूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में दिसम्बर 2025 तिमाही की जिला सलाहकार समिति, जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला स्तरीय आर-सेटी परामर्शदात्री समिति की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई।

बैठक में सबसे पहले अग्रणी जिला बैंक प्रबन्धक ने जिले के बैंको की वित्तीय वर्ष 2024-25 के दिसम्बर तिमाही की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुति किया। जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक में जिले के साख-जमा अनुपात और वार्षिक ऋण योजना की तिमाही प्रगति पर असंतोष जताया तथा जिले के साख-जमा अनुपात एवं वार्षिक ऋण योजना में कम लक्ष्य प्राप्त करने वाले बैंकों के जिला समन्वयकों को निर्देशित किया कि वे अपने अपने शाखाओं को चिन्हित कर कारवाई के लिए अपने उच्चाधिकारियों को अग्रसारित करें। साथ ही उन्होंने वार्षिक ऋण लक्ष्यों को शीघ्र प्राप्त करने का निर्देश दिया।

पीएमईजीपी एवं पीएमएफएमई की तिमाही प्रगति की समीक्षा की गई। राज्य में बक्सर जिला का क्रमशः द्वितीय तथा प्रथम स्थान पर संतोष व्यक्त किया। जिला पदाधिकारी ने सभी जिला समन्वयकों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे अपने बैंकों के ऋण स्वीकृति आवेदनों का त्वरित वितरण करना सुनिश्चित करेंगे।

माह-ए-रमजान को लेकर डुमरांव के बाजारों में बढ़ गई है रौनक

रंग-बिरंगे परिधान, इत्र व सेवई की बढ़ी मांग

केटी न्यूज/डुमरांव

माह-ए-रमजान को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। डुमरांव के प्रमुख बाजारों में लोग ईद पर्व के लिए जरूरी सामानों की खरीदारी में जुट गए हैं। मुख्य बाजार गोला रोड, चूड़ी बाजार, स्टेशन रोड, चौक रोड में रंग-बिरंगे परिधान, इत्र और सेवई जैसे जरूरी सामानों की खरीदारी बढ़ गई है। लोगों में ईद की तैयारियां जोरों पर हैं। सेवई और लच्छे की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ जुटने लगी है।

वहीं, कपड़ों की दुकानों में नई डिजाइन के कपड़े, बच्चों के लिए आकर्षक कपड़े, महिलाओं के लिए सलवार सूट, सरारा, हिजाब और पुरुषों के लिए कुर्ता-पजामा की बिक्री तेज होती जा रही है। रोजेदारों के लिए खजूर, सेब, केले और तरबूज की मांग बढ़ गई है, जिससे फल व्यापारियों के आवक में बढ़ोतरी हुई है। शाम होते ही खरीददारों की भीड़ उमड़ने लगती है, और देर रात तक बाजार गुलजार रह रहा है। इस दौरान बाजारों में सबसे अधिक मांग सेवई की है। बाजार में छः से सात तरह की सेवइयां उपलब्ध, जिनमें पटनिया सेवई सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है। इसके अलावा लच्छा सेवई, बाम्बे सेवई, शाही सेवई, रोस्टेड सेवई और कोलकाता सेवई की भी अच्छी बिक्री हो रही है। दुकानदारों के अनुसार ईद को लेकर हर वर्ष की तुलना में इस बार सेवई की बिक्री में बढ़ोतरी का अनुमान लगाया जा रहा है।

ईद के दिन रोजेदार खुदा की इबादत कर मुल्क की खुशहाली के लिए दुआ मांगेंगे। बाजार आने वाले लोग अपने सामानों के साथ मसालों और मेवों की भी खरीदारी कर रहे है तो वहीं घर की महिलाएं अपने घर-आंगन की सफाई में जुट गयी है। अपने परिवार के साथ बाजार निकली महिला नगमा, सलमा, सान्या ने बताया कि इस बार उत्साह के साथ परिवार पर्व की तैयारी में जुटा है। सभी परिवार एक साथ अपने-अपने जरूरत के सामानों की खरीदारी कर रहे है। वहीं मुस्ताक और अरमान ने बताया कि इस बार सभी लोगों के लिए नये कपड़े की खरीदारी की गयी है। लजीज व्यंजन और आने वाले मेहमानों के लिए फिरनी के साथ कबाब, बिरयानी आदि मेनू तैयार किया गया है। दुकानदार हाकिम, फिरोज, पिंटू, रहमान, पिंकू, सलीम की माने तो इस बार मंडियों में रौनक बढ़ी है। इस बार 100 रुपये प्रतिकिलो से लेकर शुद्ध घी से बने सेवई 750 रुपये प्रतिकिलो तक उपलब्ध हैं।

चीखता रहा बच्चा...पहले पापा, फिर दीदी को गोली मार दी कोई नहीं आया मदद को

ट्रिपल मर्डर : मोबाइल की सीडीआर जांच से खुलेगा हत्या का सारा राज

♦ खुदकुशी करने वाले अमन के स्वजनों की ओर से अभी तक प्राथमिकी की सूचना नहीं है

केटी न्यूज/आरा

आरा रेलवे स्टेशन के दो-तीन नंबर प्लेटफार्म के बीच स्थित फुट ओवरब्रिज पर मंगलवार की रात घटित एलआइसी एजेंट पिता अनिल कुमार सिन्हा एवं उनकी पुत्री जिया कुमारी उर्फ आयूषी की हत्या एवं आरोपित सिरफिरे युवक अमन कुमार द्वारा स्वयं सिर में गोली मारकर खुदकुशी किए जाने के मामले में स्थानीय रेल पुलिस तकनीकी एवं वैज्ञानिक पद्धति से भी जांच कर रही है। रेल पुलिस मोबाइल सीडीआर के जरिए एक-दूसरे से कनेक्शन का राज खोलने में लगी हुई थी। इसे लेकर रेल पुलिस ने मृत पिता, मृत छात्रा एवं आरोपित तीनों का मोबाइल सेट जब्त किया है। रेल पुलिस ने तीनों के मोबाइल नंबरों का सीडीआर निकालने के लिए तकनीकी सेल को भेज दिया है। जांच के जरिए रेल पुलिस यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि मृत छात्रा एवं सिरफिरे आरोपित के बीच बात होती थी या नहीं। घटना के दिन दोनों के बीच बात हुई थी या नहीं, आदि कई बिंदुओं पर तफ्तीश की जा रही है। दूसरी ओर पिता-पुत्री की हत्या के मामले में गोढ़ना रोड, को-आपरेटिव कॉलोनी निवासी मृत छात्रा जिया की मां पूनम श्रीवास्तव ने उदवंतनगर थाना के असनी गांव निवासी अमन कुमार पिता शत्रुध्न सिंह के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी कराई है।हत्या के पीछे कारणों का जिक्र नहीं किया है। हालांकि, खुदकुशी करने वाले अमन के स्वजनों की ओर से अभी तक प्राथमिकी की सूचना नहीं है। रेल थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने बताया कि अभी तक दूसरे पक्ष से आवेदन नहीं मिला है।

घर पर थी मां तभी मोबाइल पर मिली हत्या की सूचना : इधर, प्राथमिकी में मृत छात्रा की मां पूनम श्रीवास्तव ने कहा है कि मंगलवार की शाम सात बजे उनके पति अनिल कुमार सिन्हा छोटी पुत्री जिया उर्फ आयूषी को गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन पर चढ़ाने रेलवे स्टेशन गए थे। साथ में छोटा पुत्र आरूष उर्फ हन्नी भी गया था। करीब एक घंटे बाद यानी रात आठ बजे दूरभाष पर सूचना मिली कि उनके पति एवं पुत्री की हत्या हो गई है। जब सूचना पर वह रेलवे स्टेशन पहुंची तो फुट ओवरब्रिज पर उनके पति, पुत्री एवं एक अन्य युवक का शव खून से लथपथ पड़ा था। पूछताछ करने पर चला कि तीसरा मृतक अमन कुमा है, जिसने उसके पति एवं पुत्री की हत्या कर स्वयं के सिर में गोली मारकर खुदकुशी कर ली है। आरोपित युवक के हाथ के पास एक देसी पिस्टल,अगल-बगल खोखा एवं कारतूस बरामद किया गया। अज्ञात कारणों से हत्या किए जाने का आरोप लगाया है।

छात्रा एवं आरोपित का मोबाइल पाया गया लॉक

वारदात के बाद जब पुलिस ने मृत छात्रा एवं आरोपित का मोबाइल जब्त किया तो लाक पाया गया। एफएसएल की टीम ने पिता, छात्रा एवं आरोपित तीनों का मोबाइल सील कर दिया है। कोर्ट से अनुमति लेकर जांच के लिए भेजा जाएगा। जिससे की अनुसंधान में मदद मिल सके।इधर, सदर अस्पताल,आरा में शव मृत पिता, मृत पुत्री एवं आरोपित युवक तीनों के शवों का पोस्टमार्टम किया गया। मृतक अनिल सिन्हा एवं आरोपित अमन के सिर के भाग में गोली आर-पार पाई गई। जबकि, छात्रा जिया के सिर में फंसी गोली नहीं निकल सकी। पुलिस ने घटनास्थल से पिस्टल के अलावा कुल पांच गोली व खोखा जब्त किया है।

बिहिया में भूंजा खाने के दौरान अनियंत्रित होकर कुएं में गिरने से किसान की मौत

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के बिहिया थाना क्षेत्र के भीमपट्टी गांव में मंगलवार की शाम कुएं में गिरने से एक बुजुर्ग किसान की मौत हो गई। भूंजा खाने के बाद गमछा झाड़ने के चक्कर में वह कुआं में गिर पड़े। मृत किसान भीमपट्टी गांव निवासी 80 वर्षीय केदार यादव थे। उनके नाती वकील यादव ने बताया कि बुधवार की शाम वह कुएं के कोने पर बैठकर भूंजा खा रहे थे। भूंजा खाने के बाद वह अपने गमछे को झाड़ रहे थे। उसी दौरान वह असंतुलित होकर कुएं में गिर पड़े, जिससे उनकी मौत हो गई। कुछ देर बाद गांव के बच्चे कुएं के पास गये और झांक कर देखा, तो वह कुएं में गिरे पड़े थे। बच्चों के शोर मचाने पर गांव के लोग पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से उनके शव को कुएं से बाहर निकाला गया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। बताया जा रहा है कि मृत किसान अपने तीन भाई और तीन बहनों में बड़े थे। उनके परिवार में पुत्र लालजी यादव, सुरेश यादव और एक पुत्री चंद्रावती देवी हैं। उनकी पत्नी और एक बेटे की मृत्यु कुछ वर्ष पहले हो गई थी। हादसे के बाद उनके घर में कोहराम मच गया है।

इंटर में आया सेकेंड डिवीजन, छात्रा ने किया सुसाइड अटेम्प्ट

आरा। भोजपुर में इंटर के रिजल्ट में सेकेंड डिवीजन आने पर छात्रा ने सुसाइड अटेम्प्ट किया है। घटना जिले के पवना थाना क्षेत्र की है। छात्रा की मां ने बताया कि मंगलवार की दोपहर इंटरमीडिएट का रिजल्ट निकला। बेटी भी अपना रिजल्ट देखने गई थी। परीक्षा में सेकेंड डिवीजन आने से वह काफी दुखी हो गई थी। घर आने के बाद काफी रो रही थी। हमलोगों ने उसे काफी समझाया। उसे अगली बार अच्छे से तैयारी करने के बाद फिर से प्रयास करने को भी कहा, लेकिन वह लगातार रो रही थी।

आरा सीओ के साथ मारपीट व दुर्व्यवहार में चार गिरफ्तार

आरा। सरकारी बस स्टैंड के समीप अतिक्रमण हटाने गई प्रशासन की टीम पर लोगों ने हमला बोल दिया। इस दौरान सीओ के मारपीट व दुर्व्यवहार भी किया गया। सदर के राजस्व अधिकारी विमल कुमार गुप्ता के लिखित आवेदन के आधार पर नामजद प्राथमिकी आरा नगर थाना में दर्ज कराई गई है। इसमें नगर थाना क्षेत्र के शीतल टोला वार्ड नंबर-37 प्रकाशपुरी मोहल्ला निवासी अवधेश कुमार के पुत्र अभिषेक कुमार, प्रिंस कुमार, शगुन कुमार एवं पुत्री सोनाक्षी कुमारी को गिरफ्तार हुए है। राजस्व अधिकारी ने कहा कि अनुमंडल कार्यालय सदर गोपनीय (प्रशाखा) के संयुक्त आदेश के अनुपालन हेतु सपना सिनेमा मोड़ से बस स्टैंड तक अतिक्रमण हटाने के लिए कार्य शुरू किया गया।

वीकेयूएस के यूजी सेमेस्टर टू और फोर की आंतरिक परीक्षा अप्रैल के प्रथम सप्ताह में

केटी न्यूज/आरा

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम की आंतरिक परीक्षा में सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने के लिए वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने आवश्यक गाइड लाइन जारी की है। विवि ने स्नातक सेमेस्टर टू सत्र 2024-28 और सेमेस्टर चार सत्र 2023-27 की आंतरिक परीक्षा का प्रोग्राम जारी कर दिया है। यूजी के साथ-साथ पीजी की आंतरिक परीक्षा को लेकर भी तिथि जारी की गयी है। यूजी की आंतरिक परीक्षाएं अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह तक ली जाएंगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ अनवारुल हक अंसारी ने बताया कि आंतरिक परीक्षा को लेकर कॉलेजों को अधिकृत कर दिया गया है। प्राचार्यों को कहा गया है कि चार अप्रैल तक परीक्षा आयोजित की जाये। आंतरिक परीक्षाओं का अंक पोर्टल पर अपलोड करने की तिथि बाद में जारी की जायेगी। बताया कि यूजी सेमेस्टर टू और फोर की सैद्धांतिक परीक्षा को लेकर जल्द ही परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि जारी की जायेगी। दोनों परीक्षाएं मई माह में प्रस्तावित हैं। इधर, पीजी सेमेस्टर टू सत्र 2024-26 और सेमेस्टर थर्ड सत्र 2023-25 की आंतरिक परीक्षा भी चार अप्रैल तक ली जायेगी। आंतरिक परीक्षा में सबकी उपस्थिति अनिवार्य आंतरिक परीक्षा में हमेशा में कुछ विद्यार्थी वंचित हो जा रहे हैं। खासकर यूजी स्तरीय सेमेस्टर आधारित परीक्षा को विद्यार्थी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इस कारण विद्यार्थी परीक्षा के रिजल्ट में प्रमोटेड अथवा फेल हो जा रहे हैं। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि आंतरिक परीक्षा में सबकी उपस्थिति अनिवार्य है। बताया कि 30 अंक की आंतरिक परीक्षा में शामिल नहीं होने पर विद्यार्थी फेल हो जायेंगे। पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन 28 तक आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय प्रशासन ने कई अभ्यर्थियों की मांग पर पीएचडी प्रवेश परीक्षा सत्र 2023 और 2024 की परीक्षा को लेकर आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी है। विवि ने अभ्यर्थियों की मांग पर 28 मार्च तक फॉर्म भरने के लिए पोर्टल खोल दिया है। बता दें कि पीएचडी के दोनों वर्ष की परीक्षा के लिए 3600 आवेदन आए हैं। विवि में अगले सप्ताह पीएचडी प्रवेश परीक्षा के आयोजन को लेकर बैठक की जायेगी। इसमें परीक्षा की तिथि के साथ साथ केंद्र निर्धारण पर मंथन होगा।

प्रतिदिन नामांकित 75 विद्यार्थियों में 80 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी पहुंच रहे हैं क्लास करने

वीकेएसयू : पहले नाम काटा और फिर फॉर्म भरने से रोका, तो बढ़ी उपस्थिति

केटी न्यूज/आरा

पहले नाम काटा और फिर क्लास में कम आने वाले विद्यार्थियों का फॉर्म नहीं भरने दिया। क्लास में उपस्थिति दर्ज नहीं कराने वाले को आंतरिक परीक्षा में फेल किया। नतीजा यह हुआ कि बचे-खुचे में से 80 प्रतिशत से अधिक की उपस्थिति होने लगी। दरअसल, यह मामला वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पीजी भोजपुरी विभाग का है। क्लास को लेकर सख्ती के कई तरह के उपाय किये जाने के बाद भोजपुरी विभाग की स्थिति बदल गयी है। अब क्लास में विद्यार्थी दिखने लगे हैं। प्रतिदिन नामांकित 75 विद्यार्थियों में 80 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी क्लास को पहुंच रहे हैं। बुधवार को भी जहां अन्य विभागों में विद्यार्थियों की संख्या कम रही, वहीं भोजपुरी विभाग में बड़ी संख्या में विद्यार्थी क्लास करने पहुंचे थे। इकलौता विभाग, जिसने विद्यार्थियों का काटा था नाम शैक्षणिक माहौल बनाने को लेकर राजभवन और राज्य सरकार की ओर से समय-समय पर आवश्यक गाइड लाइन जारी होता रहा है। भोजपुरी विभाग वीर कुंवर सिंह विवि का ही नहीं, बल्कि संभवतः बिहार का इकलौता विभाग है, जिसनें शून्य उपस्थिति वाले विद्यार्थियों का नाम काटा है। पूर्व में यह विभाग नाम काटने के बाद शपथ पत्र के आधार पर विभाग ने दोबारा दाखिला लिया और क्लास भी कराकर परीक्षा फॉर्म सत्यापित किया है। 75 प्रतिशत उपस्थिति नहीं रहने पर परीक्षा फॉर्म भरने से भी यह विभाग फॉर्म भरने से रोक चुका है। बटोहिया गीत का हुआ पाठ बुधवार को भोजपुरी विभाग में रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो जंग बहादुर पाण्डेय पहुंचे थे। विभाग में विद्यार्थियों की अच्छी-खासी भीड़ देख काफी खुश हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित किया और बटोहिया गीत का पाठ किया। महज तीन शिक्षकों के सहारे है विभाग मालूम हो कि हाल के वर्षों में भोजपुरी के प्रति विद्यार्थियों का रुझान बढ़ा है।

संक्षिप्त समाचार

इ-स्कूटी की बैट्री फटने से तीन बाइक जलकर राख

धनबाद, एजेंसी। सरायढेला थाना क्षेत्र के कार्मिक नगर स्थित बीसीसीएल के ए टाइप क्वार्टर के गैराज में खड़ी ई-स्कूटी की बैट्री फट गयी. इससे ई-स्कूटी के साथ गैराज में खड़े अन्य दो बाइक भी जलकर पूरी तरह राख हो गयी. घटना मंगलवार की दोपहर लगभग दो बजे की है. बीसीसीएल कर्मी बबलू रजवार दोपहर खाना खाने के लिए अपनी ई-स्कूटी से कार्मिक नगर स्थित ए टाइप क्वार्टर, आइए 120-126 पहुंचे. अपनी ई-स्कूटी को गैराज में पार्क कर अपने क्वार्टर में चले गये. गैराज में दो अन्य बाइक भी खड़ी थी. अचानक जोरदार आवाज के साथ ई-स्कूटी की बैट्री फट गयी. तेज आवाज सुनकर बबलू घर से बाहर निकले. देखा की गैराज से आग की लपटें निकल रही हैं. इसी दौरान स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गयी. लोगों ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. ई-स्कूटी के साथ गैराज में खड़ी दो बाइक भी पूरी तरह जलकर राख हो गयी. बीसीसीएलकर्मी बबलू रजवार ने बताया कि गैराज में ई-स्कूटी खड़ी करने के बाद उसे चार्जिंग में लगाकर वह खाना खाने के लिए अपने क्वार्टर में चले गये थे. इसी बीच स्कूटी की बैट्री फटने से हादसा हुआ. गैराज में कोयला और गोईंठा भी रखा हुआ था, जिससे बैट्री फटने से निकली आग की लपटें फैल गयी. दोनों खड़ी बाइक की टंकी में पेट्रोल होने से आग तेजी से भड़की.

कड़ी सुरक्षा के बीच निकाला गया दूसरा मंगला जुलूस, पुलिस ने संभाला मोर्चा

खूंटी, एजेंसी। केंद्रीय रामनवमी महासमिति खूंटी के तत्वाधान में मंगलवार देर शाम दूसरी मंगला जुलूस निकाला गया, जिसमें कई अखाड़े के लोग शामिल थे. विभिन्न अखाड़ों के खिलाड़ी गाजे-बाजे, अस्त्र-शस्त्र व महावीर झंडे के साथ जुलूस में शामिल हुए. मंगला जुलूस नेताजी चौक से प्रारंभ होकर कर्रा रोड, आजाद रोड, भगत सिंह चौक पहुंचकर समाप्त हुआ. इससे पहले जुलूस में शामिल महासमिति के सदस्यों के अलावा जय भवानी समिति, क्लब सुपर स्टार, बजरंग मंडली, मिलन क्लब, श्रीराम सेवा समिति, जय मां शक्ति मंडली बड़ाईक टोली, महावीर मंडल भट्टी रोड, स्टार क्लब मोहनाटोली, यंग मोणार्क नेताजी चौक समेत कई अखाड़ों के खिलाड़ी अस्त्र-शस्त्र के अलावा कई तरह के खेल दिखाए. जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल थे. इधर, प्रशासन ने मंगला जुलूस को लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे. सुरक्षा की कमान एसडीएम दीपेश कुमारी, डीएसपी वरूण रजक, थाना प्रभारी मोहन कुमार समेत बीडीओ, सीओ संभाले हुए थे. उधर, आजाद रोड में मंगला जुलूस के स्वागत में विनोद जायसवाल, संजय जायसवाल व चौधरी मेडिकल के संचालकों के द्वारा पानी, चना और ठंडे की व्यवस्था की गई थी. जुलूस का नेतृत्व अनूप साहू, कार्यकारी अध्यक्ष मनोज कुमार, महामंत्री जितेंद्र कश्यप, कार्यकारी महामंत्री मुकेश जायसवाल समेत संरक्षक मंडली के सदस्य और अन्य पदाधिकारी कर रहे थे.

वार्षिक परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

धनबाद, एजेंसी। सरकारी विद्यालयों में हुए कक्षा एक से सातवीं तक की वार्षिक परीक्षा का परिणाम मंगलवार को जारी किया गया है. इस दौरान स्कूलों में बच्चों के अभिभावक, एसएमसी के सदस्य तथा माता समिति के सदस्यों को बुलाया गया था. बारी-बारी से बच्चों का रिजल्ट कार्ड का वितरण किया गया. इस दौरान अलग-अलग स्कूलों में कार्यक्रम किया गया. बच्चों का हौसला बढ़ाया गया. इसी में मध्य विद्यालय दुर्गा मंदिर वर्ष 2024-25 का वार्षिक परीक्षाफल का प्रकाशन किया गया. परीक्षा मेंइस परीक्षा में प्रथम तीन स्थान पर रहे छात्र-छात्राओं को गोल्ड, सिल्वर तथा ब्रोंज मेडल से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार कर्ण ने कहा कि विगत 22 जून से प्रारंभ हुई प्रोजेक्ट रेल की परीक्षा के तहत शनिवार को सम्पन्न हुए 32 दिनों की परीक्षा के अंतर्गत एफए वन, टू, थ्री, फोर की परीक्षाओं का मूल्यांकन किया गया. फिर से एसए वन तथा एसए टू के तहत संपन्न हुए परीक्षा का मूल्यांकन के आधार पर ही अंतिम रूप से यह परीक्षाफल तैयार किया गया है.विद्यालय के वरीय शिक्षक राज कुमार वर्मा ने भी परीक्षाफल के परिणामों के बारे में अभिभावकों तथा बच्चों को जानकारी दी. उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों की अपेक्षा इस बार परिणाम बेहतर हुआ है.

झारखंड को कश्मीर बनाना बंद करो

हजारीबाग में पथराव को लेकर बीजेपी विधायकों का हल्ला बोल

रांची, एजेंसी। हजारीबाग में मंगला जुलूस के दौरान पत्थरबाजी और तोड़फोड़ की घटना के बाद अब सियासत तेज हो गई है। बीजेपी ने इसे लेकर विधानसभा परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया है। बीजेपी विधायकों ने इसे लेकर जमकर नारेबाजी की।

बीजेपी विधायकों ने तख्ती में कई नारे लिखकर लाए थे। जिसमें लिखा था हिन्दू विरोधी सरकार होश में आओ। झारखंड को कश्मीर बनाना बंद करो। वोट बैंक के लिए एक खास समुदाय का मन बढ़ाना बंद करो। हजारीबाग प्रशासन हाय हाय। हजारीबाग रामनवमी जुलूस में डीजे बजाने पर रोक को हटाएं।

इसके बाद विधानसभा में सदन की कार्यवाही शुरू हुई। इस दौरान वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड के साथ केंद्र सौतेला व्यवहार कर रही है। अनुदान की राशि राज्य को नहीं मिल रही है। मनरेगा मजदूरों का 1200 करोड़ रुपये बकाया है।

इधर, हजारीबाग में पत्थरबाजी की घटना को लेकर भाजपा विधायक आसन के सामने पहुंच गए। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने सदस्यों को अपनी सीट पर वापस बुलाया।

इसके बाद नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आखिर हिंदुओं के पर्व पर ही इस तरह की घटनाएं क्यों होती है कहीं न कहीं अपराधियों को प्रश्रय दिया जा रहा है। सरकार तकनीक का प्रयोग क्यों नहीं करती।

उन्होंने कहा कि ड्रोन कैमरा लगाए, लाइट, सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था करे। ताकि पता चले कि कौन पत्थर चला रहा, ऐसे लोग चिह्नित हो सकें। सरकार को इसपर संज्ञान लेने की जरूरत है।

मरांडी ने कहा कि हजारीबाग की घटना में रात में लाइट बंद कर दी गई थी। उन्होंने सवाल किया कि आखिर हिंदुओं के पर्व पर ही इस तरह की घटना क्यों हो रही है इसे देखने की आवश्यकता है।

बाबूलाल मरांडी के इस सवाल पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सदन को आश्वस्त किया कि हजारीबाग की घटना दुखद है। सरकार इस पर गंभीर है। दोषी चिह्नित होंगे, उन पर कार्रवाई होगी।

मंत्री ने सदन को यह भी बताया कि हजारीबाग के डीसी और संबंधित आईजी से जानकारी लेकर सदन की द्वितीय पाली में जवाब देंगे। उन्होंने इसका आश्वासन भी दिया। इसके बाद विपक्ष के विधायक शांत हुए।

इसके बाद विधानसभा के प्रश्न काल में सत्ता पक्ष ने केंद्रांश नहीं मिलने के चलते योजनाएं पूरी नहीं होने का मामला उठाया। सत्ता पक्ष की ओर से सदन को बताया गया कि राज्य की 24665 करोड़ की योजनाओं में 50 प्रतिशत केंद्र व 50 प्रतिशत राज्य सरकार को वहन करना है।

केंद्र सरकार से केवल 5917 करोड़ ही मिल सका है। राज्य सरकार ने भी 5810 करोड़ खर्च किया है। सरकार की ओर से यह भी बताया गया कि जब तक केन्द्रांश नहीं मिलेगा, कोई योजना पूर्ण नहीं होगी।

अल्पसूचित प्रश्न के रूप में विधायक नवीन जायसवाल ने जल जीवन मिशन के तहत पेयजलापूर्ति कार्य पूरा नहीं होने और विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने मनरेगा के तहत किए गए कार्यों का मजदूरी मद व सामग्री मद में करोड़ों रुपये के बकाया का मामला उठाया। इसके बाद ही सदन में यह मामला सामने आया कि योजनाएं पूर्ण नहीं होने के पीछे का कारण केन्द्रांश का नहीं मिलना है।

रामनवमी जुलूस पर ड्रोन और सीसीटीवी से होगी निगरानी, अतिसंवेदनशील सूची में शामिल किए गए ये इलाके

खूंटी, एजेंसी। ईद, सरहुल और रामनवमी महोत्सव आपसी सौहार्द व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हों इसके लिए जिला पुलिस प्रशासन ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है. एसपी अमन कुमार ने बताया कि जिला पुलिस हमेशा से त्योहारों को लेकर सजग रहती है. चाहे किसी भी समुदाय के त्योहार क्यों न हों. उन्होंने बताया कि रामनवमी महोत्सव के दौरान अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की जाएगी. इसके लिए पुलिस मुख्यालय से अतिरिक्त फोर्स की मांग की गयी है.

जिला के खूंटी थाना क्षेत्र के आजाद रोड, कर्रा रोड के अलावा अन्य सड़कें, कर्रा का शहरी क्षेत्र, जरियागड़, गोविंदपुर, तपकरा और तोरपा इलाके को अतिसंवेदनशील में शामिल किया गया है. इन क्षेत्रों में अतिरिक्त बलों के साथ ड्रोन एवं हाईटेक कैमरे से लैस जवान सुरक्षा में तैनात रहेंगे.

एसपी ने बताया कि इस बार 100 से अधिक लोगों को चिन्हित किया गया है. इनके खिलाफ 107 के तहत कार्रवाई की गयी है. एसपी ने बताया कि सभी डीजे संचालकों को नोटिस भेजा रहा है. उसके साथ बातचीत कर वैसे गानों पर रोक लगाया जाएगा, जिससे किसी धर्म विशेष को ठेस पहुंचे या धार्मिक उन्माद फैलने की आशंका हो. साथ ही त्योहार के दौरान हाई रेज्युलेशन कैमरे वाले ड्रोन का इस्तेमाल करने का निर्णय लिया गया है.खूंटी जिला के दोनों पुलिस अनुमंडल में क्यूआरटी टीम की तैनाती की जाएगी, जो आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई कर सके. एसपी ने बताया कि सभी थाना प्रभारियों को रूट का वेरिफिकेशन करने का निर्देश दिया गया है. साथ ही जहां-जहां लाइट की आवश्यकता पड़ेगी, वहां व्यवस्था की जाएगी.

कैबिनेट बैठक में 16 प्रस्तावों पर लगी मुहर, एक अफसर की गई नौकरी; मंईयां सम्मान योजना को लेकर भी लिया गया अहम फैसला

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में कुल 16 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। इन प्रस्तावों में सबसे अहम मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के क्रियान्वयन में आंशिक संशोधन का निर्णय है। इस संशोधन के बाद महिलाओं को मार्च 2025 तक बिना आधार लिंक्ड बैंक खातों में राशि दिए जाने का प्रविधान लागू रहेगा।

इसके बाद हर महीने मिलने वाली 2500 रुपये की राशि आधार लिंक्ड बैंक खातों में ही डाली जाएगी। इसके अलावा राज्य कैबिनेट ने प्रशाखा पदाधिकारियों को मिलने वाली प्रोन्नति के लिए नियमावली से सीमित परीक्षा के नियम को शिथिल करने का निर्णय लिया है।

वहीं, निलंबित चल रही प्रशासनिक सेवा की अधिकारी मनिका प्रखंड की तत्कालीन बीडीओ साधना जयपुरियार को सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया है। उनके खिलाफ मनरेगा में घोटाले का आरोप था।

राज्य में मंईयां सम्मान योजना के तहत अप्रैल माह से उन्हें ही राशि दी जाएगी, जिनके खाते आधार लिंक्ड होंगे। ऐसा नहीं होने पर इन्हें कोई राशि नहीं दी जाएगी।

विभागीय सूत्रों के अनुसार ऐसे लाभुकों की संख्या 22 लाख के करीब है। इनके खाते आधार से लिंक्ड नहीं हुए तो कोई भुगतान नहीं होगा।

पूर्व में आधार लिंक कराने के लिए दिसंबर 2024 तक का समय दिया गया था। लेकिन इसे बढ़ाकर अब मार्च 2025 कर दिया गया है।

दूसरी ओर, झारखंड सचिवालय सेवा अंतर्गत सहायक प्रशाखा पदाधिकारी की कोटि से प्रशाखा पदाधिकारी के पद पर प्रोन्नति से संबंधित नियमावली में प्रावधानित सीमित प्रतियोगिता परीक्षा से संबंधित प्रविधान को एकबारीय सुविधा के रूप में शिथिल करने की स्वीकृति दी गई। अब ऐसे कर्मियों को एक बार प्रोन्नति का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

राज्य सरकार ने रजनीश कुमार पांडेय बनाम भारत सरकार एवं अन्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के आलोक में दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की समुचित व्यवस्था प्रदान करने के लिए प्रारंभिक विद्यालयों में इंटरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्य के 20825 पदों में से 2399 पद और स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्य के 29175 पदों में से 1052 पदों को कर्णांकित करने की स्वीकृति प्रदान की है। इस प्रकार कुल 50 हजार सहायक आचार्यों में से 3451 पद दिव्यांग बच्चों की मदद के लिए आरक्षित होंगे।

चतरा में ईद से पहले बाजारों में आने लगी रौनक

चतरा, एजेंसी। ईद का जश्न पूरे जोश और उल्लास के साथ मनाने की तैयारियां जोरों पर हैं. बाजारों में खरीदारी का जबरदस्त माहौल है. हर ओर ईद की रौनक बिखरी हुई है. केसरी चौक और जामा मस्जिद रोड के आसपास सैकड़ों दुकानें सजाई जा चुकी हैं. जहां लोग अपने जरूरत के सामान खरीद रहे हैं. जिसमें कपड़े, जूते, खजूर, ड्राई फ्रूट और पारंपरिक बकरखानी जैसी चीजों की मांग काफी है.

चतरा के बाजार में ईद पर पटना की खास सेवइयों की जबरदस्त मांग है. मंईयां सम्मान योजना के तहत मिले आर्थिक सहयोग ने बाजारों में रौनक ला दी है, जिससे न केवल दुकानदार बल्कि स्थानीय लोग भी उत्साहित हैं. हर साल की तरह इस बार भी बाजार में सेवइयों की कई किस्में उपलब्ध हैं, लेकिन पटना की सेवइयां खास चर्चा में हैं. इनकी खुशबू और स्वाद ने ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रखा है.

पारंपरिक परिधान के साथ वेस्टर्न कपड़ों की मांग में तेजी

दुकानों में सेवइयों की कीमतों में थोड़ा इजाफा जरूर है, जिससे आम ग्राहक थोड़े परेशान हैं, लेकिन त्योहार की खुशी के आगे महंगाई की चिंता छोटी पड़ रही है. ईद की तैयारियों के तहत बाजारों में भारी भीड़ देखी जा रही है. लोग नए कपड़ों और जूतों की खरीदारी में व्यस्त हैं. इस बार बाजार में पारंपरिक परिधानों के साथ-साथ वेस्टर्न कपड़ों की भी अच्छी मांग है.

पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा और महिलाओं के लिए शरारा, अनारकली और प्लाजो सूट काफी पसंद किए जा रहे हैं. बच्चों के लिए भी आकर्षक ड्रेस और फुटवियर की अलग-अलग रेंज बाजार में उपलब्ध है. दुकानदारों के अनुसार, इस साल महंगाई की वजह से खरीदारी पर थोड़ा असर है, लेकिन ईद का जश्न मनाने के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है. कई दुकानदार ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विशेष छूट भी दे रहे हैं.

हालांकि, ऑनलाइन शॉपिंग के चलते कई दुकानों की बिक्री प्रभावित हुई है, लेकिन जैसे-जैसे ईद करीब आ रही है, वैसे-वैसे बाजारों में चहल-पहल बढ़ती जा रही है. ग्राहकों के अनुसार, इस बार महंगाई ने त्योहार की तैयारी में कुछ अड़चने जरूर डाली हैं. कपड़े, जूते और सेवइयों की कीमतें पिछले साल की तुलना में अधिक हैं, जिससे कुछ चीजें आम आदमी की पहुंच से बाहर हो रही हैं. लेकिन इसके बावजूद लोग अपनी क्षमता के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं और ईद की खुशियों को बांटने के लिए तैयार हैं.

ईद सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे और सौहार्द्र का प्रतीक है. बाजारों में खरीदारी के साथ-साथ लोगों में मेल-मिलाप और एक-दूसरे को बधाई देने की परंपरा भी जोरों पर है.

जामताड़ा में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई, शिकंजे में आया साइबर अपराधी

जामताड़ा, एजेंसी। साइबर अपराध के गढ़ जामताड़ा में दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई की है. 17 लाख करीब साइबर ठगी के मामले में दिल्ली पुलिस की टीम ने जामताड़ा के कर्माटांड़ थाना क्षेत्र से एक साइबर अपराधी को पकड़ा है.

दूसरी ओर जिला साइबर थाना की पुलिस ने साइबर अपराधियों के अड्डे पर छापामारी कर चार साइबर अपराधी को पकड़ा है. दिल्ली पुलिस ने जहां अपने साथ साइबर अपराधी को लेकर रिमांड पर दिल्ली ले गई. वहीं जामताड़ा साइबर थाना की पुलिस द्वारा पकड़े गए चार साइबर अपराधियों को कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है.

करीब 17 लाख साइबर ठगी के मामले में दिल्ली पुलिस साइबर अपराधी की तलाश में मंगलवार को जामताड़ा पहुंची. दिल्ली पुलिस की टीम जामताड़ा के साइबर के गढ़ करमाटांड़ थाना क्षेत्र पहुंची, जहां एक साइबर अपराधी को पकड़ा गया. दिल्ली पुलिस की टीम मोबाइल लोकेशन के आधार पर कर्माटांड़ थाना क्षेत्र के काशीटार गांव से साइबर ठगी करने वाले साइबर अपराधी को पकड़ा. जिसका नाम नीरज कुमार मंडल बताया गया है. जिसे दिल्ली पुलिस रिमांड पर अपने साथ दिल्ली ले गई. दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल से करीब 17 लाख का ठगी ये मामला है.

कर्माटांड़ थाना प्रभारी सह पर प्रशिक्षु आईपीएस पदाधिकारी श्री राघवेंद्र शर्मा ने इस मामले के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल से करीब 17 लाख साइबर ठगी किया गया था. जिसे लेकर दिल्ली स्पेशल सेल में कांड संख्या 0549 दिनांक 6-12-24 को अंकित किया गया. जिसके आधार पर दिल्ली पुलिस की टीम साइबर अपराधी की तलाश में जामताड़ा पहुंची और कर्माटांड़ थाना क्षेत्र के काशीटांड़ से साइबर ठगी करने वाले नीरज कुमार मंडल को पकड़ा गया. जिसे दिल्ली पुलिस अपने साथ डिमांड पर ले गई है.

दूसरी ओर जिला स्तर पर हुई कार्रवाई में खुद को बिजली विभाग का अधिकारी बताकर साइबर ठगी करने वाले चार साइबर अपराधी को जामताड़ा साइबर थाना की पुलिस ने पकड़ा. साइबर थाना की पुलिस के नारायणपुर थाना क्षेत्र के पिपलाटांड़ गांव के विभिन्न साइबर अड्डे पर छापामारी अभियान चलाया. जहां से कुल चार साइबर अपराधियों को पकड़ा. जिनके पास से पुलिस ने 17 मोबाइल और 18 फर्जी सिमकार्ड बरामद किया है.

इन साइबर अपराधियों में मेधु मंडल, रूपेश मंडल, गोपाल मंडल और सरोज मंडल शामिल है. ये फर्जी बिजली विभाग के अधिकारी बनकर साइबर ठगी करते थे. इसकी जानकारी देते हुए साइबर डीएसपी चंद्रशेखर ने बताया कि सूचना मिली थी कि नारायणपुर थाना क्षेत्र के पिपलाटांड़ गांव में कुछ साइबर अपराधी साइबर अपराध को अंजाम दे रहे हैं. जिसके आधार पर पुलिस टीम गठित की गई और टीम द्वारा छापेमारी की गई. जहां से चार साइबर अपराधी पकड़े गए.

सरकारी नौकरी की तैयारी करने वालों के लिए अच्छी खबर, झारखंड पुलिस बहाली को लेकर सरकार ने दिया बड़ा अपडेट

रांची, एजेंसी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवकों के लिए हेमंत सरकार ने बड़ी खुशखबरी दी है. कैबिनेट मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो ने बता दिया है कि पुलिस की बहाली कब होगी. सदन में बीजेपी नेता शत्रुघ्न महतो के एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि जल्द ही 4919 पदों पर पुलिस की बहाली होगी. इसे लेकर विज्ञापन जारी करने की तैयारी चल रही है.

सोमवार को विधायक शत्रुघ्न महतो सदन में पुलिस कर्मियों की कमी का मुद्दा उठाया था. उन्होंने कहा था कि राष्ट्रीय स्तर पर जनसंख्या और पुलिस अनुपात एक लाख की आबादी पर 300 पुलिस का मानक तय किया गया है. लेकिन झारखंड में एक लाख की आबादी पर 211 पद स्वीकृत हैं. लेकिन वर्तमान में एक 157 ही कार्यरत हैं. जिला पुलिस बल की संख्या कम होने के कारण सिपाहीयों को 20 घंटे से अधिक की सेवा देनी पड़ रही है. इसका असर विधि व्यवस्था पर पड़ रहा है.

बाघमारा विधायक के इस सवाल का जवाब देते हुए मंत्री योगेंद्र महतो ने कहा कि जल्द ही 4919 पदों पर पुलिस की बहाली होगी. इसे लेकर विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा. उत्पाद सिपाही की बहाली में आयी विसंगतियों की वजह से ही विलंब हुआ. जल्द ही बहाली प्रक्रिया प्रारंभ होगी. कैबिनेट में इसे लेकर स्पष्ट निर्णय हो गया है, जिस पर काम जारी है. उत्पाद सिपाही की बहाली के दौरान 15 से अधिक अभ्यर्थियों की मौत हो गयी थी. जिसके बाद इसकी नियमावली को बदल दी गयी.

सिमडेगा में पुलिस टीम पर मधुमक्खियां ने बोला हमला, 5 पुलिसकर्मी हुए घायल

सिमडेगा, एजेंसी। जिले के बोलबा थाना में पुलिस टीम पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया है. हमले में एएसआई समेत पांच पुलिसककर्मी घायल हो गए हैं. सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है. जनकारी के अनुसार पुलिस कर्मियों द्वारा थाना परिसर की साफ-सफाई किया जा रही थी. इसी दौरान झाड़ी पर छत्ता बनाए मधुमक्खी ने अचानक वहां मौजूद पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया.

मधुमक्खियों की हमले से घायल पुलिसकर्मियों में एएसआई बीपी यादव, सुरेंद्र शर्मा, राम केरकेट्टा, सुमित केरकेट्टा और प्रवीण डूंगडूंग शामिल हैं. सभी का इलाज स्वास्थ्य केंद्र बोलबा में डॉ देबोतोष भूटिया की देखरेख में किया जा रहा है. थाना प्रभारी सोनू पाठक ने बताया कि सभी घायल पुलिस कर्मियों का इलाज चल रहा है. सभी की हालत खतरे से बाहर है.

बता दें कि जिले में मधुमक्खियों के द्वारा इस तरह का हमला कोई पहली घटना नहीं है. पूर्व में भी कई हाट बाजारों, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तथा पुलिस टीम को मधुमक्खी अपना निशाना बना चुके हैं. कुछ माह पूर्व ही टुकूपानी पंचायत भवन के समीप मधुमक्खियों के छत्ता को छेड़े जाने के बाद मधुमक्खियों ने पंचायत भवन आने वाले लोगों तथा राहगीरों को निशाना बनाया था. एनएच 143 से सटे होने के कारण रोड पर चलने वाले लोगों को भी भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था.

आतंकी फंडिंग से लेकर रिश्वत कांड तक, सीबीआई की जाल में ऐसे फंस गया आरके कंस्ट्रक्शन

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा, झारखंड उच्च न्यायालय सहित कई महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण करने वाली रामकृपाल कंस्ट्रक्शन फिर से विवादों में है। टेरर फंडिंग से लेकर रिश्वत कांड तक के विवादों में यह कंस्ट्रक्शन कंपनी है। पिछले दिनों सीबीआइ ने एनएचएआइ के क्षेत्रीय कार्यालय पटना के महाप्रबंधक राम प्रीत पासवान को 15 लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था।

उक्त राशि रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन (आरके कंस्ट्रक्शन) प्राइवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक सुरेश महापात्र दे रहे थे। सीबीआइ ने आरके कंस्ट्रक्शन के महाप्रबंधक सुरेश महापात्र को भी गिरफ्तार किया। इसके अलावा आरके कंस्ट्रक्शन के दो अन्य कर्मी बरुण कुमार व चेतन कुमार को भी पकड़ा।

सीबीआइ ने आरके कंस्ट्रक्शन कंपनी व एनएचएआइ के पदाधिकारियों-कर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज की और छापेमारी में 1.18 करोड़ रुपये जब्त भी किया था।

लेवी के रुपयों के साथ पकड़ा गया था आरके का कर्मी गिरिडीह जिले के डुमरी थाना क्षेत्र से 21 जनवरी 2018 को मनोज कुमार को छह लाख रुपये व संदिग्ध दस्तावेज के साथ गिरफ्तार किया था। मनोज कुमार रामकृपाल सिंह कंट्रक्शन कंपनी का कर्मी था।

इस मामले में डुमरी थाने में 22 जनवरी 2018 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उस वक्त झारखंड पुलिस को छानबीन में जानकारी मिली थी कि मनोज कुमार के पास से बरामद उक्त राशि ठेकेदारों से माओवादियों के नाम पर उठाए गए लेवी से संबंधित थी।

गिरफ्तार मनोज ने स्वीकारा था कि वह माओवादियों के रीजनल कमेटी सदस्य कृष्णा दा उर्फ कृष्णा हांसदा उर्फ अविनाश के लिए लेवी वसूलता था।

एनआइए ने डुमरी थाने में दर्ज केस को टेकओवर करते हुए नौ जुलाई 2018 को टेकओवर करते हुए केस रजिस्टर्ड किया था। इसके एनआइए ने मनोज कुमार के अलावा माओवादी रीजनल कमांडर कृष्णा हांसदा को भी आरोपित बनाया था।

एनआईए ने ही अनुसंधान में खुलासा किया था कि मनोज कुमार रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड का कर्मचारी था। उसका मूल काम माओवादियों व ठेकेदारों बीच समन्वय का काम करता था। वह माओवादियों के रीजनल कमांडर कृष्णा हांसदा के लिए ठेकेदारों से लेवी वसूलता था।

बरामद छह लाख रुपये लेवी के थे, जिसे वह माओवादियों तक पहुंचाने जा रहा था कि पकड़ा गया था। इस खुलासे के बाद एनआइए ने जून 2020 में रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन कंपनी के कचहरी रोड के पंचवटी प्लाजा स्थित दफ्तर में भी छापेमारी की थी।

सुभाषितम्

कबिरा आप ठगाइये, और न ठगिये कोय। आप ठगे सुख होत है, और ठगे दुख होय? - कबीर

भड़कने से कुछ नहीं होता

इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश ने हाल ही में फैसला दिया था। जिसमें कहा गया था, लड़की के स्तनों को पकड़ना, उसके पजामे की डोरी तोड़ना और रेप की कोशिश करना रेप नहीं माना जा सकता है। गंभीर धाराओं में मुकदमा चलाये जाने को आपत्तिजनक मानते हुए साधारण धाराओं में मामला चलाने का आदेश हाईकोर्ट के जज ने दिया था। पुलिस ने पाकसो के तहत रेप का मामला दर्ज किया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस फैसले की देश भर में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई। वूमेन ऑफ इंडिया नाम के एक संगठन ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वयं संज्ञान लेते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के उक्त आदेश पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान इलाहाबाद हाईकोर्ट के जिस न्यायमूर्ति द्वारा यह आदेश लिखाया गया था, उन्हें फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट के जज वीआर गवई तथा जस्टिस आगस्टीन जार्ज मसीह की बेंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए जज महोदय को कड़ी फटकार लगाई है। पिछले कुछ वर्षों से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज प्रकरणों की सुनवाई करने के दौरान जिस तरह की टिप्पणियां करते हैं। उसके कारण देश की न्यायिक व्यवस्था को लेकर लोगों के मन में संदेह उठने लगा है। निष्पक्षता और राजनीतिक सरोकार को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज जो मामले सुनवाई के लिए उनके पास पहुंचते हैं, उन पर सुनवाई करने और फैसला देने के स्थान पर आधी अधूरी टिप्पणी करके मामले को लंबित रखा जाता है। पिछले एक दशक में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के सैकड़ों फैसलों की समीक्षा की जाए, तो यह प्रमाणित होगा। जिस मामले के लिए याचिका लगाई गई थी, उस मामले का निराकरण आज तक नहीं हुआ। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने जो टिप्पणी और आदेश जारी किए हैं, वह सभी आधे-अधूरे हैं। जिसके कारण न्याय जगत में अराजकता फैल गई है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट संविधान की रक्षक हैं। नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने का दायित्व न्यायपालिका के पास है। संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्चता पर रखा है। जो न्याय त्वरित रूप से हो सकता है, उसको लंबे समय तक टालकर रखने से न्यायपालिका की उपयोगिता आम आदमी के लिए खत्म होती जा रही है। न्यायालय में कई वर्षों तक मामलों में तारीख पर तारीख मिलती रहती है। एक मामले में तो देखते ही देखते महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे की सरकार अवैध रूप से गिरा दी गई। सुप्रीम कोर्ट में मामला होने के बाद भी 4 साल बाद भी निर्णय नहीं आ पाया। इससे न्यायपालिका की असलियत उजागर होती है। संवेदनशील मामलों में भी न्यायपालिका ने स्वयं संज्ञान लेकर सुनवाई करने के दरवाजों को पूरी तरह से बंद कर लिया है। पिछले एक दशक में न्यायपालिका की जो छवि आम लोगों के बीच में बन रही, उसके मुताबिक न्यायपालिका सरकार के इशारे पर काम कर रही है। सरकार की इच्छा के विपरीत न्यायपालिका से कोई निर्णय नहीं होता। लगभग 70 फीसदी मामलों में जो लोग न्यायालय न्याय पाने के लिए पहुंचते हैं। वह केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और जिला प्रशासन द्वारा जो कार्रवाई के खिलाफ न्यायालय में जाते हैं, लेकिन ऐसे मामलों में न्यायपालिका से आम आदमियों और विपक्षी राजनीतिक दलों को कोई राहत नहीं मिलती है। उत्तर प्रदेश से जो बुलडोजर का कानून सरकार ने शुरू किया था, बिना किसी नियम कानून के लोगों के घर तोड़ दिए गए। सारे परिवार को रोड पर लाकर खड़ा कर दिया गया। परिवार रोटी-रोजी के लिए मोहताज हो गया। न्यायपालिका यह दृश्य पिछले कई वर्षों से खुली आंखों से देख रही है। जान रही है, समय-समय पर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट आदेश भी जारी कर रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को सरकारें मानने के लिए तैयार नहीं है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं। किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रघ्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

सीबीआई छापेमारी: राजनीतिक संघर्ष की नई गाथा

- सत्यप्रकाश दुबे

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके सहयोगियों के घरों पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (उइक) की छापेमारी ने प्रदेश में एक बार फिर सियासी हलचल मचा दी है। यह कार्रवाई महादेव सट्टा एप मामले से जुड़ी हुई बताई जा रही है, जिसमें भूपेश बघेल, उनके परिवार, और कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आरोप लगे हैं। इस छापेमारी को लेकर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है, और प्रदेश की राजनीति एक बार फिर गरमाई हुई है। महादेव सट्टा एप घोटाला एक बड़ा वित्तीय घोटाला है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि भारी मात्रा में नकद लेन-देन हुआ था। इसके अंतर्गत कुछ पुलिस अधिकारियों और नेताओं पर आरोप हैं कि उन्होंने हर महीने लाखों रुपये के बदले इस घोटाले को संचालित किया। इस मामले में भूपेश बघेल, उनके बेटे चैतन्य बघेल, भिलाई के कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव, और कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नाम आए हैं। सीबीआई की इस कार्रवाई के पीछे यही आरोप हैं, जिनकी जांच जारी है। यह कार्रवाई पहले प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) द्वारा की गई शराब घोटाले की जांच से जुड़ी हुई है, जिसमें भूपेश बघेल और उनके बेटे के खिलाफ आरोप लगे थे। इसी क्रम में अब सीबीआई ने भूपेश बघेल सहित कई अन्य नेताओं और अधिकारियों के घरों पर छापेमारी की है, जो महादेव सट्टा एप घोटाले से जुड़े हुए थे। सीबीआई की छापेमारी के बाद छत्तीसगढ़ के राजनीतिक माहौल में हलचल मच गई है। कांग्रेस और भाजपा दोनों पक्ष एक-दूसरे पर कड़ी टिप्पणियां कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि भाजपा ने सीबीआई को भूपेश बघेल और देवेंद्र यादव के पीछे लगा दिया है, लेकिन यह सब सत्ता की हताशा के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस कभी नहीं झुकेगी और न रुकेगी। कांग्रेस के इस बयान से साफ है कि वे सीबीआई की कार्रवाई को राजनीतिक साजिश मानते हैं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने भी इसे लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी बताया और आरोप लगाया कि भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। उनका कहना था कि भाजपा हर नाकाम कोशिश के बाद अब सीबीआई को इस कार्रवाई में लगा रही है, जो पूरी तरह से सत्ता के अन्याय का हिस्सा है। उन्होंने भी कांग्रेस के नेताओं को विश्वास

दिलाया कि सत्य और न्याय की जीत होगी। कांग्रेस नेता अमरजीत भगत ने भी भाजपा को एक कड़ा संदेश दिया और कहा कि ऐसी वाणी बोलिए मन का आपा खोए, औरों को शीतल करे आपहू शीतल होह्व के जरिए भाजपा को समझाया कि काम ऐसा करना चाहिए जिससे समाज में अच्छा संदेश जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भूपेश बघेल को हमेशा केंद्रीय एजेंसियों द्वारा निशाना बनाया जाता रहा है, लेकिन कांग्रेस पार्टी इससे डरने वाली नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सीबीआई की जांच में कांग्रेस नेताओं को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर केंद्रीय एजेंसियां भ्रष्टाचार की जांच कर रही हैं तो यह कोई दुर्भावना नहीं हो सकती, बल्कि यह न्याय का हिस्सा है। उनका मानना था कि राजनीति से प्रेरित आरोपों की बजाय सभी को जांच में सहयोग करना चाहिए और प्रक्रिया को सही तरीके से पूरा होने देना चाहिए। उनका कहना था कि कोई भी कार्रवाई चुनाव से पहले या बाद हो सकती है, लेकिन सबको न्याय के पक्ष में खड़ा होना चाहिए। सीबीआई की टीम ने भिलाई-3 स्थित भूपेश बघेल के आवास, भिलाई सेक्टर-9 में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के ठिकानों पर दबिश दी। इनमें पुलिस अधिकारी डॉ. आनंद छाबड़ा, पूर्व एसपी दुर्ग डॉ. अभिषेक पल्लव, और पूर्व एएसपी दुर्ग संजय ध्रुव शामिल हैं। इसके अलावा कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव और वरिष्ठ पत्रकार विनोद वर्मा के घरों पर भी जांच की जा रही है। रायपुर में पुलिस अधिकारियों शेख आरिफ और अभिषेक महेश्वरी के घर भी सीबीआई की टीम ने दबिश दी। इन सभी अधिकारियों और नेताओं के नाम महादेव सट्टा एप घोटाले से जुड़े मामलों में पहले ही सामने आ चुके थे, और इन पर आरोप है कि वे इस घोटाले में शामिल थे। भूपेश बघेल ने सीबीआई की छापेमारी पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब सीबीआई आई है। उन्होंने बताया कि वह अहमदाबाद में 8-9 अप्रैल को होने वाली अक्ळउ की बैठक के लिए दिल्ली जाने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही सीबीआई ने उनके रायपुर और भिलाई स्थित निवास पर छापा मारा। इस बयान से यह साफ हो जाता है कि भूपेश बघेल इस कार्रवाई को एक राजनीतिक साजिश मानते हैं और इसे चुनावी मुद्दों से पहले उठाया गया कदम मानते हैं। इससे पहले, प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल के खिलाफ 2,161 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले की जांच की थी। 10 मार्च को एऊने भूपेश बघेल के घर पर छापेमारी करते हुए 33 लाख रुपये नकद बरामद किए थे। उस समय कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया था और बघेल के घर के बाहर जमकर नारेबाजी की थी। यह विरोध आज भी जारी है, और बघेल के निवास के बाहर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन को नियंत्रित किया जा सके। सीबीआई की छापेमारी ने छत्तीसगढ़ की राजनीति को एक नया मोड़ दिया है। जहां एक ओर कांग्रेस इसे सत्ता के दुरुपयोग और राजनीतिक प्रतिशोध की साजिश मानती है, वहीं भाजपा इसे भ्रष्टाचार की जांच और न्याय के पक्ष में उठाया गया कदम बता रही है। प्रदेश की राजनीति में इस छापेमारी का जो असर पड़ रहा है, उससे साफ है कि छत्तीसगढ़ में सत्ता की जंग और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप जारी रहेंगे । सीबीआई की जांच का नतीजा चाहे जो भी हो, लेकिन इसने प्रदेश की राजनीति को एक बार फिर से गरमा दिया है और यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मामले में आगे क्या कदम उठाए जाते हैं। सीबीआई की छापेमारी को लेकर छत्तीसगढ़ की राजनीति में उबाल आ चुका है, और दोनों प्रमुख राजनीतिक दल इसे अपने पक्ष में उपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, यह भी देखा जाएगा कि केंद्रीय एजेंसियां अपने आरोपों में कितनी सफलता हासिल करती हैं और क्या न्यायिक प्रक्रिया के तहत सभी आरोप सही साबित होते हैं या नहीं। इस घटना ने राज्य की राजनीतिक स्थिति को बदल दिया है, और यह आगामी चुनावों में एक अहम मुद्दा बन सकता है।

गजवा-ए-हिन्द बनाम सौगात-ए-मोदी

- राकेश अचल

आज मै खुले दिल से भाजपा के दुस्साहस को सलाम करता हूँ। आप कहेंगे कि सलाम क्यों,प्रणाम क्यों नहीं ? तो भाई केवल भाषा का फर्क है,भाव का नहीं। भाजपा एक तरफ हाल के अनेक चुनावों में देश के मुसलमानों को मंगलसूत्रों का लुटेरा कह चुकी है। उनके खिलाफ बंटोगे तो कटोगे का नारा लगा चुकी है । मुसलमानों के खिलाफ आधे हिंदुस्तान में भारतीय न्याय संहिता के बजाय बुलडोजर संहिता का खुले आम इस्तेमाल कर चुकी है ,बावजूद इसके आने वाली ईद पर भाजपा मुसलमानों के बीच सौगात-ए-मोदी लेकर पहुँचने वाली है।ये सौगात मसलमानों के गजवा ए हिन्द कि मुकाबले में है। ईद पर 32 लाख गरीब मुसलमानों को सौगात-ए-मोदी किट में सेवइयां, खजूर, ड्राई फ्रूट्स, बेसन, घी-डालडा और महिलाओं के लिए सूट के कपड़े होंगे।

सब जानते हैं कि भाजपा और आरएसएस मुसलमान विहीन ,कांग्रेस विहीन भारत चाहते हैं ,लेकिन वे सारा कस-बल लगाकर भी इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाए। इन दोनों संस्थाओं ने जिन्दा मुसलमानों के साथ ही मर चुके औरंगजेब की कब्र तक पर हमले कर लिए लेकिन बात बनी नही। संघ के इंद्रेश कुमार मुस्लिम राष्ट्रिय मंच बनाकर भी देश के मुसलमानों को भाजपा के पक्ष में नहीं कर पाए किन्तु भाजपा ने हार नहीं मानी। भाजपा मुसलमानों को संसद में कटुआ कहने के बाद भी सोचती है कि गरीब मुसलमान सेवइयां, खजूर, ड्राई फ्रूट्स, बेसन, घी-डालडा और महिलाओं के लिए सूट के कपड़े के लालच में आकर भाजपा का वोट बैंक बन जाएगा। उस भाजपा के साथ खड़ा हो जायेगा जो मुसलमानों को न संसद में जाने दे रही है और न विधानसभाओं में।

भाजपा के दुस्साहस से देश की दीगर सियासी पार्टियों क सीखना चाहिए। भाजपा ने आज 25 मार्च से मोदी की सौगत वाली किट बाँटने का आगाज कर दिया है। भाजपा का कहना है कि यह योजना न केवल सहायता प्रदान करेगी, बल्कि मुस्लिम समुदाय को ह्यचंद दलालों और ठेकेदारोंह्व के प्रभाव से बाहर निकालने में भी मदद करेगी।इसकी शुरूआत नई दिल्ली के गालिब अकादमी से हो रही है . इसके तहत हर एक भाजपा कार्यकर्ता 100 लोगों से संपर्क करेगा. भाजपा का दावा है कि यह कदम सामाजिक समावेश और गरीबी उन्मूलन की दिशा में एक बड़ा प्रयास है. इस पहल को बिहार सहित कई राज्यों में लागू किया जाएगा, जहां भाजपा की मजबूत उपस्थिति है।

सौगात ए मोदी अभियान भारतीय जनता पार्टी द्वारा शुरू किया गया एक अभियान है। इसका उद्देश्य है मुस्लिम समुदाय के बीच कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देना और भाजपा और एनडीए के लिए राजनीतिक समर्थन जुटाना है। यह अभियान खास इसलिए भी है क्योंकि यह रमजान और ईद जैसे अवसरों पर केंद्रित है। भाजपा जहाँ एक और सम्भल और ज्ञानवापी जैसी मस्जिदों को खोदने पर आमादा हैवहीं दूसरी और भाजपा ने 3 हजार मस्जिदों के साथ सहयोग करने की योजना बनाई है। आप इसे केंद्र सरकार का समावेशी निर्णय भी कह सकते हैं और राजनीति का हिस्सा हिस्सा भी कह सकते हैं हैं।

दुनिया और भारत का मुसलमान जानता है कि भाजपा और भाजपा के प्रचारक से प्रधानमंत्री बने मोदी जी मुसलमानों की टोपी से चिढ़ते है। प्रधानमंत्री आवास पर होने वाली इफ्तार पार्टियों को वे बंद करा चुके हैं ,लेकिन अचानक बिहार जीतने के लिए अब भाजपा और संघ दोनों ने अपना रंग बदल लिया है। बिहार में अचानक पटना में अलग-अलग राजनैतिक दलों द्वारा इफ्तार का आयोजन किया गया । भाजपा के सहयोगी चिराग पासवान द्वारा भी इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया ,लेकिन कई मुस्लिम नेताओं ने इससे दूरी बना रखी। चिराग पासवान कहते घूम रहे हैं कि केंद्र सरकार मुसलमानों के लिए लगातार काम कर रही है लेकिन उस हिसाब से मुस्लिम समुदाय के लोगों का वोट एनडीए को नहीं मिल रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि मुसलमानों का इस्तेमाल केवल वोट बैंक की तरह किया गया है।

सौगात-ए-मोदी पर प्रतिक्रियाएं आने लगीं हैं। कोई इसे मुसलमानों के साथ छल बता रहा है तो कोई इसे चुनावी दांव बता रहा है. अखिलेश यादव समेत विपक्ष के कई नेता भाजपा की इस योजना पर बिफरे हुए हैं. तृमूकां सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने तो इस योजना को मुसलमानों के साथ मजाक बताया है। बीजेपी ने सौगात-ए-मोदी की शुरूआत दिल्ली से की है, मगर इसकी सबसे ज्यादा चर्चा बिहार में है। क्योंकि बिहार में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने के लिए भाजपा ने ये दांव चला है। हालांकि, विपक्ष के नेता ये भी कहते हैं कि ऐसी सौगातों से भाजपा को बिहार में कोई फायदा नहीं मिलने वाला. जबकि भाजपा का कहना है कि गरीब अल्पसंख्यक भी खुशी से अपना पर्व मनाएं इस लिए ये योजना चलाई गई है।

आप भाजपा से और अपने आपसे सवाल कर सकते हैं कि भाजपा को अचानक गरीब मुसलमानों की चिंता क्यों सताने लगी ? भाजपा मुसलमानों को आतंकित कर देख चुकी है लेकिन उसे लगता है कि बात अभी बनी नहीं है इसलिए अब मुसलमानों की गरीबी का लाभ उठाने के लिए उन्हें मोदी जी की और से सौगात बांटी जा रही है। ये सौगात मोदी जी के वेतन से नहीं जा रही । भाजपा के चंदे से जुटाए करोड़ों रुपयों से नहीं दी जा रही । ये सौगात सरकारी पैसे से दी जा रही है। उस सरकारी पैसे से जो देश के आम करदाताओं का पैसा है। यानि ये सौगात भी एक तरह का फ्रीबीज है। जिस देश में 80 करोड़ से ज्यादा लोग दो वक्त की रोटी के लिए सरकार के मोहताज हैं उस मुल्क में 32 लाख गरीब मुसलमानों को रिझाना कोई कठिन काम नहीं है। भाजपा का ये कदम हालाँकि साफतौर पर सियासी है लेकिन मैं इसकी कामयाबी की कामना करता हूँ। कम से कम गरीब मुसलमानों को कुछ तो मिलेगा। किन्तु मुझे इस बात पर संदेह बह है कि मुल्क का गरीब मुसलमान ईद जैसे पाक त्यौहार पर कोई सियासी सौगात कबूल कर अपने ईमान ,इकबाल का सौदा करेगा ? इस देश के मुसलमानों के मन में भाजपा को लेकर जो संदेह हैं वे मोदी जी की छह सौ रुपल्ली की सौगात से दूर होने वाले नहीं हैं। फिर भी कोशिश तो एक आशा जैसी है ही। कांग्रेस समेत दूसरे तमाम दलों के पास मोदी की इस सौगात के जबाब में कोई और महंगी सौगात है क्या ? भारत में मुस्लिम आबादी अभी 20 करोड़ है । जाहिर है की भाजपा ने मोदी जी की सौगात पूरे देश के मुसलमानों के लिए तैयार नहीं की है। ये सिर्फ ३२ लाख मुसलमानन के लिए है जो बिहार में रहते हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कला के मंच भी करते हैं दुनिया को सचेत

- ऋतुपर्ण दवे

आज विश्व रंगमंच दिवस है। रंगमंच कला के महत्व की जागरूकता बढ़ा जश्न मनाने का दिन है। रंगमंच शब्द ग्रीक शब्द थिएट्रॉन से लिया गया है जिसका अर्थ है देखने की जगह। भारत में रंगमंच का इतिहास बहुत पुराना है। भरत मुनि को नाट्यशास्त्र के लिए जाना जाता है। हमारे रंगमंचीय इतिहास बहुत पुराना है। शुरू से यही वो माध्यम है जिसे समझकर उसके सौंदर्य और महत्व, के साथ मनोरंजन के माध्यम से दैनिक जीवन में जश्न यानी खुशी प्रदर्शित की जाती है। विश्व रंगमंच दिवस इसी का प्रतीक है। रंगमंच वह विधा भी है जिससे दुनिया भर की सरकारों, राजनेताओं, संस्थानों और हितधारकों को भी मंच के जरिए सूचित व सचेत किया जाता है कि समाज की ऐसी संस्थाओं और लोगों के प्रति कैसी जनधारणा है। वास्तव में यह अभिव्यक्ति की वह कला है जिसमें कलाकार वास्तविक जीवन या घटनाओं का एक तरह से नाट्य रूपांतरण यानी रिक्रिएशन करते हैं, दोहराते और याद दिलाते हैं। इसे मनाने की शुरूआत 1961 से हुई थी। 27 मार्च, 1962 को, विश्व रंगमंच दिवस अंतरराष्ट्रीय रंगमंच संस्थान केंद्रों, उसके सहयोगी सदस्यों, रंगमंच पेशेवरों और रंगमंच संगठनों द्वारा मनाया गया। अब, यह दिन विश्व के 90 से अधिक केंद्रों में मनाया जाता है, जिसमें दुनिया भर के रंगमंच विश्वविद्यालय, अकादमियाँ, स्कूल और रंगमंच प्रेमी शामिल होते हैं। संस्कृति, शिक्षा, शांति और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है इस दिन एक विशेष संदेश जारी किया जाता है, जो किसी प्रमुख रंगमंच हस्ती द्वारा लिखा जाता है। यह संदेश रंगमंच की भूमिका और इसके सामाजिक प्रभाव पर प्रकाश डालता है। हर वर्ष इसकी एक अलग थीम होती है। इस बार की थीम रंगमंच और शांति की संस्कृति है। जैसा कि नाम से ही साफ है, इस झुलसती और तृतीय विश्व युध्द की आहट के बीच बढ़ रही दुनिया को बड़ा संदेश देना उद्देश्य है। जैसा कि साफ है रंगमंच या थिएटर प्रदर्शन वास्तव में कला के जरिए जीवंत प्रस्तुति,अभिव्यक्ति, स्वीकरण या अस्वीकरण का वह तरीका है जिसमें कलाकार किसी वास्तविक या काल्पनिक घटना के अनुभव को किसी विशिष्ट स्थान, पर आकर सामने नाट्या प्रदर्शन करते है। यह न तो रिकॉर्डेड होता है न ही बार-बार के रिटेक जैसी सुधार की संभावनाएं होती है। वास्तव में जीवंत प्रदर्शन बड़ी चुनौती सरीखे होती है जिसे कलाकार साक्षात प्रस्तुत कर उसमें जीते हुए दिखते हैं। जो बहुत ही आनन्दित करता है। निश्चित रूप से यह न केवल कठिन कार्य है बल्कि अभिनय की वह चुनौती है जिसे सामने बैठे दर्शकों के समक्ष मंच पर कलाकार करते हैं। एक तरह आज की भाषा में यह लाइव प्रदर्शन ही है। अपने संवाद, हाव-भाव, भाषण, गीत, संगीत और नृत्य के संयोजन से की जा रही जीवंत प्रस्तुतियों का दर्शकों पर एक अलग छाप व प्रभाव पड़ता है ।ऐसे मंचन समाज के लिए न केवल बड़े संदेश देते हैं बल्कि कला के तत्व, और कृत्रिम संसाधनों जैसे चित्रित दृश्य और स्टेज क्राफ्ट व प्रकाश व्यवस्था का उपयोग कर वो अनुभव की भौतिकता, उपस्थिति और तात्कालिकता भी बढ़ाते हैं। समय के साथ-साथ इसमें काफी बदलाव भी आया है।

आज का राशिफल

मेष महत्वाकांक्षाओं से भरा रहेगा और आपको हर मामले में लाभ होगा। यात्रा से सामान्य लाभ मिलेगा।	**तुला** आज दिन सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आएगा। जीवनसाथी का साथ मिलेगा।
वृषभ व्यापारी से अनबन हो सकती है। लेकिन अपने कौशल से आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे।	**वृश्चिक** आज दिन परोपकार में बीतेगा। दूसरों की मदद करने से आपको संतुष्टि मिलेगी।
मिथुन दिन थोड़ा मुश्किलों से भरा हो सकता है। परिवार से दूर होने का दुख आपको परेशान करेगा।	**धनु** आज दिन समस्याओं से भरा होगा। आप अपने धैर्य और अच्छे व्यवहार से माहौल को ठीक कर लेंगे।
कर्क आज दिन भाग्यशाली रहेगा। जीवनसाथी और व्यापारिक साझेदारों का सहयोग मिलेगा।	**मकर** से अचानक धन लाभ होगा। परिवार में किसी की तबीयत खराब होने से चिंता हो सकती है।
सिंह समाज में आपकी अच्छी छवि बनेगी। चल रहे कामों में सावधानी बरतें। पदोन्नति के अवसर मिलेंगे।	**कुंभ** आज दिन खुशियों से भरा रहेगा। किसी बड़ी सफलता की खुशी मिलेगी। धन लाभ होगा।
कन्या आज दिन धन लाभ के योग बना रहा है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।	**मीन** संतान पक्ष से खुशी मिलेगी। करियर शुरू करने वालों को प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

विशेष

ढलती सांझें नारकीय जीवन जीने को मजबूर ?

- नरेन्द्र भारती

बुजुर्ग ढलती साझें है।ढलती साझें आज नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। वृद्धों को आश्रमों में भेजा जा रहा है।बुजुर्ग किसी दूसरे द्वारा नहीं बल्कि अपने ही बेटों के कारण उपेक्षित हैं शायद यह उनका दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि जिन बच्चों के लिए अपना पेट काटकर व भूखे रहकर उनका पालन पोषण किया आज वही बेटे उन्हे दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। बुजुर्गों का तिरस्कार,एक खौफनाक त्रासदी है।आज देश में बुजुर्गों की जो हालत हो रही है उसके मामले समय-समय पर उजागर होते रहते है।कहते है बुजुर्ग अनुभवों की खान होते हैं।बुजुर्ग वटवृक्ष के सामान होते हैं जिनकी शीतल छाया में बच्चे सुरक्षित रहते है मगर आज अपने ही वृक्ष को काटने पर उतारु हो गए हैं। देश में आज लाखों वृद्ध लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हैं तथा दुसरों पर मोहताज हैं।बुजुर्गो ने पाई-पाई जोड़कर जिन बच्चों को मंहगी व उच्च तालिम देकर पैरों पर खडा. किया आज उन्ही के सामने दो जून की रोटी के लिए गिड़गडा रहे है।मां-बाप का कर्ज आज तक कोई नहीं चुका पाया है। बुजुर्गों ने अपनी खुशियों का गला घोंटकर अपने बच्चों को हर खुशी प्रदान की मगर आज वही चिराग माता -पिता के दुश्मन बन गए हैं बुजुर्ग परिवार का स्तम्भ होते हैं। आज देश में बुजुर्ग लोग तिरस्कृत जीवन जीने को मजबूर हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वृद्धों के भरण-पोषण के लिए कानून बनाए हैं मगर वे फाईलो की धूल चाट रहे हैं नजीजन लोग कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। आधुनिक युग की तथाकथित बहुएं व कलयुगी बेटे बुजुर्गों से बुरा व्यवहार कर रहे हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1794 अमेरिकी नौसेना अस्तित्व में आई. 1802 ब्रिटेन,फ्रांस,स्पेन और बारबियन गणराज्य के बीच हुई संधि के तहत ब्रिटेन ने त्रिनिदाद और श्रीलंका पर अपना कब्जा बरकरार रखा. 1847 मेक्सिको और अमेरिका के बीच हुए युद्ध में अमेरिकी सैनिकों ने वेरा क्रूज किले की नाकाबंदी की. 1884 अमेरिका में बेल टेलीफोन कंपनी बोस्टन से न्यूयार्क सिटी के बीच टेलीफोन संपर्क पहली बार हुआ. 1925 ग्रेट ब्रिटेन के शासक जेम्स प्रथम का निधन . 1923 थर्मस फ्लास्क आविष्कारक स्काटिश वैज्ञानिक जेम्स डेवार का निधन. 1933 जापान ने लीग ऑफ नेशंस छोड़ने की घोषणा की थी. 1941 द्वितीय विश्व युद्ध में यूगोस्लाविया के प्रिंस पॉल को सैनिक क्रांति से हटा दिया गया. 1968 विश्व के प्रथम अंतरिक्ष यात्री यूरी गगारिन की मौत एक विमान दुर्घटना में हुई.

दैनिक पंचांग

27 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

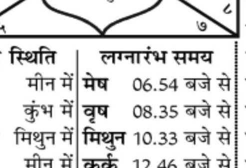

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.54 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृष	08.35 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.33 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.46 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	15.02 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.14 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.25 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.40 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.56 बजे से
राहुकाल		मकर	02.01 बजे से
1.30 से 3.00 बजे तक		कुंभ	03.47 बजे से
		मीन	05.20 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 86 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 23.04 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 00.34 बजे रात्र को समाप्त। **योग** साध्य 09.25 बजे को समाप्त। **करण** गर 12.28 बजे तदनन्तर वणिज 23.04 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 02° 36' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872296 **जूलियन दिन** 2460761.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 26 **विशेष** प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नौकरी के साथ करें ये काम, 1 घंटे में होगी अच्छी कमाई

पैसे की जरूरत सभी को होती हैं। ऐसे में कई बार सैलरी के बाद भी हमें एक्स्ट्रा पैसों चाहिए होते हैं। हालांकि आप चाहे तो पार्ट टाइम काम करके भी काफी पैसे कमा सकती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप 1 घंटे पार्ट टाइम काम करके महीने के हजारों रुपये कमा सकती हैं।

कंटेंट राइटर

कंटेंट राइटर की जरूरत सभी कंपनी को होती है। ऐसे में आप चाहे तो डेली का एक घंटा कंटेंट राइटर के तौर पर नौकरी कर सकती हैं। हिंदी या अंग्रेजी किसी भी भाषा में आप कंटेंट लिखकर पोस्ट कर सकती हैं। एक लेख के लिए आप चाहे तो हजारों रुपये चार्ज कर सकती हैं।

वीडियो एडिटिंग

वीडियो एडिटिंग का भी आप काम कर सकती हैं। अगर आपको वीडियो एडिटिंग का काम आता है तो किसी भी कंपनी के लिए या इंफ्लूएंसर के लिए आप वीडियो एडिटिंग का काम कर सकती हैं। वीडियो एडिटिंग के जरिए आप किसी एक वीडियो के लिए हजारों रुपये चार्ज कर सकती हैं।

कोचिंग क्लास

अगर आपका किसी भी विषय में अच्छी पकड़ है तो आपको उस विषय का बच्चों को कोचिंग क्लास देना चाहिए। इसके जरिए भी आप चाहे तो काफी अच्छी कमाई कर सकती हैं। एक घंटे की कोचिंग क्लास में आप चाहे तो 10 से 12 बच्चों को एक साथ ऑनलाइन क्लास दे सकती हैं। अगर आप प्रति स्टूडेंट 2 हजार भी चार्ज करती हैं तो आप काफी पैसे कमा सकती हैं।

ट्विटर अकाउंट करें मैनेज

किसी सेलिब्रिटी का आप ट्विटर अकाउंट भी मैनेज करके हजारों रुपये कमा सकती हैं। आपको केवल उनके तरफ से खास और इंटरेस्टिंग पोस्ट करना होगा। इस काम को करने के लिए आपको केवल 1 घंटे का समय चाहिए। इसके बदले आप हजारों रुपये की कमाई कर सकती हैं।

शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट कर कमा सकते हैं पैसिव इनकम

नौकरी करते समय भी सैलरी से ज्यादा पैसे कमाने के कई तरीके हैं, एंजेल इन्वेस्टमेंट और शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करके पैसिव इनकम कमा सकते हैं।

आज के दौर में, महंगाई बढ़ रही है और खर्च भी बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में केवल सैलरी पर निर्भर रहना मुश्किल हो सकता है। इसलिए, एक्स्ट्रा इनकम के स्रोत ढूंढना बेहतर विकल्प हो सकता है। इसके साथ ही आपके एंप्लॉयर को भी कोई ऐतराज नहीं होगा। अपनी स्किल्स और अनुभव का इस्तेमाल करके ऑनलाइन या ऑफलाइन फ्रीलांसिंग काम कर सकते हैं। नौकरी करते समय भी सैलरी से ज्यादा पैसे कमाने के कई तरीके हैं, इनमें से कुछ तरीके ये हैं
ब्लॉगिंग, सोशल मीडिया पर पेड प्रमोशन, स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग, फ्रीलांसिंग, लेखन, वीडियो अपलोड करना, ईमेल मार्केटिंग, एफिलिएट मार्केटिंग एंजेल इन्वेस्टमेंट, दोस्तों-रिश्तेदारों को लोन देना, म्यूचुअल फंड, ज्योतिष या टैरो परामर्श देना, डिजिटल पाठ्यक्रम या ई-किताबें बनाना और बेचना वर्चुअल ट्यूशन या कोचिंग सत्र आयोजित करना, ऑनलाइन सर्वेक्षणों में हिस्सा लेना, स्टॉक फ़ोटोग्राफ़ी या वीडियो बनाना और बेचना, पॉडकास्ट लॉन्च करना और वेबसाइट डोमेन नाम खरीदना और बेचना।
इनके अलावा, आप ये काम भी कर सकते हैं

- ऑनलाइन पढ़ाना
- वेब डिज़ाइन
- वीडियो एडिटिंग
- ऑनलाइन सर्वेक्षणों में हिस्सा लेना
- फ़ोकस समूहों में शामिल होना
- टेम्पलेट और प्रीसेट जैसे डिजिटल उत्पाद बनाना और बेचना
- ई-किताबें लिखना और उन्हें अमेजन किंडल पर बेचना

दोस्त या रिश्तेदार को लोन देकर ज्यादा ब्याज कैसे कमाएं?

एफडी में निवेश करने पर आपको 7-8 फीसदी से ज्यादा ब्याज नहीं मिलता है, जबकि लोन पर आप 10-11 फीसदी ब्याज वसूल सकते हैं। लोन की रकम, ब्याज दर, चुकौती की अवधि और शर्तों आदि का उल्लेख करते हुए एक लिखित समझौता जरूर करें। यह समझौता दोनों पक्षों के हितों की रक्षा करेगा और किसी भी विवाद से बचाएगा। ब्याज दर तय करते समय बाजार की ब्याज दरों का ध्यान रखें। बहुत ज्यादा ब्याज दर लगाने से आपका रिश्ता खराब हो सकता है। अगर आप बड़ी रकम उधार दे रहे हैं, तो कानूनी सलाह लेना भी उचित होगा।

एंजेल इन्वेस्टमेंट हो सकता है बेहतर ऑप्शन

एंजेल इन्वेस्टमेंट, किसी व्यक्ति द्वारा किसी कंपनी में निवेश करने की प्रक्रिया है। आम तौर पर, यह निवेश किसी स्टार्टअप कंपनी में होता है जो विकास के शुरुआती चरण में होती है। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी में इक्विटी के बदले में निवेश करते हैं। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी की संपत्ति पर कोई दावा नहीं करते और इसलिए, उनकी पूंजी असुरक्षित होती है। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी को सफल होने में मदद करने के लिए सलाह या प्रत्यक्ष प्रबंधन सहायता भी देते हैं। इन सबके साथ पैसे के लेन-देन को अपने रिश्ते से अलग रखें।

एंजेल नेटवर्क क्या करता है?

एंजेल नेटवर्क, कई एंजेल निवेशकों का एक समूह होता है। यह पूंजी निवेश से आगे निकलकर, स्टार्टअप्स को उद्योग विशेषज्ञता, सलाह, और मार्गदर्शन भी देता है। इससे स्टार्टअप्स को चुनौतियों से निपटने और सूचित फैसले लेने में मदद मिलती है। एंजेल नेटवर्क से फंडिंग पाने से स्टार्टअप की विश्वसनीयता बढ़ जाती है। इससे स्टार्टअप के लिए बाद के चरण में निवेश आकर्षित करना आसान हो जाता है। एंजेल नेटवर्क, नेटवर्किंग के अवसरों को सुविधाजनक बनाते हैं और स्थानीय स्टार्टअप सिस्टम में योगदान करते हैं। शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करके पैसिव इनकम कमाने के ये मुख्य तरीके हैं -

- डिविडेंड पाना
- पोर्टफोलियो के स्टॉक पर लाभांश या बॉन्ड के ब्याज से कमाई
- वितरित सेक्युरिटीज़ को लाभ पर बेच कर पूंजीगत लाभ

शेयर बाजार में इन्वेस्ट करने के लिए, सही समय पर बाजार में प्रवेश करना जरूरी है। सबसे कम कीमत पर शेयर खरीदने से संभावित लाभ बढ़ता है। वहीं, जब शेयर की कीमत सबसे ज्यादा हो, तब उसे बेचना फायदेमंद होता है। कुछ कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड के रूप में लाभांश का भुगतान करती हैं। डिविडेंड एक निश्चित राशि या कंपनी के मुनाफे का एक प्रतिशत हो सकता है।
म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करने के लिए, 500 या 1,000 रुपये की SIP से शुरुआत की जा सकती है। इसमें साप्ताहिक, मंथली, तिमाही, या सालाना आधार पर SIP के विकल्प मिलते हैं। इसके साथ ही डायरेक्ट प्लान के तहत, सीधे म्यूचुअल फंड की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन निवेश किया जा सकता है। एडवाइजर, ब्रोकर या डिस्ट्रीब्यूटर के जरिए भी पैसा लगाया जा सकता है। डायरेक्ट निवेश में फंड हाउस को कम चार्ज देना होता है। म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टमेंट से होने वाली कमाई, पोर्टफोलियो के स्टॉक पर लाभांश या बॉन्ड के ब्याज से होती है।

कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत बेहतर विकल्प है फ्रीलांसिंग

देखा जाए तो फ्रीलांसिंग कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत एक बेहतर विकल्प है। इसमें कंपनियों को इंप्लाइज का बोझ नहीं होता और जरूरत के अनुसार वह एम्पलाई (फ्रीलान्सर्स) से काम ले सकते हैं, बिना किसी लायबिलिटी के!

फ्रीलांसिंग की दुनिया भारत में बेशक बहुत समृद्ध ना रही हो, किंतु विश्व भर में इसका बड़ा प्रचलन है। एक से एक बड़ी वेबसाइटें इसका न केवल कारोबार करते हैं, बल्कि बड़ी से बड़ी और छोटी से छोटी कंपनियां फ्रीलांसर्स के माध्यम से अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को अपने टारगेट ऑडियंस तक पहुंचाती रही हैं। देखा जाए तो फ्रीलांसिंग कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत एक बेहतर विकल्प है। इसमें कंपनियों को इंप्लाइज का बोझ नहीं होता और जरूरत के अनुसार वह एम्पलाई (फ्रीलान्सर्स) से काम ले सकते हैं, बिना किसी लायबिलिटी के! वहीं इंप्लाइज को भी इससे काफी फायदा होता है, क्योंकि एक फ्रीलांसर के तौर पर उनके पास आजादी होती है तो घर बैठे कार्य करने की सहूलियत भी उन्हें मिल पाती है। वह किसी एक कंपनी से बंधे नहीं रहते हैं, बल्कि अपॉर्चुनिटी के आधार पर और अपनी योग्यता के आधार पर ना केवल वह कार्य कर सकते हैं बल्कि उसी अनुरूप वह पेमेंट ले सकते हैं, और अपनी ग्रोथ सुनिश्चित कर सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति के पास ऑप्शन होता है तो वह निश्चित ही घर से कार्य करना चाहेगा। वह निश्चित ही फ्रीलांसिंग करना चाहेगा और ऐसा उसे करना भी चाहिए, क्योंकि ट्रेवल करते समय, ऑफिस जाते समय उसे कहीं ज्यादा खतरा होगा, बजाय घर बैठे फ्रीलांसिंग करने के!

पोर्टफोलियो बनाना आवश्यक

फ्रीलांसिंग की दुनिया अनुभव के आधार पर चलती है। इसमें अनजान लोग आपको मिलते हैं और उन्हीं के माध्यम से आप अपने कार्य को आगे बढ़ाते हैं। ऐसे में अगर आपके पास पहले से पोर्टफोलियो तैयार ना हो, बेशक आप उस कार्य में जितने भी पारंगत क्यों ना हों, तो आपके लिए कार्य प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए अपने पोर्टफोलियो पर ज्यादा ध्यान दें। शुरुआत में बेशक आपको किसी वेबसाइट पर कम पैसे मिले, लेकिन पोर्टफोलियो बन जाने और कस्टमर रिव्यु मिलने के बाद आप मनचाहे रेट पर कार्य कर सकते हैं।

टाइमली डिलीवरी पर रहे ध्यान

ऑनलाइन फ्रीलांसिंग कार्य करने वालों से जो सबसे ज्यादा उम्मीद की जाती है, वह है किसी कार्य की टाइमली डिलीवरी! जी हाँ! अगर आप तय समय पर किसी चीज को डिलीवर करने का वादा करते हैं, बेशक वह कोई पोस्टर हो, कोई वेब डिजाइनिंग हो, कोई मोबाइल एप्लीकेशन हो या कोई आर्टिकल ही क्यों न हो, तो आपको निश्चित समय पर उसकी डिलीवरी सुनिश्चित करनी चाहिए। इसी प्रकार पैसे इत्यादि की शर्तें बेहद साफ होनी चाहिए, क्योंकि अगर कहीं कोई कस्टमर शिकायत करता है या गलत रिव्यु लिखता है तो संबंधित वेबसाइट पर आपकी प्रोफाइल के खराब होने का डर रहता है। खासकर जब एक से अधिक बार कस्टमर रिव्यु खराब मिलने पर नए कस्टमर आपसे जुड़ने से बचने लगेंगे, जो किसी भी फ्रीलांसर के लिए घातक होता है।

इंटरनेशनल मार्किट के लिए अंग्रेजी सीखें

यह कोई अनिवार्यता नहीं है, किंतु अगर आप लगातार इंग्लिश सीखते रहते हैं तो आपको बाकी दुनिया से कनेक्टिविटी बनाने में आसानी रहती है। बल्कि कई फ्रीलांसिंग वेबसाइट तो इसी आधार पर आपको कार्य देती हैं कि आपकी अंग्रेजी का ज्ञान बेहतर है। अगर अंग्रेजी पढ़ने, लिखने और बोलने में आप सिद्धस्त हैं तो आप आसानी से क्लाइंट की बातों को न केवल समझ पाएंगे बल्कि कम्युनिकेशन के माध्यम से उसे प्रभावित भी कर सकेंगे। ऐसे में बेशक अभी आपकी अंग्रेजी बेहतर ना हो, लेकिन अगर आप फ्रीलांसिंग वर्ल्ड में गंभीरता से अपना कैरियर बनाना चाहते हैं, तो अंग्रेजी बेहतर करने की ओर आपका ध्यान लगातार बने रहना चाहिए।

फाइनेंस मैनेजमेंट से जुड़े क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

आज के समय में हर छोटी से लेकर बड़ी कंपनियों को अपने पैसे का प्रबंधन बेहद सावधानी से करना पड़ता है। उन्हें मनी मैनेजमेंट कुछ इस तरह करना होता है, ताकि वह अपने लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकें और लाभ भी कमा सकें। इस लक्ष्यों को पूरा करने व वित्त संबंधी योजनाओं को बनाने के लिए उन्हें एक एक्सपर्ट की जरूरत होती है। यही कारण है कि पिछले कुछ समय में फाइनेंशल एक्सपर्ट्स की डिमांड काफी बढ़ी है। अगर आपको लगता है कि आप पैसे का प्रबंधन बेहद ही कुशलतापूर्वक कर सकते हैं तो इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कैसे बनें एक फाइनेंशियल एक्सपर्ट-

क्या होता है काम

एक फाइनेंशियल एक्सपर्ट का मुख्य काम कंपनी की लागत में कटौती करके उनके लाभ को अधिकतम करना होता है। वे कंपनी की पॉलिसी और उनके लक्ष्यों के आधार पर आय और व्यय की योजनाएं बनाते हैं। ये वास्तव में एक फाइनेंशियल डॉक्टर होते हैं, जो किसी व्यक्ति या संगठन के फाइनेंशियल हेल्थ की देखभाल करने के लिए जिम्मेदार हैं, वित्तीय लक्ष्यों की क्रमबद्ध और व्यवस्थित उपलब्धि सुनिश्चित करते हैं। वित्तीय रिपोर्ट तैयार करना, निवेश गतिविधियों का मार्गदर्शन और समग्र धन प्रबंधन एक वित्तीय प्रबंधक के प्रमुख कर्तव्य हैं। वे वित्तीय रणनीतियों को विकसित करके अपने स्थायी लक्ष्यों को प्राप्त करने में संगठन की मदद करते हैं। अगर किसी कंपनी का वित्तीय प्रबंधन बेहतर होता है तो मुश्किल हालातों में भी कंपनी का अस्तित्व संकट में नहीं आता।
एजुकेशन एक्सपर्ट्स कहते हैं कि फाइनेंस मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के पास वित्तीय विश्लेषण व रचनात्मक सोच का होना बेहद जरूरी है। इसके अलावा उनके पास अच्छा संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स होना चाहिए। इतना ही नहीं, उन्हें वर्तमान वैश्विक-राष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य के बारे में ज्ञान को हमेशा अपडेट करते रहना चाहिए। साथ ही अच्छे गणितीय और विश्लेषणात्मक कौशल, नवीनतम कंप्यूटर प्रौद्योगिकी का ज्ञान, समस्या-समाधान, निर्णय लेने और संगठन कौशल उनके काम को काफी आसान बनाता है। चूंकि वित्तीय प्रबंधकों को एक फर्म में विभिन्न विभागों के साथ बड़े पैमाने पर काम करना पड़ता है, इसलिए व्यवसाय की व्यापक समझ आवश्यक है। किसी भी विदेशी भाषा में प्रवीणता इस पेशे में एक अतिरिक्त लाभ है।

योग्यता

भारत के अधिकांश बिजनेस स्कूल में एमबीए की पढ़ाई के दौरान फाइनेंस को अलग से पढ़ाया जाता है। इस प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए छात्र का ग्रेजुएट होना जरूरी है। एमबीए के अलावा आप इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, ग्रेजुएट व पोस्टग्रेजुएट कोर्स करके भी बतौर प्रोफेशनल काम कर सकते हैं। फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित पाठ्यक्रमों में से कुछ चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिसिस (सीएफए), चार्टर्ड अकाउंटेंसी, कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी, सर्टिफाइड ट्रेजरी मैनेजर कोर्स, सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट कोर्स, सर्टिफाइड इन्वेस्टमेंट बैंकर कोर्स, सर्टिफाइड रिस्क एंड इंश्योरेंस मैनेजमेंट कोर्स आदि हैं। इन कोर्स को ज्वॉइन करने के लिए कामर्स या इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन होना अनिवार्य है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। सरकारी एजेंसियां, निजी कॉर्पोरेट और वित्तीय संगठन जैसे बैंक और बीमा उद्योग आदि अपने प्रतिष्ठानों में वित्तीय प्रबंधकों को नियुक्त करते हैं। यहां तक कि दान संगठनों जैसे गैर-लाभकारी संगठनों को भी एक वित्त प्रबंधकों की आवश्यकता होती है। हालांकि वित्त में एक संभावित उम्मीदवार से यह उम्मीद की जाती है कि वह किसी बड़े कॉर्पोरेट में जाने से पहले किसी भी छोटे संगठनों में कुछ पेशेवर अनुभव हासिल करे। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आप सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी जॉब की तलाश कर सकते हैं।
कॅरियर कोच कहते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके कार्य कौशल और अनुभव के आधार पर बढ़ती जाती है। एमबीए करने के पश्चात एक फ्रेशर 10000 से 30000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी 50000 रूपए से लेकर लाखों रूपए प्रतिमाह तक हो सकती है। वहीं एक इंडिपेंडेंट फाइनेंशियल प्लानर घंटों के हिसाब से कंसल्टेंशन चार्ज लेते हैं।

1 पर आ गया था 261 वाला रिलायंस पावर का शेयर

अब लगातार खरीदने की लूट

पूरी तरह कर्ज फ्री है कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की रिलायंस पावर के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयरों में आज बुधवार को जबरदस्त तेजी देखी गई। पावर कंपनी के इस शेयर में आज 11 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। इसी के साथ यह शेयर 41.40 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया था।

इसका पिछला बंद प्राइस 37.23 रुपये है। बता दें कि शेयर में यह उछाल तब आया जब आज भारतीय शेयर बाजार में सुस्ती छाई रही। बीएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, रिलायंस पावर के शेयरों की कुल ट्रेडिंग वॉल्यूम 53.38 लाख रही, जबकि दो सप्ताह का औसत 42.95 लाख शेयर रहा।

कंपनी के शेयरों के हाल- रिलायंस पावर शेयर आज 37.14 प्रति शेयर पर खुला था, जो पिछले बंद भाव 37.23 से काफी हद तक अपरिवर्तित है। हालांकि, शेयर ने जल्द ही बढ़त हासिल करते हुए 11 प्रतिशत की बढ़त के साथ दिन के उच्चतम स्तर 41.40 प्रति शेयर पर पहुंच गया। इस तेजी के बावजूद, एडीएजी समूह का शेयर पिछले साल अक्टूबर में अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 54.25 से 24 प्रतिशत नीचे बना हुआ है। इस बीच, यह अपने 52-सप्ताह के लो 23.26 से लगभग दोगुना हो गया है। मार्च के महीने में अब तक शेयर में 24 प्रतिशत की तेजी आई है। पांच साल में यह शेयर 3400 प्रतिशत तक चढ़ गया। इस दौरान इसकी कीमत 1 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई। हालांकि, लंबी अवधि में इसने तगड़ा नुकसान भी कराया है। 16 मई 2008 को इसकी कीमत 261 रुपये थी।

दिसंबर तिमाही के नतीजे

रिलायंस पावर ने दिसंबर 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों में तेज बदलाव दर्ज किया, जिससे शेयर में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी। इसने एक साल पहले की अवधि में 1,136.75 करोड़ के घाटे के मुकाबले अधिक आय के दम पर 41.95 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया। उक्त तिमाही के लिए इसकी आय एक साल पहले के 1,998.79 करोड़ से बढ़कर 2,159.44 करोड़ हो गई।दिसंबर 2024 तिमाही में खर्च भी घटकर 3,167.49 करोड़ से 2,109.56 करोड़ रह गया। एक बयान में कंपनी ने कहा कि उसने शून्य बैंक ऋण की स्थिति हासिल कर ली है, जिसका अर्थ है कि उस पर किसी भी बैंक - निजी या सार्वजनिक - का कोई बकाया नहीं है।

भारतीयों ने ग्राहक सेवा शिकायत में बिता दिए 15 अरब घंटे

नईदिल्ली, एजेंसी। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) एजेंट और चैटबॉट तेजी से ग्राहक सेवा का हिस्सा बनते जा रहे हैं। इसके बावजूद ग्राहक सेवा के लिए प्रतीक्षा समय में खास कमी नहीं आई है। आलम यह है कि भारतीय उपभोक्ताओं ने 2024 में ग्राहक सेवा शिकायत दर्ज करने के लिए 15 अरब घंटे से अधिक का समय इंतजार में बिताया। सर्विसनाउ की ग्राहक अनुभव रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, 80 फीसदी भारतीय उपभोक्ता अब शिकायत के लिए एआई चैटबॉट पर निर्भर हैं। हालात कुछसुधरी है, लेकिन ग्राहक अपेक्षाओं और सेवा वितरण के बीच अब भी काफी अंतर है। शिकायत प्रक्रिया जटिल बना रहीं कंपनियां रिपोर्ट के मुताबिक, 39 फीसदी उपभोक्ताओं का कहना है कि जब वे ग्राहक सेवा में शिकायत करते हैं, तो उनकी कॉल को होल्ड पर रखा जाता है। 36 फीसदी उपभोक्ताओं के कॉल को

बार-बार ट्रांसफर किया जाता है। 34 फीसदी का मानना है कि कंपनियां जानबूझकर शिकायत करने की प्रक्रिया को जटिल बनाती हैं। यह रिपोर्ट 5,000 भारतीय उपभोक्ताओं और 204 ग्राहक सेवा एजेंट के सर्वेक्षण पर आधारित है।

एआईपर लगातार बढ़ रहा भरोसा- खाने के निर्णय को भी प्रभावित कर रहा एआई रिपोर्ट में कहा गया है कि एआईअब भारतीय उपभोक्ताओं की रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन गया है ।यह लोगों के खाने-पीने के निर्णयों को भी तेजी से प्रभावित कर रहा है ।रिपोर्ट के मुताबिक, 82 फीसदी भारतीय खाने-पीने के सुझावों के लिएएआई पर भरोसा करते हैं।

निवेश और खरीदारी के लिएभी अब इस्तेमाल- भारतीय उपभोक्ता न सिर्फ खाने-पीने बल्कि निवेश के लिएभी एआई की सलाह ले रहे हैं ।78 फीसदी उपभोक्ता निवेश विकल्पों के लिए एआई चैटबॉट्स की मदद ले रहे हैं। यह बदलाव बिजनेस के लिए बड़ा अवसर है ।84 फीसदी उपभोक्ता खरीदारी के लिए भी एआई पर निर्भर हैं।

भारत की जीडीपी इसी वित्तीय वर्ष में जापान से आगे निकलने को तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही तक जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने यह दावा किया है।

देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पिछले

दशक में दोगुने से भी अधिक हो गया है, जो 2015 में 2.1 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2025 में अनुमानतः 4.3 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा। आईएमएफ के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत, जो वर्तमान में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जापान के करीब पहुंच रहा है, जिसका जीडीपी 4.4 ट्रिलियन डॉलर है। पिछले दस सालों में भारत की अर्थव्यवस्था में 105 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि जापान की जीडीपी स्थिर बनी हुई है।

भारत का पहला कदम

ऑनलाइन विज्ञापनों पर अब नहीं लगेगा 6 फीसदी डिजिटल टैक्स

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से बचाव के पहले कदम के तौर पर भारत ने ऑनलाइन विज्ञापनों पर 6 प्रतिशत टैक्स न लगाने का फैसला किया है। आम बोलचाल में गूगल टैक्स कहा जाने वाला यह समानीकरण शुल्क 2016 में इसलिए लागू किया गया था, ताकि विदेशी कंपनियां भारत में होने वाली कमाई पर यहां उचित कर अदा करें। इसे हटाने से गूगल, मेटा और अमेजन जैसी दिग्गज अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों को फायदा होगा। लोकसभा ने मंगलवार को 35 संशोधनों के साथ वित्त विधेयक पारित कर दिया, जिसमें डिजिटल टैक्स हटाने का प्रस्ताव भी शामिल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, विकसित भारत के निर्माण के लिए मजबूत अर्थव्यवस्था जरूरी है। हमारा जोर टैरिफ युक्तीकरण और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने पर है। इसके तहत ही सात वस्तुओं पर सीमा शुल्क दरों में कमी की जा रही है। विधेयक यह सुनिश्चित करता है कि आयात पर या तो उपकर या अधिभार लगेगा, दोनों नहीं।

भारत के लिए सेवा निर्यात में उच्च हिस्सेदारी लाभप्रद : एसएंडपी

रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप की धमकियों से उत्पन्न व्यापार तनाव के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था पर बहुत ज्यादा प्रतिकूल असर पड़ने के आसार नहीं हैं, क्योंकि यह सेवा निर्यात में उच्च हिस्सेदारी रखता है। एसएंडपी के मुताबिक, टैरिफ मुख्यतः वस्तुओं पर लगाए जाते हैं। इसलिए सेवा निर्यात में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी वाली अर्थव्यवस्थाओं पर टैरिफ उपायों का असर कम ही होगा।

कारोबारियों को गेहूं के स्टॉक की हर हफ्ते देनी होगी जानकारी

सरकार ने आधिकारिक बयान जारी किया

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने खाद्य सुरक्षा के प्रबंधन और बाजार में कालाबाजारी को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने एक व्यापक रणनीति के तहत एक अप्रैल से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के व्यापारियों, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करणकर्ताओं के लिए गेहूं के स्टॉक की साप्ताहिक रिपोर्टिंग अनिवार्य कर दी है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, निर्देश के तहत, सभी कानूनी संस्थाओं को अगली सूचना तक हर शुक्रवार को सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर अपने गेहूं स्टॉक की स्थिति घोषित करनी होगी।

वर्तमान में गेहूं की स्टॉक सीमा 31 मार्च को समाप्त हो रही है। खाद्य व सार्वजनिक वितरण विभाग कीमतों को नियंत्रित करने और पूरे देश में गेहूं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खुलासों पर बारीकी से नजर रखेगा। बयान के अनुसार, जो संस्थाएं अभी तक पोर्टल पर पंजीकृत नहीं हुई हैं, उनसे आग्रह किया गया है कि वे तुरंत ऐसा करें और अपनी साप्ताहिक स्टॉक रिपोर्टिंग शुरू करें।

एल एंड टी को मिला अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। इंजीनियरिंग सेक्टर की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो को कतर एनर्जी एलएनजी से एक बहुत बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिला है। इसे कंपनी के इतिहास का सबसे बड़ा कॉन्ट्रैक्ट माना जा रहा है। कंपनी को यह कॉन्ट्रैक्ट ऑफशोर हाइड्रोकार्बन बिजनस के लिए मिला है। कंपनी ने इसकी की कीमत नहीं बताई है लेकिन इसे अल्ट्रा मेगा बताया है

इस प्रोजेक्ट में दो बड़े ऑफशोयर कंप्रेशन कॉम्पलेक्सेज बनाए जाने हैं। इसमें डिजाइन बनाना, सामान खरीदना, निर्माण करना, उन्हें इंस्टॉल और सेट अप करना शामिल है। हर कॉम्प्लेक्स में ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स होंगे। इन प्लेटफॉर्म्स पर कंप्रेशन और पावर की फैसिलटीज होंगी। साथ ही स्टाफ के रहने के लिए क्वार्टर, फ्लेयर प्लेटफॉर्म्स, कनेक्टिंग ब्रिज और दूसरे स्ट्रक्चर्स भी होंगे। ये सभी कतर के नॉर्थईस्ट कोस्ट से लगभग 80 किमी दूर होंगे।

शेयरों में तेजी

इस खबर के बाद एल एंड टी के शेयरों में तेजी आई। बीएसई सेंसेक्स पर कंपनी का शेयर 0.5 प्रतिशत से अधिक तेजी के साथ 3495.70 रुपये तक गया जबकि इस दौरान सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत नीचे था। कंपनी के सीएमडी एस.एन. सुब्रमण्यन ने कहा कि अल्ट्रा मेगा ऑफशोर कॉन्ट्रैक्ट मिलना हमारे इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह प्रोजेक्ट हमारे ग्लोबल एनर्जी पोर्टफोलियो को मजबूत करता है। साथ ही कतर की ऊर्जा सुरक्षा के लक्ष्यों को भी पूरा करता है।

14.45 करोड़ लोगों के लिए अच्छी खबर

आयुष्मान पैनल के अस्पतालों में मिलेगा इलाज

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक और स्वास्थ्य सेवा का विस्तार करने जा रहा है। इसके तहत अप्रैल के अंत तक राज्य कर्मचारी बीमा निगम से जुड़े सदस्यों और उनके परिवारजनों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पैनल में शामिल अस्पतालों में भी इलाज की सुविधा मिल सकेगी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इससे 14.45 करोड़ लोगों को फायदा पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि इस दिशा में मंत्रालय स्तर से काम शुरू हो गया है। सभी जरूरी स्वीकृति प्रदान की जा चुकी हैं। हम सिर्फ आयुष्मान योजना से जुड़े पैनल में शामिल अस्पतालों के नेटवर्क का इस्तेमाल करेंगे। बाकी पूरा इलाज खर्च ईएसआईसी द्वारा ही उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना के तहत इलाज खर्च पर पांच लाख तक की सीमा निर्धारित है लेकिन ईएसआईसी के सदस्य और उनके परिजनों के इलाज पर यह सीमा लागू नहीं होगी।

- **उत्तर प्रदेश के 15 जिले के श्रमिक जुड़ सकेंगे ईएसआईसी से-** श्रम मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के 15 और जिलों के श्रमिकों को ईएसआईसी का सदस्य बनने के लिए अधिसूचित किया है। अब बांदा को छोड़कर यूपी के 75 में 74 जिले अधिसूचित हो गए हैं। मंत्रालय के इस फैसले से 15 जिलों के 53 हजार श्रमिक लाभांवित होंगे। परिवार के सदस्यों को जोड़कर देखा जाए तो यह संख्या ढ़ाई लाख से अधिक होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब तक इन 15 जिलों के श्रमिक ईएसआईसी के सदस्य नहीं बन सकते थे। देशभर के लिहाज से बात करें तो अब भी 89 जिले अधिसूचित होने से बचे हैं, जिन्हें एक वर्ष के अंदर अधिसूचित कर दिया जाएगा।

इस तरह पहुंचेगा लाभ

उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा का विस्तार किए जाने से संगठित क्षेत्र के श्रमिकों को व्यापक लाभ मिलने की उम्मीद है। देश के काफी हिस्सों में ईएसआईसी के अस्पताल नहीं है। अगर अस्पताल हैं तो उनमें कई तरह की बीमारियों से जुड़े इलाज की सुविधा नहीं है या फिर अस्पताल में सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन श्रमिकों को ईएसआईसी का अस्पताल अपने घर से दूर पड़ता है तो ऐसी किसी भी स्थिति में श्रमिक आयुष्मान योजना के पैनल में शामिल अस्पताल में अपना इलाज करा सकेगा।

14.45 करोड़ लोग लाभांवित होंगे- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान में 3.72 करोड़ ईएसआईसी से जुड़े सदस्य हैं। मौजूदा प्रावधानों के हिसाब से एक सदस्य के परिवार में 3.88 सदस्य माने जाते हैं। इस हिसाब से देखा जाए तो कुल सदस्यों और उनके परिजनों को जोड़कर यह संख्या 14.45 करोड़ बैठती है, जिन्हें व्यापाक चिकित्सा सेवा का लाभ मिलेगा।

सिर्फ 4,000 रुपये की पूंजी से शुरू किया काम

अब बंपर कमाई, लोगों ने कहा- कमाल कर दिया!

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजरात के तापी जिले की सुनीता चौधरी ने नैचुरल फॉर्मिंग में कमाल कर दिया है। उन्होंने काले चावल की खेती में सिर्फ 4,000 रुपये का निवेश किया और 650 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। सुनीता ने अब तब 3,000 से ज्यादा किसानों को ट्रेनिंग दी है। वह आदिवासी महिलाओं को सशक्त बना रही हैं। साथ ही, वर्कशॉप और सामुदायिक पहलों के जरिये टिकाऊ खेती को बढ़ावा दे रही हैं। उन्होंने 2013 में द आर्ट ऑफ लिविंग के यूथ लीडरशिप प्रोग्राम से प्रेरणा ली। इसके बाद उन्होंने प्राकृतिक खेती को अपनाया। आइए, यहां सुनीता चौधरी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

4,000 रुपये की पूंजी से शुरू किया काम

सुनीता चौधरी गुजरात के तापी जिले के कंजोद गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने सिर्फ 4,000 रुपये के निवेश से अपनी यात्रा शुरू की। उनका लक्ष्य था कि वह टिकाऊ आजीविका बनाएंगी। उन्होंने मशीनों या रसायनों पर निर्भर रहने के बजाय पारंपरिक ज्ञान और प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाया। धैर्य और कड़ी मेहनत से उन्होंने न केवल अपना जीवन बदला, बल्कि पूरे समुदाय को प्रेरित किया और ऊपर उठाया। सुनीता चौधरी ने 2013 में द आर्ट ऑफ लिविंग के यूथ लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा लिया। इस अनुभव ने खेती के प्रति उनकी सोच को बदल दिया। उन्होंने खेती को सिर्फ आजीविका का साधन के बजाय एक पवित्र काम माना। उन्होंने जमीन को मंदिर के रूप में देखा, जो देखभाल और सम्मान के लायक है। इस सोच के साथ उन्होंने प्राकृतिक खेती तकनीकों को अपनाया।

650 प्रतिशत का मुनाफा कमाया

सुनीता के तरीके सरल, लेकिन क्रांतिकारी थे। उन्होंने मिश्रित फसल को अपनाया। इससे उनकी उपज में विविधता आई। उन्होंने मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए मल्चिंग का इस्तेमाल किया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने जीवामृत जैसे बायो-इनपुट का इस्तेमाल किया। जीवामृत गाय के गोबर और मूत्र से बना शक्तिशाली बायो-फर्टिलाइजर है। इन किफायती और टिकाऊ तकनीकों ने उनकी जमीन को फिर से जीवंत कर दिया। इससे एक ऐसा ईकोसिस्टम बना, जहां पौधे स्वाभाविक रूप से पनपे। सुनीता को शुरुआती सफलता तब मिली जब उन्होंने सिर्फ आधा एकड़ जमीन पर 150 किलो काला चावल उगाया। उन्होंने कम निवेश में चावल को 300 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेचा। इससे उन्हें 650 प्रतिशत का मुनाफा हुआ। उनकी सफलता की खबर फैल गई। खरीदार 200 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करके सीधे उनके खेतों से उपज खरीदने आने लगे।

इंदिरा आईवीएफ ने आईपीओ ड्राफ्ट को लिया वापस, वीवर्क इंडिया को भी मंजूरी नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। फर्टिलिटी क्लिनिक चेन इंदिरा आईवीएफ हॉस्पिटल ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए दस्तावेजों का ड्राफ्ट वापस ले लिया है। कंपनी ने ये दस्तावेज गोपनीय तरीके से दाखिल किए थे। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के मंगलवार को एक अपडेट से यह जानकारी मिली है। बता दें कि कंपनी के शुरुआती आईपीओ दस्तावेज सेबी को 13 फरवरी को प्राप्त हुए थे। हालांकि, कंपनी द्वारा किसी कारण का खुलासा किए बगैर 19 मार्च, 2025 को इन्हें वापस ले लिया गया।

फिजिक्सवाला का भी आ रहा आईपीओ

पिछले सप्ताह फिजिक्सवाला ने भी अपने आईपीओ के लिए गोपनीय मार्ग से ड्राफ्ट दाखिल किए थे। वर्ष 2024 में फूड डिलीवर करने वाली कंपनी स्विगी और सुपरमार्ट प्रमुख विशाल मेगा मार्ट ने गोपनीय रूप से ड्राफ्ट दाखिल करने के बाद अपने आईपीओ को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इससे पहले ऑनलाइन होटल एग्रीगेटर 'ओयो' ने वर्ष 2023 में गोपनीय मार्ग से ड्राफ्ट दाखिल करने का मार्ग चुना था।

वीवर्क इंडिया मैनेजमेंट आईपीओ

सेबी की ओर से वीवर्क इंडिया मैनेजमेंट के ड्राफ्ट आईपीओ दस्तावेज पर टिप्पणियां जारी करने को स्थगित रखा गया है। एम्बेसी ग्रुप द्वारा प्रवर्तित प्रीमियम फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस ऑपरेटर वीवर्क इंडिया मैनेजमेंट ने आईपीओ के माध्यम से फंड जुटाने के लिए 31 जनवरी को पूंजी बाजार नियामक के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया था। आईपीओ में प्रमोटर एम्बेसी बिल्डकॉन एलएलपी और निवेशक 1 एरियल वे टेनेंट द्वारा 4.37 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल थी।

नीशम के 5 विकेट के बाद सीफर्ट की विस्फोटक पारी, न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को हराया

वेलिंग्टन, एजेंसी। जेम्स नीशम (पांच विकेट) और जैकब डफी (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद टिम सीफर्ट (नाबाद 97) की विस्फोटक पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने बुधवार को पांचवें और आखिरी टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 10 ओवर शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने पांच मैचों सीरीज भी 4-1 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान के 128 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टिम सीफर्ट 'और फिन एलन की सलामी जोड़ी ने आतिशी बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए पहले विकेट 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में सुफियान मुकीम ने फिन एलन को बोल्ड कर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। फिन एलन ने 12 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (27) रन बनाये। नौवें ओवर में माक 'चैपमैन (तीन) रन बनाकर आउट हुए। उन्हें सुफियान मुकीन ने आउट किया। टिम सीफर्ट ने 38 गेंदों में 10 छक्के और छह चौके लगाते हुए (नाबाद 97) रनों की विस्फोटक पारी खेली। न्यूजीलैंड ने 10 ओवर में दो विकेट पर 131 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। जेम्स नीशम को उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच तथा टिम सीफर्ट 'को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। पाकिस्तान की ओर से सुफियान मुकीम को दो विकेट मिले। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 25 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिए। हसन नवाज (शून्य), उमर युसूफ (सात) और मोहम्मद हरिस (11) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये कप्तान आगा सलमान ने पारी को संभालने का प्रयास किया। इसके बाद उस्मान खान (सात), अब्दुल समद (चार) नीशम ने आउटकर पवेलियन भेज दिया। शादाब खान ने 20 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (28) रनों की पारी खेली।

इतना कौन जीरो पर आउट होता है? न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बना नया पाकिस्तानी रिकॉर्ड

वेलिंग्टन, एजेंसी। एक और मैच, एक और इनिंग और एक और बार जीरो पर आउट. ये कहानी है बाबर आजम की जगह टी20 टीम का हिस्सा बनकर न्यूजीलैंड के दौरे पर गए ओपनर हसन नवाज की, जो कीवी टीम के खिलाफ खेली 5 मैचों की टी20 सीरीज में तीसरी बार जीरो पर आउट हुए है. हसन नवाज ने इस सीरीज से अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की है. मगर अपने इंटरनेशनल करियर की खेली पहली 5 पारियों में 3 बार जीरो पर आउट होकर उन्होंने नया पाकिस्तानी रिकॉर्ड बना दिया है.

हसन नवाज ने बनाया नया पाकिस्तानी रिकॉर्ड

हसन नवाज टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा जीरो पर आउट होने वाले पाकिस्तानी ओपनर बन गए हैं. उनसे पहले ये रिकॉर्ड शाहजायब हसन, मोहम्मद हफीज और मोहम्मद रिजवान के नाम पर था, जो 2-2 बार जीरो पर आउट हुए हैं. हालांकि, उन तीनों ने हसन नवाज की तरह 5 मैचों की टी20 सीरीज नहीं खेली है. शाहजायब हसन 2 मैचों की टी20 सीरीज में 2 बार जीरो पर आउट हुए है. वहीं मोहम्मद हफीज 3 मैचों की टी20 सीरीज में और मोहम्मद रिजवान 4 मैचों की टी20 सीरीज में.

न्यूजीलैंड के खिलाफ कब-कब हुए जीरो पर आउट?

हसन नवाज ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत ही जीरो के साथ की. उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में 2 गेंदों का सामना कर बस जीरो रन बनाए. जैसे उन्होंने सीरीज का आगाज किया, वैसे ही उनके लिए सीरीज का अंत भी हुआ. हसन नवाज न्यूजीलैंड के खिलाफ ञ्20 सीरीज के आखिरी मैच में भी 4 गेंदों पर बिना कोई खाता खोले ही डगआउट लौटे. इन दो जीरो के बीच एक और जीरो उन्हें सीरीज के दूसरे मैच में मिला, जहां वो 3 गेंदें खेलकर कोई रन नहीं बना सके.

शशांक सिंह में आई हार्दिक पांड्या की आत्मा, शतक नहीं पूरा कर पाए श्रेयस

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे श्रेयस अय्यर अपने पहले ही मुकाबले में शतक बना लेते अगर टीम साथी शशांक सिंह के बीच हार्दिक पांड्या की आत्मा न आ गई होती। फ्लैट पिच पर गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों के खिलाफ श्रेयस ने शुरूआत से आक्रमक रुख अपनाया था। आखिर पारी के 17वें ओवर में उन्होंने अपना रौद्र रूप दिखाया और प्रसिद्ध कृष्णा को 3 छक्के जड़कर मैच रोमांचक कर दिया। श्रेयस ने 42 गेंदों पर 5 चौके और 9 छक्कों की मदद 97 रन बनाए। वह आखिरी ओवर में शतक नहीं बना पाए क्योंकि उन्हें शशांक ने स्ट्राइक नहीं दी और पांच चौके ठोककर 243 रन तक टीम स्कोर तक पहुंचा दिया। अपना पहला आईपीएल शतक चूक जाने के बाद श्रेयस के माथे पर जरा भी शिकन नहीं थी। वह मुस्कराते हुए डगआऊट की ओर गए जहां टीम साथियों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

बतौर कप्तान 2000 रन भी पूरे

आईपीएल में बतौर कप्तान श्रेयस अय्यर ने अपने 2 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। इस लिस्ट में विराट कोहली 143 मैचों में 4994 रन बनाकर टॉप पर हैं। इसके बाद महेंद्र सिंह धोनी 4660 रन, रोहित शर्मा 3986 रन, गौतम गंभीर 3518 रन, डेविड वॉर्नर 3356 रन और केएल राहुल 2691 रन का नाम आता है। केएल राहुल यह उपलब्धि हासिल करने वाले सातवें बल्लेबाज हैं उन्होंने यह रिकॉर्ड अपने 71वें मुकाबले में बनाया।

चौथे ओवर में आए थे क्रीज पर

श्रेयस चौथे ओवर की शुरूआत में ही क्रीज पर आ गए थे जब प्रभसिमरन सिंह 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। श्रेयस ने प्रियांश के साथ साझेदारी बनाई और स्कोर 79 तक ले गए। प्रियांश के 47 रन पर आऊट होने के बाद श्रेयस ने एक छोर संभाला और तेजतर्रार शॉट लगाए। इस दौरान उमरजजई 16, ग्लेन मैक्सवेल 0, मार्कोस स्टोइनिस 20 रन बनाकर आऊट हो गए लेकिन श्रेयस ने शशांक के साथ मिलकर स्कोर 200 पार लगाया। अगर वह शतक लगाते तो क्रिकेट फैंस बेहद खुश होते लेकिन ऐसा हो नहीं पाया।

ऐसी गुजरी पंजाब किंग्स की पारी

पंजाब के लिए प्रियांश आर्य के साथ प्रभसिमरन सिंह ओपनिंग के लिए आए। प्रभसिमरन चौथी ओवर में पांच रन बनाकर आऊट हो गए। इसके बाद प्रियांश ने एक छोर संभाला और ताबड़तोड़ शॉट लगाए। कप्तान श्रेयस अय्यर भी अलग रंग में दिखे। दोनों ने पावरप्ले में पंजाब का स्कोर 73 पर ला खड़ा कर दिया। 7वें ओवर में प्रियांश 23 गेंदों पर 47 रन बनाकर राशिद खान का शिकार हो गए। श्रेयस ने एक छोर संभाला लेकिन उमरजजई 16 तो ग्लेन मैक्सवेल पहली ही गेंद पर आऊट हो गए। तब श्रेयस के साथ स्टोइनिस पारी संभालते हुए दिखे। श्रेयस ने इस दौरान अपना अर्धशतक पूरा किया। श्रेयस रुके नहीं। उन्होंने शशांक के साथ कदम मिलाया और तेजी से रन खींचे। 20वें ओवर में उन्हें स्ट्राइक ही नहीं मिली जिसके चलते वह अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। लेकिन शशांक ने टीम को 243 रन तक पहुंचा दिया। शशांक ने 16 गेंदों पर 44 रन बनाए।

एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप

सुनील कुमार ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक, चीनी पहलवान को दी मात

नई दिल्ली, एजेंसी। सुनील ने चीन के जियाजिन हुआंग को मात दी। सुनील इससे पहले सेमीफाइनल में हार गए थे जिसके बाद उन्होंने कांस्य के लिए मुकाबला खेला। भारतीय पहलवान सुनील कुमार ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। 87 किग्रा ग्रीको रोमन वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में सुनील ने चीन के जियाजिन हुआंग को मात दी। सुनील इससे पहले सेमीफाइनल में हार गए थे जिसके बाद उन्होंने कांस्य के लिए मुकाबला खेला।

सेमीफाइनल में ईरानी प्रतिद्वंद्वी से हारे थे सुनील

2019 में रजत पदक जीतने वाले सुनील पुराना जादू बिखेरने में सफल रहे। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में तजाकिस्तान के सुखरोब अब्दुलखाएव को 10-1 से हराया। सेकेंड पीरियड में उन्होंने सभी अंक हासिल किए थे। हालांकि, सेमीफाइनल में ईरान के यासिन याजदी के खिलाफ सुनील को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा और वह फाइनल में जगह नहीं बना सके। वहीं, 77 किग्रा वर्ग का क्वालिफिकेशन बाउट जीतने वाले सागर ठकरान क्वार्टर फाइनल में जॉर्डन के आमरो सादेह से 10-0 से हार गए। सादेह ने इस तरह सेमीफाइनल में जगह बनाई। हार के बाद सागर को अपने प्रतिद्वंद्वी के सेमीफाइनल मैच के नतीजे पर निर्भर रहना होगा। अन्य मैचों में उमेश (63 किग्रा) क्वालिफिकेशन में हार गए, जबकि नितिन (55 किग्रा) और प्रेम (130 किग्रा) भी क्वालिफिकेशन दौर से बाहर हुए।

हिमाचल की शिल्पा की कप्तानी में भारत ने जीता कबड्डी का विश्व कप

बिलासपुर, एजेंसी। इंग्लैंड में खेले गए कबड्डी वर्ल्ड कप-2025 में भारत की पुरुष और महिला टीमों ने मेजबान इंग्लैंड को हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। भारतीय कबड्डी का परचम फिर विश्व स्तर पर लहराया है। इंग्लैंड में खेले गए कबड्डी वर्ल्ड कप-2025 में भारत की पुरुष और महिला टीमों ने मेजबान इंग्लैंड को हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। खास बात यह है कि भारतीय महिला टीम की कमान मंडी के बल्ह विधानसभा क्षेत्र के चक्कर गांव की शिल्पा भारद्वाज के पास रही। जिन्होंने अपनी कप्तानी में टीम को ऐतिहासिक जीत तक पहुंचाया। भारतीय महिला टीम ने फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 57-34 से मात दी, जबकि पुरुष टीम ने रोमांचक मुकाबले में 44-41 से जीत दर्ज की। महिला टीम में बिलासपुर की मीनाक्षी भी शामिल रहीं। जिन्होंने अपने शानदार खेल से टीम की जीत में अहम योगदान दिया। शिल्पा भारद्वाज की कप्तानी और मीनाक्षी के दमदार प्रदर्शन ने हिमाचल प्रदेश का नाम फिर पूरे विश्व में चमकाया है। प्रदेश के खेल प्रेमियों के लिए यह दोहरी खुशी है कि बेटियां इस जीत में अहम भूमिका निभाने में सफल रहीं। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने इस जीत पर खिलाड़ियों को बधाई दी।

जोकोविच ने मुसेट्टी को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

मियामी, एजेंसी। छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने बुधवार (भारतीय समयानुसार) को 15वीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी के खिलाफ 6-2, 6-2 से जीत के साथ एटीपी मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 37 वर्षीय खिलाड़ी, जो अब अपने 100वें टूर-लेवल खिताब से तीन जीत दूर हैं, अब उनका अगला मुकाबला अमेरिकी सेबेस्टियन कोर्डा से होगा। यह 2019 के बाद से मियामी में जोकोविच की पहली उपस्थिति है। एटीपी के अनुसार, 2016 में क्रैंडन पार्क में खिताब जीतने के बाद से वह क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंचे थे। जोकोविच शुरुआती ब्रेक में पिछड़ गए और उन्हें समय उल्लंघन की चेतावनी दी गई। वह क्षण निर्णायक साबित हुआ, क्योंकि 40 बार के मास्टर्स 1000 विजेता ने वहीं से लय हासिल कर ली। चौथे वरीय खिलाड़ी ने लगातार नौ गेम जीतकर घाटे को भूस्खलन में बदल दिया, और अंततः एक घंटे और 23 मिनट के बाद अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। सेरेना विलियम्स और जुआन मार्टिन डेल पोत्रो (अर्जेंटीना के खिलाड़ी उनके बॉक्स में थे) के सामने जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन किया। जोकोविच ने अपने ऑन-कोर्ट साक्षात्कार में कहा, मैं स्टारस्ट्रक था! फर्स्ट डेलपो को देखना अद्भुत था, जाहिर तौर पर एक लंबे समय से दोस्त और प्रतिद्वंद्वी, उन्हें अपने आस-पास पाकर और बॉक्स से उनका समर्थन पाकर बहुत खुश था। यह आश्चर्यजनक था, डेलपो को बॉक्स में देखना (पहली बार) था, इसलिए मैं उन्हें आने के लिए वास्तव में धन्यवाद देना चाहता हूं। और सेरेना, यह एक आश्चर्य था। मुझे नहीं पता था।

उन्होंने आगे कहा, वास्तव में, जब मैंने डाउन-द-लाइन पासिंग शॉट लगाया, तो मैंने उसकी ओर इशारा किया और उससे पूछा कि क्या यह ठीक है। उसने कहा, हाँ, यह ठीक था। अगर सेरेना कहती है कि यह ठीक था, तो यह हर किसी के मानकों के हिसाब से अद्भुत था। तो हां, उनका होना बहुत बढ़िया है।

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक की असल वजह आई सामने

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा का तलाक हो चुका है। 20 मार्च ब्रांद्रा फैमिली कोर्ट ने दोनों के तलाक पर मोहर लगाई। इस जोड़े ने अलग होने की घोषणा की थी, लेकिन उन्होंने अपने अलग होने के पीछे की वजह का खुलासा नहीं किया।

एक नई रिपोर्ट में है इन दोनों के अलग होने की वजह सामने आई है। चहल-धनश्री ने दिसंबर 2020 में अपनी शादी की थी।

एक वरिष्ठ पत्रकार विक्की लालवानी के मुताबिक चहल-धनश्री के बीच तलाक का मुख्य कारण उनके निवास स्थान को लेकर जुड़ा था। पत्रकार के मुताबिक, शादी के बंधन में बंधने के बाद युजी और धनश्री हरियाणा में युजी के माता-पिता के साथ रहने चले गए और जरूरत पड़ने पर ही मुंबई जाते थे। यह मुंबई-हरियाणा का झगड़ा ही एक मुख्य कारण था जिसकी वजह से यह चर्चित शादी टूट गई। युजी ने स्पष्ट किया कि वह अपने माता-पिता के घर और आस-पास से खुद को दूर नहीं करेंगे। इन दावों के बावजूद युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा सहित दोनों के परिवार वालों ने इस मामले में कुछ नहीं कहा है। अपने आधिकारिक बयान में जोड़े ने कहा कि उन्होंने सौहार्दपूर्ण और आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। बार एंड बेंच के अनुसार युजवेंद्र चहल ने धनश्री वर्मा को गुजारा भत्ता के तौर पर 4.75 करोड़ रुपए देने पर सहमति जताई है।

विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश पर भी है धोनी का प्रभाव, बताया किस तरह दबाव झेलने में मिलती है मदद

चेन्नई, एजेंसी। गुकेश ने पिछले साल डिंग लिरेन को हराकर फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीता था। गुकेश महेंद्र सिंह धोनी के बड़े प्रशंसक हैं और उन्होंने बताया कि किस तरह इस पूर्व भारतीय कप्तान का प्रभाव उन पर पड़ा है।

भारतीय टीम और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से खेल जगत के कई लोग प्रभावित होते रहे हैं और इस लिस्ट में विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश का नाम भी शामिल है। गुकेश शतरंज बोर्ड पर शांत रवैये के लिए जाने जाते हैं और धोनी भी कैप्टन कूल के नाम से प्रसिद्ध हैं। 43 साल के धोनी फिलहाल आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं। गुकेश ने शतरंज

में दबाव झेलने का श्रेय धोनी को दिया है।

गुकेश विश्व कप विजेता कप्तान धोनी के बड़े प्रशंसक हैं और अब वह सीएसके के इस लीजेंड खिलाड़ी से जीवन के सबक सीख रहे हैं। गुकेश ने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में सीएसके साथ विशेष बातचीत की। गुकेश ने इस दौरान बताया कि किस तरह उन पर और उनके खेल पर धोनी का प्रभाव है। गुकेश ने कहा, धोनी के एक खिलाड़ी हैं जिनकी मैं हमेशा प्रशंसा करता हूं। कैसे वे किसी भी चीज पर प्रतिक्रिया नहीं करते। कैसे वे किसी भी परिस्थिति में शांति से सोचने में सक्षम हैं। सबसे ज्यादा दबाव वाले क्षणों में, वे शांति से सोचने में सक्षम हैं। मैं यह सब देखते हुए बड़ा हुआ हूं। मुझे लगा कि मुझे अपने खेल में भी इसे अपनाना चाहिए।

गुकेश ने कहा, इस तरह से धोनी ने मुझे वाकई प्रेरित किया है। मैं चीजों पर ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं देता। मैं दबाव झेलने में भी सक्षम हूं। इस मामले में धोनी ने मेरे करियर में मेरी काफी मदद की है। न केवल एक प्रेरणा के रूप में बल्कि मेरे खेल में भी।

गुकेश बोले- धोनी का उनके दृष्टिकोण पर प्रभाव पड़ा

पिछले साल गुकेश ने डिंग लिरेन के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप के मुकाबले में गुकेश ने दबाव की स्थिति में शांत रहने का परिचय दिया था। पहला गेम हारने के बाद गुकेश ने शानदार तरीके से वापसी की थी और लिरेन को अंतिम गेम तक संघर्ष करना पड़ा था। गुकेश ने बताया कि कैसे धोनी को दबाव से निपटते और मैदान पर अपने खिलाड़ियों को नियंत्रित करते हुए देखने से शतरंज के प्रति उनके दृष्टिकोण पर प्रभाव पड़ा है। गुकेश ने कहा, जब भी कोई दबाव वाला पल आता है, तो मैं सोचता हूं कि धोनी ने ऐसी परिस्थिति में इतने दबाव को कैसे संभाला होगा। इन चीजों ने मुझे शांत रहने में बहुत मदद की है। मुझे लगता है कि धोनी ने एक साक्षात्कार में कहा था, सरल चीजें करते रहो, जब परिस्थिति बहुत कठिन हो तो दिमाग स्पस्ट रखो। शतरंज में कठिन परिस्थितियों का सामना करते समय मैं अपने भीतर वही शांति लाने की कोशिश करता हूं।

अभिषेक बच्चन को अपना सबसे अच्छा को-स्टार मानते हैं जॉन

अभिनेता जॉन अब्राहम ने बॉलीवुड इंडस्ट्री के लोगों की तारीफ की है। साथ ही उन्होंने ऋतिक रोशन और रणबीर जैसे स्टारकिड्स को लेकर भी अपनी राय दी। उन्होंने इंडस्ट्री के अपने अनुभवों को भी साझा किया। जानिए जॉन अब्राहम ने क्या कुछ कहा। अभिनेता जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'द डिप्लोमेट' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस बीच जॉन अब्राहम ने बॉलीवुड के स्टारकिड्स के साथ अपने रिश्तों पर बात की और बताया कि उन्होंने कई स्टारकिड्स के साथ पढ़ाई भी की है।

अभिषेक बहुत अच्छे इंसान हैं

जूम के साथ हालिया बातचीत में जॉन अब्राहम ने कहा, मुझे इंडस्ट्री के लोग बहुत पसंद हैं। अभिषेक बच्चन मेरे सबसे अच्छे सह कलाकारों में से एक हैं। पूरी ईमानदारी से कहूं तो वो वाकई बहुत अच्छे इंसान हैं, जिनके साथ मुझे काम करने का मौका मिला। ऋतिक रोशन को मैं स्कूल के समय से जानता हूं। वो मेरे क्लासमेट थे और सबसे अच्छे लड़कों में से एक थे। उदय चोपड़ा भी मेरे क्लासमेट रहे हैं।

रणबीर कपूर थे जॉन के जूनियर

जॉन ने आगे कहा, मेरे स्कूल के कई लोग आजकल इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। रणबीर कपूर मेरे जूनियर थे और आदित्य चोपड़ा मेरे सीनियर हुआ करते थे। जबकि आमिर खान मेरे सुपर सीनियर थे। हम सब एक ही स्कूल से हैं।

इंडस्ट्री के लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिलता है

इंडस्ट्री के लोगों की तारीफ करते हुए अभिनेता ने कहा, इंडस्ट्री से जुड़े लोगों में एक सहजता और आत्मविश्वास होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि वो इस बिजनेस को काफी अच्छे से समझते हैं। उनका रवैया बहुत बढ़िया रहता है। वो लोग यहां के लोगों और जगहों को काफी अच्छे से जानते हैं। मैं इन लोगों से बहुत कुछ सीखता रहता हूं।

उतार-चढ़ाव से भरा रहा मेरा करियर: शरवरी वाघ

अभिनेत्री शरवरी अभिनय के क्षेत्र में पांच साल का समय बिता चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने कई शानदार फिल्में दीं। वाघ ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खूब बात की। उन्होंने बताया कि उनका सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। शरवरी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत द फॉरगॉटन आर्मी - आजादी के लिए वेब सीरीज से की थी, जिसमें उनके साथ सनी कौशल मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद वह बंटी और बबली 2 में नजर आईं। धीमी शुरुआत के बाद अभिनेत्री मुंज्या, महाराज और वेदा जैसी हिट फिल्मों में काम कीं, जिन्हें काफी पसंद किया गया। शरवरी ने बताया, मैं अपने सफर के लिए आभारी हूं, जो उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। मैंने हर दिन कुछ नया सीखा है। मुझे लगता है कि यह शुरुआत है। मुझे लंबा सफर तय करना है। शिव रवैल के निर्देशन में तैयार अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' में शरवरी वाघ अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी। कैट फूड शिबा के कैंपेन लॉन्च कार्यक्रम में हिस्सा लेने नई दिल्ली पहुंची शरवरी ने आलिया के साथ काम करने का अपना अनुभव भी साझा किया। शरवरी ने कहा, आलिया शानदार अभिनेत्री के साथ ही शानदार इंसान भी हैं और फिल्म में काम कर मुझे जो सबसे बड़ा फायदा मिला, यह था कि मुझे उनसे सीखने को मिला। उन्होंने कहा, मुझे हर दिन सेट पर उनके साथ रहना एक मास्टर क्लास की तरह लगता था। मैंने उनसे जो कुछ भी सीखा है, उसे मैं अपने अगले हर प्रोजेक्ट में लागू करूंगी। मैं आलिया के साथ काम करने का यह अवसर पाकर आभारी हूं। शरवरी की अपकमिंग फिल्म अल्फा के बारे में बता दें कि यह यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इसकी शुरुआत सलमान खान और कैटरीना कैफ की फिल्म टाइगर फ्रैंचाइज से हुई, पहले एक था टाइगर और उसके बाद टाइगर जिंदा है आई। इसके बाद वॉर, पठान और टाइगर 3 के साथ एक्शन और रोमांच का सफर जारी है। फ्रैंचाइज की आने वाली फिल्मों में अयान मुखर्जी के निर्देशन में तैयार वॉर 2, पठान 2 और टाइगर बनाम पठान शामिल हैं।

सलमान की सिकंदर पर चली सेंसर की कैंची

सलमान खान की फिल्म सिकंदर 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो ईद-उल-फितर के त्योहार के साथ आएगी। वहीं इस फिल्म को सेंसर बोर्ड से यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है, लेकिन कुछ बदलाव के साथ...

सलमान खान और रश्मिका मंदाना अभिनित फिल्म सिकंदर की रिलीज का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस फिल्म से कुछ शब्दों को हटाने के लिए कहा गया है, साथ ही फिल्म का रन टाइम भी सामने आ गया है। एक खबर के मुताबिक, फिल्म सिकंदर में गृह मंत्री से होम शब्द हटाने और एक राजनीतिक पार्टी के होर्डिंग को धुंधला करने को कहा गया है। अच्छी बात यह है कि एक्शन सीन में कोई बदलाव नहीं किए गए हैं। वहीं फिल्म सिकंदर का रन टाइम भी तय कर दिया गया है। फिल्म की लंबाई 2 घंटे 30 मिनट और 8 सेकंड है। सिकंदर को साजिद नाडियाडवाला ने बनाया है और ए आर मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है। सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना भी मुख्य भूमिका में हैं। सलमान ने हाल ही में बताया कि मुरुगार्दॉस ने उन्हें एक्शन सीन के लिए खूब प्रेरित किया और इस फिल्म के लिए उन्होंने सुबह जल्दी शूटिंग भी की, जो वह पहले कभी नहीं करते थे। फिल्म में शानदार सिनेमैटोग्राफी एस. थिरुनावुकारसु ने की है। सिकंदर के सभी शानदार गाने प्रीतम ने तैयार किए हैं और बैकग्राउंड म्यूजिक संतोष नारायणन ने दिया है। फिल्म सिकंदर ईद पर सलमान खान की तरफ से उनके फैंस के लिए सबसे अच्छी ईदी होगी।

दीपिका सहित बॉलीवुड सितारे जो फिटनेस के हैं दीवाने

बॉलीवुड सितारे सिर्फ़ अपनी एक्टिंग के लिए ही नहीं बल्कि फिटनेस के प्रति अपने समर्पण के लिए भी जाने जाते हैं। आइए, नजर डालते हैं कि दीपिका पादुकोण, कृष्णा श्रॉफ, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज और सारा अली खान अपनी बेहतरीन फिटनेस को बनाए रखने के लिए किस तरह लगातार और विविध वर्कआउट रूटीन अपनाते हैं, जिससे उनकी एक्सरसाइज़ कभी उबाऊ नहीं लगती। दीपिका पादुकोण: दीपिका पादुकोण का फ़िटनेस अप्रोच उनकी एक्टिंग भूमिकाओं की तरह ही बहुमुखी है। उनके वर्कआउट में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, योग, कार्डियो, और पिलेट्स का संतुलित मिश्रण शामिल है। दीपिका, जो हमेशा फिटनेस की समर्थन करती हैं। वे फिटनेस को लेकर बहुत अनुशासित रहती हैं और अभी मिस नहीं करती, यहां तक कि अपनी प्रेग्नेंसी के तीसरे तिमाही के दौरान भी उन्होंने वर्कआउट करना नहीं छोड़ा। कृष्णा श्रॉफ: कृष्णा श्रॉफ और उनके भाई टाइगर श्रॉफ ने भारत में स्क्रूको लाने और इसे लोकप्रिय बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई हैं। फिल्म व्यवसाय की अपनी समृद्ध विरासत से हटकर, कृष्णा एक ऐसी पथप्रदर्शक हैं जिन्होंने इंडस्ट्री में एक फिटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर के रूप में अपने लिए एक प्रतिष्ठित स्थान बनाया है .

कुणाल कामरा विवाद पर बोलीं कंगना रनौत

दो मिनट की फेम के लिए कुछ भी कर रहे लोग

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नाम लिए बगैर उन पर विवादित टिप्पणी करने वाले स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को लेकर फिल्म जगत के कुछ सितारे समर्थन में तो कुछ विरोध में नजर आए। अभिनेत्री और मंडी लोकसभा सीट से सांसद कंगना रनौत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कॉमेडी के नाम पर किसी की इज्जत उछालना गलत है। ये वही लोग हैं, जो जिंदगी में कुछ नहीं कर पाए। कंगना ने कामरा के 'गद्दार' या 'दलबदलू' वाले मजाक को गलत बताते हुए कहा, आप कोई भी हो और किसी के काम से यदि असहमत हैं तो इस तरह से नहीं बोल सकते। जब बीएमसी ने मेरे ऑफिस को तोड़ा था तब भी कामरा ने मजाक उड़ाया था। मेरे साथ जो हुआ वह गैरकानूनी था और इनके साथ जो हुआ वह लीगल है। कंगना ने आगे कहा, आप कॉमेडी के नाम पर उनकी इज्जत उछाल रहे हैं। उनकी बुराई कर रहे हैं और उनके काम को नजरअंदाज कर रहे हैं। एकनाथ शिंदे जी किसी जमाने में रिक्शा चलाते थे। आज वो अपने दम पर हैं? और कॉमेडी के नाम पर ऐसा करने वालों के पास क्या है? उन्होंने खुद की जिंदगी में क्या किया है, ये लोग जो जिंदगी में कुछ कर नहीं पाए। मैं कहती हूं कि अगर वो कुछ लिख सकें तो साहित्य में क्यों नहीं लिखते? कॉमेडी के नाम पर गाली या अभद्रता करते हैं। कंगना ने कहा, कॉमेडी के नाम पर हमारे ग्रंथों का मजाक उड़ाना, लोगों का मजाक उड़ाना, माताओं-बहनों का मजाक उड़ाना गलत है। आजकल सोशल मीडिया पर किस तरह के लोग आ गए हैं, जो खुद को इनफ्लूएंसर्स कह रहे हैं। हमारा समाज कहां जा रहा है। दो मिनट की फेम के लिए ये क्या कर रहे हैं हमें इस बारे में सोचना चाहिए। बता दें, विवाद के बीच कॉमेडियन का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह शिवसेना नेता संजय राउत के साथ दिखाई दिए थे। यह वीडियो साल 2020 का है,जब बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने कंगना रनौत के बांद्रा स्थित बंगले को ध्वस्त कर दिया था। कामरा, कंगना का मजाक उड़ाते और राउत के साथ पोज देते नजर आए थे।

दूसरी बार मां बनी एमी जैक्सन, बेटे को दिया जन्म

बॉलीवुड में खुशियों की लहर है। अभिनेत्री आथिया शेट्टी और क्रिकेटर केएल राहुल के पेरेंट्स बनने के बाद ब्रिटिश मॉडल- अभिनेत्री एमी जैक्सन के घर भी किलकारी गूंजी है। दूसरी बार मां बनी अभिनेत्री ने बेटे को जन्म दिया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्होंने प्रशंसकों को जानकारी दी। इंस्टाग्राम पर पति के साथ तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, दुनिया में आपका स्वागत है, बेबी बॉय। इसके साथ ही उन्होंने बेबी के नाम का भी खुलासा किया। बताया कि बेटे का नाम ऑस्कर अलेक्जेंडर वेस्टविक रखा है। शेयर की गई तीन तस्वीरों में से पहली तस्वीर में वह पति के साथ और दूसरी, तीसरी तस्वीर में वह अपने नन्हें राजकुमार को दुलारती नजर आईं। ब्रिटिश एक्टर एड वेस्टविक और एमी जैक्सन का ये पहला बच्चा है। जबकि एक्ट्रेस के छह साल के बड़े बेटे के पिता होटल बिजनेसमैन जॉर्ज पानायियोटौ हैं। 2019 में सगाई के आठ महीने बाद बेटे को जन्म दिया था। इसके बाद दोनों का ब्रेक अप हो गया था। बड़े बेटे का नाम उन्होंने एंड्रियास जैक्स रखा है। जॉर्ज से अलगाव के बाद एमी की मुलाकात साल 2022 में वेस्टविक से हुई। दो साल बाद अगस्त में दोनों ने शादी कर ली थी। ब्रिटिश अभिनेता वेस्टविक के साथ शादी के दो महीने बाद प्रेग्नेंसी की खबर प्रशंसकों से शेयर की थी। ब्रिटिश अभिनेत्री-मॉडल एमी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह बॉलीवुड में कई फिल्में कर चुकी हैं। वह अभिनेता अक्षय कुमार के साथ 'सिंह इज ब्लिंग' में काम कर चुकी हैं। सोनू सूद के साथ 'तूतक तूतक तूतिया' और विद्युत जामवाल, नोरा फतेही के साथ 'क्रैक' में भी काम कर चुकी हैं। वह दक्षिण भारतीय फिल्मों में भी अपने अभिनय का कमाल दिखा चुकी हैं। रजनीकांत के साथ 2.0 में भी नजर आई थीं। 2012 में रिलीज हुई फिल्म एक दीवाना में उन्हें प्रतीक बब्बर के साथ देखा गया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई।

सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी गुलशन देवैया, राधिका आप्टे और साई ताम्हणकर स्टारर 'हंटरर' 4

गुलशन देवैया, राधिका आप्टे और साई ताम्हणकर स्टारर एडल्ट कॉमेडी फिल्म 'हंटरर' सिनेमाघरों में फिर से रिलीज के लिए तैयार है। साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म दस साल बाद 4 अप्रैल को सिनेमाघरों में फिर से आएगी। मार्च 2015 में रिलीज यह फिल्म एक अव्यवस्था को तोड़ने वाली फिल्म थी, अपने बोल्ड विषय, शानदार अभिनय के लिए फिल्म को समीक्षा मिली। फिल्म में गुलशन ने एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभाई, जो कामुक रहता है। अभिनेता ने कहा कि उन्हें फिल्म पर काम करने और इसके लिए ढेरों प्यार पाने में मजा आया। उन्होंने एक बयान में कहा, हंटर 2015 से सिनेमा प्रेमियों से खूब स्नेह पाया। एक बार फिर लोगों को प्यारी फिल्म देखने के लिए सिनेमाघर जाने का मौका मिला है। सभी को दसवीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं और मैं आपसे

सिनेमाघर में मिलूंगा। राधिका ने हंटर को अपने करियर की सबसे मजेदार फिल्मों में से एक बताया। उन्होंने कहा, जब स्क्रिप्ट मेरे पास आई थी, तो मुझे पता था कि मुझे यह फिल्म करनी है। इतने सालों बाद री-रिलीज का यह एक अच्छा फैसला है। फिल्म ने कल्ट का दर्जा हासिल कर लिया है और मुझे खुशी है कि यह सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो रही है। फिल्म में सई ताम्हणकर के किरदार का नाम ज्योत्सना है। उन्होंने याद किया कि कैसे उन्होंने इस प्रोजेक्ट को शुरू होने से कुछ दिन पहले ही साइन किया था और यह एक स्पेशल फिल्म बन गई। उन्होंने कहा, शूटिंग से तीन दिन पहले ही मुझे इसके लिए कास्ट किया गया था। यह एक कल्ट फिल्म बन गई। मैं हंटर का हिस्सा बनकर खुश हूं। यह एक ऐसी फिल्म थी जो अपने समय से बहुत आगे थी और मैं रोमांचित हूं कि यह अब, ऐसे दिलचस्प समय पर रिलीज हो रही है। टेलर मेड फिल्म्स, फैंटम और शेमारू ने मिलकर फिल्म को प्रोड्यूस किया। हंटर के निर्देशक हर्षवर्धन कुलकर्णी हैं, जो उनकी पहली फिल्म थी। हंटर 4 अप्रैल को पीवीआर आईनॉक्स में फिर से रिलीज होने के लिए तैयार है।

फैशन से लेकर BTS मोमेंट्स, चुनौतियाँ और भी बहुत कुछ - यूट्यूबर बनीं उर्फी जावेद !

बेखौफ फैशन आइकन और सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद ने अपना पहला YouTube चैनल लॉन्च कर एक नया अध्याय शुरू किया है। इस

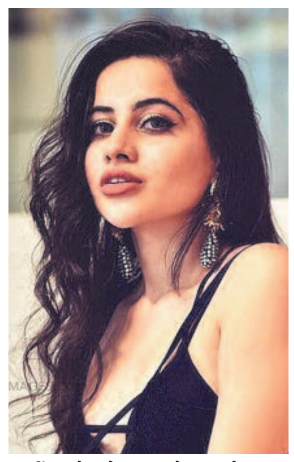

नए पेज के माध्यम से उर्फी जावेद अपने फैशन के सफर को दिखाने का इरादा रखती हैं, जिसमें ब्लूपर्स मोमेंट्स, बोल्ड लुक्स, आउटफिट एक्सपेरिमेंट्स, फैशन चुनौतियाँ और उनके बीच की हर चीज़ शामिल होगी।

हाल ही में उर्फी ने अपना पहला वीडियो भी जारी किया, उर्फी जावेद कहती हैं, मैंने अपने पेज को खोलने का सपना बहुत समय से देखा है, और अब जब यह सच हो गया है, तो अपनी खुशी को शब्दों में बयां करना मुश्किल हो रहा है। यह चैनल निडरता, शानदार फैशन और ड्रामे से भरपूर होगा !अपने दमदार फैशन आउटिंग्स के साथ, उर्फी जावेद ने खुद को एक बेबाक और बोल्ड फैशनिस्टा के रूप में स्थापित किया है, जो कपड़ों और फैब्रिक्स की सीमा से परे जाकर फैशन की दुनिया को एक्सप्लोर करने से नहीं हिचकिचातीं।

साभार एजेंसी